■ वर्ष-22 ■ अंक-235
■ पृष्ठ-8 ■ मूल्य-2.00

भोपाल
■ शुक्रवार ■ 28 मार्च 2025
चैत्र कृष्ण पक्ष चतुर्दशी
विक्रम संवत्-2081

E-mail
dainiksamayjagat@gmail.com
insmjagat@gmail.com

प्रधान संपादक : अशोक त्रिपाठी

दैनिक

समय जगत

भोपाल, दिल्ली, म.प्र., उ.प्र. और अन्य राज्यों से एक साथ प्रकाशित

एक संदेश-पूरा देश

म.प्र. के सर्वाधिक केंद्रों तक प्रसारित प्रदेश का एकमात्र समाचार पत्र

ईश्वर से अधिक मूल्यवान दुनिया में कुछ भी नहीं...

शीर्ष की ओर 'समय जगत'
Facebook
asksamayjagat
Instagram
@asksamayjagat
Twitter
@asksamayjagat
यूट्यूब पर
'खबर समय जगत'
को भी सब्सक्राइब करें
www.dainiksamayjagat.in

राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने बांग्लादेश के राष्ट्रीय दिवस पर दीं शुभकामनाएं

मुर्मू ने बांग्लादेश के राष्ट्रपति को लिखा पत्र

नई दिल्ली। बांग्लादेश के राष्ट्रीय दिवस पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुभकामनाएं दी हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस को पत्र लिखकर शुभकामनाएं दीं और दोनों देशों के बीच आपसी सहयोग और संवेदनशीलता के महत्व पर बल दिया। यह पत्र ऐसे समय में आया है जब दोनों नेता आगामी 3-4 अप्रैल को बैंकॉक में होने वाले बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में पहली बार आमने-सामने मुलाकात करने वाले हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने पत्र में साझा इतिहास और बलिदान को भारत-बांग्लादेश संबंधों की नींव बताया। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश के मुक्ति संग्राम की भावना आज भी दोनों देशों के संबंधों को मार्गदर्शन देती है और यह सहयोग विभिन्न क्षेत्रों में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा, कि हम शांति, स्थिरता और समृद्धि की साझा आकांक्षाओं के तहत एक-दूसरे के हितों और चिंताओं के प्रति आपसी संवेदनशीलता के आधार पर इस साझेदारी को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी बांग्लादेश के राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन को पत्र लिखकर लोकतांत्रिक, स्थिर, समावेशी, शांतिपूर्ण और प्रगतिशील बांग्लादेश के लिए भारत के समर्थन को दोहराया। उन्होंने कहा, कि भारत-बांग्लादेश संबंध बहुआयामी हैं और व्यापार, मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी, विकास साझेदारी, ऊर्जा, शिक्षा, सांस्कृतिक सहयोग और लोगों के बीच संबंधों को बढ़ाने में हमारे प्रयास जारी रहेंगे। बांग्लादेश भारत का पड़ोसी पहले और एक्ट ईस्ट नीतियों के साथ-साथ इंडो-पैसिफिक विजन का एक महत्वपूर्ण केंद्र है।

खाटू श्याम मंदिर में 30 मार्च को होगी विशेष पूजा अनुष्ठान

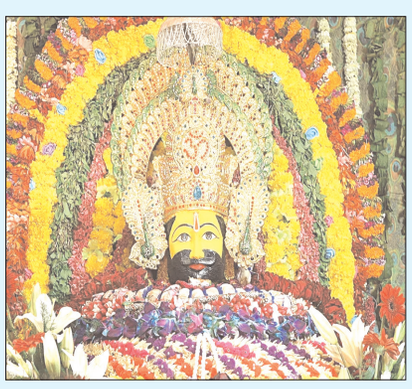

सीकर। हारे का सहारा बाबा श्याम का पावन सिंजारा पर्व इस वर्ष 30 मार्च को श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया जाएगा। इस अवसर पर खाटू श्याम मंदिर में विशेष सेवा, पूजा और भव्य श्रृंगार किया जाएगा। इसे ध्यान में रखते हुए श्री श्याम मंदिर कमेटी ने घोषणा की है कि 30 मार्च को दिन में 5 बजे तक मंदिर के पट बंद रहेंगे, जिससे श्रद्धालु बाबा श्याम के दर्शन नहीं कर सकेंगे। मंदिर कमेटी के कोषाध्यक्ष कालुसिंह चौहान ने मीडिया को जानकारी दी है कि 29 मार्च की रात 10 बजे से लेकर 30 मार्च की शाम 5 बजे तक मंदिर के पट श्रद्धालुओं के लिए बंद रहेंगे। इस दौरान बाबा श्याम की विशेष सेवा-पूजा और तिलक अनुष्ठान होगा। कमेटी ने स्पष्ट किया है कि लखदातार के श्रृंगार और पूजा में कोई बाधा न हो, इसलिए इस अवधि में आम दर्शन स्थगित रहेंगे।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में विज्ञान प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नेतृत्व कर रहा है भारत

स्पेस पॉलिसी के निर्माण और इसरो के केंद्र के लिए होंगे प्रयासः मुख्यमंत्री

समय जगत, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रकृति के अनेक रहस्य सुलझाने की क्षमता विज्ञान में हैं। आज विज्ञान और प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग से अनेक क्षेत्रों में बड़े परिवर्तन हो रहे हैं। फार्मिंग से लेकर फायनेंस तक मैन्यूफैक्चरिंग से लेकर मेडिसिन तक और एजुकेशन से लेकर कम्यूनिकेशन तक प्रत्येक क्षेत्र का स्वरूप परिवर्तित हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में गत एक दशक में भारत ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में तीव्र प्रगति की है।

राष्ट में एक नई ऊर्जा और शक्ति का संचार हुआ है। मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत की विजनरी नीति का ही परिणाम है कि भारत डिफेंस और अन्तरिक्ष के क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़ रहा है। भारत इस क्षेत्र में गलोबल लीडर बन रहा है। मध्यप्रदेश शासन द्वारा शीघ्र ही स्पेस पॉलिसी बनाई जाएगी। प्रदेश में इसरो के केंद्र की शुरूआत के लिए भी मंथन प्रारंभ किया गया है। हाल ही में जीआईएस के दौरान विज्ञान और प्रौद्योगिकी के उपयोग पर केंद्रित 4 नीतियों को लागू करने की पहल इसी दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरूवार को उज्जैन में हो रहे राष्ट्रीय वैज्ञानिक सम्मेलन/विज्ञान उत्सव और चालीसवें मध्यप्रदेश युवा वैज्ञानिक सम्मेलन का समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) से वर्चुअल रूप से शुभारंभ करते हुए यह बात कही। यह सम्मेलन कालिदास अकादमी परिसर उज्जैन में हो रहा है। कार्यक्रम में कौशल विकास एवं रोजगार राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार गौतम टेटवाल भी वर्चुअल रूप से शामिल हुए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में विभिन्न क्षेत्रों में विज्ञान का उपयोग बढ़ाया जाएगा। प्रदेश को टेक्नालॉजी और इनोवेशन हब बनाया जाएगा। हाल ही में इसरो ने स्पेस डॉकिंग एक्सपेरिमेंट अर्थात स्पैडेक्स सैटेलाइट की सफल लॉन्चिंग करते हुए इतिहास रच दिया है। इसके लिए इसरो की टीम बधाई की पात्र है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वैज्ञानिक समाज और विज्ञान प्रौद्योगिकी से जुड़े संस्थानों के सहयोग से मध्यप्रदेश में इसरो की तरह एक केंद्र के विकास पर भी विचार किया जाएगा। वर्तमान में दक्षिण भारत ही ऐसी गतिविधियों का प्रमुख केंद्र है। उत्तर और मध्य भारत में इस तरह के केंद्र का अभाव है। प्रदेश में चिकित्सा और अन्य क्षेत्रों में भी विज्ञान का प्रयोग बढ़ रहा है। विशेष रूप से कृषि क्षेत्र में ड्रोन का उपयोग हो रहा है। मध्यप्रदेश में ड्रोन के माध्यम से राजस्व के क्षेत्र में भी नक्शे बनाने की शुरूआत की गई है। रायसेन से राष्ट्रीय स्तर पर शहरी बस्तियों के भूमि सर्वेक्षण का पायलेट प्रोजेक्ट शुरू हुआ। प्रदेश के अन्य शहरों में भी जमीन,भूखण्ड और बस्तियों का डिजिटल नक्शा बनाने की पहल हुई है। इससे संपत्ति के स्वामित्व के रिकार्ड्स रखना आसान होगा। अनेक क्षेत्रों में विज्ञान का उपयोग कार्यो को आसान बना रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी सनातन संस्कृति भी विज्ञान आधारित है। हम अनेक शुभ कार्य नवग्रह पूजन से प्रारंभ करते हैं। विक्रम संवत 2082 आ रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सम्राट विक्रमादित्य के काल से लेकर अब तक उज्जैन के इतिहास,कला, संस्कृति और अध्यात्म के साथ ही विज्ञान के केंद्र होने का उल्लेख करते हुए कहा कि हम सभी उज्जैन को काल गणना के केंद्र के रूप में जानते हैं। इस संबंध में भी निरंतर अनुसंधान हो रहा है। हम नूतन का स्वागत करते हुए पुरातन परम्पराओं को भी साथ रखते हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि युवा वैज्ञानिक सम्मेलन और राष्ट्रीय वैज्ञानिक सम्मेलन की थीम विकास की बात विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार एक साथ प्रासंगिक है। प्राचीन भारतीय विज्ञान परम्परा पर आधारित विभिन्न सत्रों का आयोजन सराहनीय है, जिसमें लगभग 300 शोधार्थी और युवा वैज्ञानिक 17 विषयों पर शोध पत्र प्रस्तुत कर रहे हैं। प्रौद्योगिकी और नवाचार आज की आवश्यकता है। हाल ही में सम्पन्न ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में आईटी विभाग के माध्यम से 4 महत्वपूर्ण नीतियां मध्यप्रदेश ड्रोन सवंर्धन और उद्योग नीति-2025, मध्यप्रदेश एनीमेशन, विजुअल एफैक्टस, गैमिंग कामिक्स और विस्तारित रियलिटी (एवीजीसी- एक्सआर) नीति-2025, मध्यप्रदेश सेमी कंडक्टर नीति-2025 और मध्यप्रदेश वैश्विक क्षमता केंद्र (जीसीसी)नीति-2025 घोषित की गई हैं। वैज्ञानिक सम्मेलन में स्पेस पॉलिसी बनाने का सुझाव आया है। इस नाते मध्यप्रदेश की स्पेस पॉलिसी तैयार की जाएगी।

श्रमिकों को संबल दे रही
मध्यप्रदेश सरकार
मुख्यमंत्री जनकल्याण (संबल) योजना अंतर्गत
मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव
द्वारा
23 हजार 162 परिवारों को
₹ 505 करोड़ की अनुग्रह राशि का
अंतरण
28 मार्च, 2025 | दोपहर 2:30 बजे
मंत्रालय, भोपाल

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री
डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

संबल योजना में
गिग वर्कर्स भी शामिल

- संबल योजना में 1 करोड़ 74 लाख से अधिक श्रमिक भाई-बहन पंजीयन करा चुके हैं।
- अब तक कुल 6 लाख 58 हजार से अधिक प्रकरणों में राशि ₹5927 करोड़ से अधिक का हितलाभ वितरण किया गया है।
- पंजीकृत श्रमिक की सामान्य मृत्यु पर ₹2 लाख, दुर्घटना मृत्यु पर ₹4 लाख की अनुग्रह सहायता।
- पंजीकृत श्रमिक की स्थायी अपंगता पर ₹2 लाख, आंशिक स्थाई अपंगता पर ₹1 लाख की सहायता।
- पंजीकृत श्रमिक व पंजीकृत श्रमिक के परिवार के सदस्य की मृत्यु होने पर ₹5 हजार की अंत्येष्टी सहायता।
- सभी संबल हितग्राहियों को आयुष्मान भारत निरामयम् योजना अंतर्गत पात्र श्रेणी में चिन्हित किया गया है।
- संबल हितग्राहियों को रियायती दरों पर राशन की सुविधा।
- संबल हितग्राहियों के बच्चों को महाविद्यालय शिक्षा प्रोत्साहन योजना अंतर्गत महाविद्यालय (मेडिकल, विधि, इंजीनियरिंग, पॉलीटेक्निक आदि) में शिक्षा हेतु सम्पूर्ण शिक्षण शुल्क राज्य सरकार द्वारा वहन किया जाता है।
- पंजीकृत महिला श्रमिक व पुरुष श्रमिक की पत्नी को प्रसूति सहायता योजना अंतर्गत कुल ₹16 हजार की राशि की सहायता।

D-11216/24

सीधा प्रसारण Webcast.gov.in/mp/cmevents @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP JansamparkMP

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी
आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2025

बेसहारा गाय का ऑपरेशन कर बचाई जान

छापीहेड़ा। नगर में एक बेसहारा गाय का ऑपरेशन करके उसकी जान बचाई गई।गुरुवार नगर में एक बेसहारा गाय घूम रही थी प्रत्यक्षदर्शी की सूचना पर उस गाय की हालत खराब होने पर उसे गो शाला उपचार केंद्र लाया गया।गो शाला में देखने पर पता चला कि वह गर्भ से है और उसके पेट मे बच्चा जीवित स्थिति में नही है।इसकी सूचना गो शाला केंद्र के लोगो ने मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी खिलचीपुर को दी मुख्य पशु चिकित्सक तीर्थराज कुलस्ते खिलचीपुर से फ़ौरन नगर के गो शाला केंद्र में उपस्थित होकर एक दो घण्टे के ऑपरेशन करने के बाद गाय के पेट से मरे बच्चे को निकालकर गाय की जान बचाई। विदित हैकि नगर में पहले भी ऐसी स्थिति में पशु चिकित्सक तीर्थराज कुलस्ते द्वारा विभिन पशुओं का उपचार एव आपरेशन कर उनकी जान बचाई गई है।नगर के पशु चिकित्सक नगर के बेसहारा पशुओं के इलाज करने में बहाने ढूंढते है वही डॉ कुलस्ते खिलचीपुर में पदस्थ होते हुए एक फोन पर पशुओं की सेवा करने कही भी आ जाते है।इस अवसर पर खिलचीपुर में पदस्थ डॉ नरेंद्र दांगी सहित गो सेवक गोविंद नामदेव नयन गुप्ता हेमंत जायसवाल आयुष शर्मा चीनू शर्मा अंशुल माली प्रेम जायसवाल आदि लोगों ने विशेष सहयोग किया।

भागवत कथा में भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाएं सुन भक्तिरस में डूबे श्रोता

कुलपहाड़/महोबा। नगर के मां गायत्री मंदिर के समीप बद्री प्रसाद सोनी के आवास पर चल रही संगीतमय श्रीमद् भागवत महापुराण कथा में वृंदावन धाम से आये कथा व्यास पंडित कृष्णा जी महाराज ने कहा कि हम आप भगवान को भोग लगाते समय घंटी क्यों बजाते हैं। घंटी इसलिए बजाते हैं कि उसमें गरुड़ जी का वास है, गरुड़ चारों वेदों के ज्ञाता हैं। आपने भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओ का विस्तृत वर्णन किया। कहा कि आज भी ब्रज में माताएं सर पर ओढ़नी रखती हैं, भगवान बृज की गोपियों को प्रसन्न रखते हैं। मेरा छोड़ दे दुपट्टा नंदलाल सवेरे दही लेकर आऊंगी। आपने ब्रज की महिमा का वर्णन करते हुए कहा कि भगवान मनसा वाचा कर्मणा से प्रसन्न होते हैं कहा कि यदि भाई-बहन एक दूसरे का हाथ पकड़ कर यमुना नदी में ब्रज में डुबकी लगाते हैं, तो उन्हें यमदूत परेशान नहीं करते। गीत के माध्यम से कहा कि वृंदावन जाउंगी सखी लौट के ना आऊंगी मेरे उठे विरह की पीर सखी वृंदावन जाऊंगी। गीत पर उपस्थित भक्तगण भक्ति रस में डूब कर नाचने को मजबूर हो गए। आपने ब्रह्मा बाबा द्वारा ब्रज के गाय बछड़ों को ब्रह्म लोक ले गए भगवान कृष्ण द्वारा ब्रह्मा जी का रूप धारण कर ब्रह्म लोक जाकर ब्रह्मा जी का मान मर्दन किया। भगवान के भक्तों को जो लोग परेशान करते हैं, प्रभु उन्हें कभी माफनहीं करता। काली देह की कथा में कालिया नाग को नाथने तथा गोपियों के वस्त्र चुराने की कथा का वर्णन करते हुए कहा कि भगवान ने जो भी लीलाएं की हैं, वह भक्तों के हित में की है। गोपियों द्वारा भगवान श्रीकृष्ण से प्रार्थना करने पर भगवान ने शरद पूर्णिमा की रात्रि पर उनसे मिलने का वादा किया। गोस्वामी तुलसीदास ने कहा कि कर्म प्रधान विश्व रचि राखा जो यस करे सो तस फल चाखा कर्म करो तो भगवान अपने आप फल देते है। गोवर्धन पूजा में भगवान ने कहा कि यह पर्वत वृक्ष हमारे प्राण दान है, पर्यावरण को प्रदूषण से बचाने के लिए हमें इनकी रक्षा करना चाहिए। गोवर्धन पूजा में भक्ति गीत के माध्यम से कहा कि गोवर्धन महाराज तेरे सर पर मुकुट विराज रहो आपने मानसी गंगा के प्रकट होने की कथा का वर्णन किया। कार्यक्रम के अंत में भक्ति गीत गोपाल मुरलिया वाले, नंदलाल मुरलिया वाले, श्री राधा नटवरलाल पर भक्तगण भक्ति रस में डूब कर जमकर नाच किया व अपने जीवन परिवार समाज के निरोग रहने सुख शांति प्रदान करने की प्रार्थना की। कथा में मां बाघ बिराजन धाम मंदिर के पुजारी पंडित नरेंद्र दुबे महाराज, आचार्य अमित, आचार्य गणेश दत्त, आचार्य पंडित कृष्णकांत, पंडित घंशू ब्राह्मणों द्वारा पूजन अर्चन किया जा रहा है। कथा यजमान बद्री प्रसाद सोनी सपत्नीक कमला सोनी के परिजन डॉक्टर आशुतोष सोनी, आशीष सोनी, बंटी, अनुराग सोनी, गोलू भैया, विनोद, हेमल, कुलदीप सोनी, कृष्णकांत सोनी तथा योगेंद्र उपाध्याय द्वारा कार्यक्रम की भरपूर व्यवस्था की जा रही है।

देश एवं प्रदेश की सरकार ने अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए बढ़ाये हैं आय के श्रोतः जितेन्द्र सेंगर

सेवा, सुरक्षा और सुशासन के 8 वर्ष पूर्ण होने पर तीसरे दिन आयोजित हुए विविध कार्यक्रम

समय जगत, महोबा। सेवा, सुरक्षा एवं सुशासन की नीति के साथ उत्तर प्रदेश सरकार के ऐतिहासिक 8 वर्ष पूर्ण होने एवं केंद्र सरकार के 10 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में, जनपद में त्रिदिवसीय जनपदीय विकास महोत्सव कार्यक्रम के तीसरे दिन समापन दिवस में भी कम्युनिटी ग्राउंड में भव्य कार्यक्रम आयोजित किए गए। तीसरे दिन के कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधान परिषद सदस्य जितेंद्र सिंह सेंगर रहे। कार्यक्रम में विधान परिषद सदस्य जितेन्द्र सिंह सेंगर, भाजपा जिलाध्यक्ष मोहनलाल कुशवाहा, जिलाधिकारी मृदुल चौधरी, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद महोबा डॉ संतोष चौरसिया, पुलिस अधीक्षक पलाश बंसल ने देवी प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया। इस दौरान उपस्थित अतिथियों व अन्य लोगों ने महाकुंभ पर आधारित एवं प्रदेश की 8 वर्ष की उपलब्धियो पर आधारित लघु फिल्म का अवलोकन किया, विभिन्न स्कूलों की छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। इस मौके पर विधान परिषद सदस्य व अन्य अतिथियों द्वारा विभिन्न विभाग के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र, प्रशस्ति पत्र वितरण किया गया। जिसके अंतर्गत निपुण विद्यालयों के शिक्षकों का सम्मान, सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रतिभाग करने वाली छात्राओं का सम्मान, कौशल विकास मिशन के अंतर्गत सम्मानित किया गया।

इस दौरान एमएलसी ने अपने संबोधन में कहा कि उत्तर प्रदेश को सर्वोत्तम प्रदेश बनाने में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सरकार ने समाज के हर वर्ग के उत्थान, गरीब नौजवान एवं बेरोजगार को उनका अधिकार दिलाने, नारी सशक्तिकरण कि दिशा में नारी, सुरक्षा, स्वालम्बन एव सम्मान दिलाने प्रदेश में बिजली, पानी, सड़क सहित समस्त आधारभूत सुविधाओं को मुहैया कराने तथा बिना किसी भेदभाव के जन कल्याणकारी योजनाओं को लागू कर बिगत 08 वर्षो में जो परिणाम दिया है। वह निश्चित रूप से प्रशंसनीय एवं एतिहासिक है। उन्होंने कहा कि आज उत्तर प्रदेश का हर नागरिक स्वंय को गौरवान्वित महसूस कर रहा है देश एवं विदेश के निवेशक एवं उद्योगपति बेहिचक उत्तर प्रदेश में निवेश कर रहे है। जिससे हमारे युवाओं को रोजगार के नये अवसर निरन्तर मिल रहे है। उन्होंने कहा कि देश एवं प्रदेश की सरकार ने अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए आय के श्रोतो को बढाया और फालतू खर्चो पर पाबन्दी लगायी। फलस्वरूप हमारा प्रदेश आर्थिक रूप से मजबूत हुआ, जिससे नागरिकों को स्वास्थ्य, शिक्षा एवं रोजगार के साथ-साथ सभी आवश्यक सुविधायें मिल रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा विगत 08 वर्षों में चिकित्सा सुविधाओं का सुदृढीकरण, विद्यालयों का सुदृढीकरण एवं शिक्षा की गुणवत्ता, पुलिस व्यवस्था सहित विकास के हर क्षेत्र में योजनाबद्ध तरीके से नीतियो को लागू कर बेहतरीन परिणाम मिला है। जिसका असर हम सभी को जमीन स्तर पर दिख रहा है। आज प्रदेश में पूरी तरह से अपराधमुक्त, भ्रष्टाचार मुक्त एवं भयमुक्त समाज में हर व्यक्ति, व्यापारी अपने हुनर के हिसाब से कार्य कर आगे बढ़ रहा है।

आरोपी को हुई एक वर्ष का सश्रम सश्रम कारावास व एक हजार के अर्थदण्ड की सजा

भीकनगांव (संजय गीते)। अभियोजन कार्यालय के सहायक मीडिया प्रभारी व एडीपीओ ने बताया कि आहत आशाबाई ने दिनांक 07.10.17 को अपने पति के साथ थाना भीकनगांव पहुंचकर रिपोर्ट किया कि दिनांक 06.10.17 को शाम करीब 7-30 बजे मैं मेरे घर पर थी इतने में मेरा जेठ लक्ष्मण आया और मेरे पति संतोष को मां बहन की नंगी नंगी गालिया देने लगा। मैंने गालियां देने से मना किया तो लक्ष्मण ने मुझे लकडी से मारा जो मेरे दाहिने हाथ की कोहनी पर लगी। तभी गांव वालों ने बीच बचाव किया तो लक्ष्मण जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गया। सूचना पर से आरोपी लक्ष्मण के विरुद्ध थाना भीकनगांव द्वारा अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। विवेचना उपरांत माननीय न्यायालय भीकनगांव के समक्ष अभियोग पत्र प्रस्तुत किया गया। माननीय न्यायाधीश राजेन्द्र कुमार अहिरवार जेएमएफसी, भीकनगांव द्वारा आरोपी लक्ष्मण पिता शिवराम भील 35 वर्ष निवासी जामन्या थाना भीकनगांव को प्रकरण में दोषी पाते हुए 1 वर्ष का सश्रम कारावास व 1000/- रूपये का अर्थदण्ड से दंडित किया। अभियोजन की ओर से अभियोजन का संचालन श्री सतिश सोलंकी, सहायक लोक अभियोजन अधिकारी द्वारा किया गया।

सार संक्षिप्त

नवागत पुलिस उप महानिरीक्षक चित्रकूटधाम परिक्षेत्र बांदा का पुलिस कार्यालय आगमन पर पुलिस अधीक्षक चित्रकूट द्वारा पुष्पगुच्छ देकर किया गया स्वागत

समय जगत, चित्रकूट। आज दिनाँक 27.03.2025 को नवागंतुक पुलिस उप महानिरीक्षक चित्रकूटधाम परिक्षेत्र बांदा राजेश एस. का पुलिस कार्यालय के आगमन पर पुलिस अधीक्षक चित्रकूट अरुण कुमार सिंह द्वारा पुष्पगुच्छ देकर पुलिस उपमहानिरीक्षक का स्वागत किया गया तथा पुलिस कार्यालय के समस्त शाखाओं का भ्रमण कर उनका निरीक्षण किया गया तथा पुलिस अधीक्षक चैम्बर में बैठकर आये हुए फरियादियों की शिकायतों को सुनकर, उनके त्वरित निस्तारण हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया गया।

सेमिनार का किया गया आयोजन

समय जगत, भोपाल। रंगमंच मनोरंजन का साधन मात्र भर नहीं बल्कि लोगों तक आवाज़ पहुँचाने का ज़रिया भी है, रंगमंच के महत्व को दुनियाभर के लोगों तक पहुँचाने के मक़सद से हर साल 27 मार्च को वर्ल्ड थिएटर डे मनाया जाता है। इसी अवसर पर नाट्य संस्था रंग अनंत द्वारा 27-मार्च-2025 को रंगमंच (थिएटर) केंद्रित सेमिनार का आयोजन एम. एम. हाई स्कूल, विजय नगर, भोपाल में किया गया। यह सेमिनार छात्रों को रंगमंच के महत्व और कला के विभिन्न पहलुओं से परिचित कराने के उद्देश्य से आयोजित किया गया, जिसमें रंगमंच के इतिहास, भारत में रंगमंच परंपरा, नाट्य परंपरा, आधुनिक भारतीय रंगमंच, विभिन्न नाट्य शैलियों और रंगमंच के महत्व पर व्याख्यान दिया गया। सेमिनार के अंत में, छात्रों ने रंगमंच से संबंधित प्रश्न पूछे, सेमिनार में भाग लेने वाले इन छात्रों ने इसे एक अनूठा और शिक्षाप्रद अनुभव बताया। सेमिनार में रंगमंच पर व्याख्यान, रंग अनंत नाट्य संस्था के अध्यक्ष/निर्देशक, अर्पित ओम शर्मा (अंशु) द्वारा दिया गया।

नहर की पटरी टूटने से तीन किसानों की फसलें हुईं खराब

समय जगत, हमीरपुर। उत्तर प्रदेश में किसान पहले ही महंगाई, मौसम और सरकार की नीतियों से परेशान हैं, ऊपर से प्रशासन की लापरवाही उनकी मेहनत पर पानी फेर रही है। ताजा मामला भरुआ सुमेरपुर का है, जहां पत्योरा पंप कैनाल की पटरी कटने से तीन किसानों की 15 बीघा फसल बर्बाद हो गई। देवगांव के किसान धर्मेंद्र सिंह, जगदीश सिंह और मुलायम सिंह ने अपनी खून-पसीने की मेहनत से फसल तैयार की थी, लेकिन कैनाल के अचानक चालू होने और कमजोर मरम्मत के कारण पूरी फसल जलमग्न हो गई। यह कोई पहली बार नहीं हुआ है। किसान हर बार इस लापरवाही का शिकार होते हैं, लेकिन प्रशासन और सरकार आँख मूंदकर बैठी रहती है। पानी मांगे न मिले, बिन मांगे भरपूर, फसल पकी है अब खड़ी, चले नहर भरपूर! सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब किसानों को पानी की सबसे ज्यादा जरूरत थी, तब प्रशासन ने पानी नहीं छोड़ा, और अब जब फसल पक चुकी है, तब नहरों में लगातार पानी बहाया जा रहा है। यह सरकार की अव्यवस्थित नीतियों और सिंचाई विभाग की घोर लापरवाही को दर्शाता है। पहले पानी की किल्लत से किसान परेशान रहे, उनकी फसल सूखने के कगार पर थी, और अब जब उनकी मेहनत रंग लाने वाली थी, तब खेतों में जरूरत से ज्यादा पानी भरकर उनकी फसलें डुबो दी गईं। यह किसानों के साथ किया गया सीधा अन्याय है। ग्राम प्रधान जितेंद्र खुरे ने खुद बताया कि सिल्ट सफाई के दौरान नहर की मरम्मत ठीक से नहीं की गई थी, जिसके कारण बार-बार पटरी कट रही है। जब यह समस्या पहले से थी, तो विभाग ने समय रहते सुधार क्यों नहीं किया? क्या सरकार और नहर विभाग किसानों को तबाही के मुहाने पर छोड़ने के लिए बैठे हैं?

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान ने लगाई प्रदर्शनी

महोबा। सेवा सुरक्षा एवं सुशासन की नीति के 8 वर्ष पूर्ण होने पर कम्युनिटि गार्डन में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, कौशल विकास मिशन एवं सेवा योजन द्वारा अर्जित की गई उपलब्धियों को जनसामान्य को अवगत कराया गया। इस अवसर पर राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के प्रधानाचार्य राजकुमार, अनुदेशक सुशील कुमार, ऊषा वर्मा, रवि कुमार चौरसिया, मनीष कुमार, जय प्रकाश, तारिक अहमद, कुलदीप तिवारी, सुनील यादव, धूराम अहिरवार एवं वरिष्ठ सहायक संजय कुमार अग्रवाल तथा कौशल विकास मिशन के एम0आई0एस0 मैनेजर ओम प्रकाश यादव, संतोष चौरसिया, पुष्पेन्द्र तथा जिला सेवायोजन अधिकारी कु0 आकांक्षा बाजपेयी, वरिष्ठ सहायक अवधेश तिवारी एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे। प्रदर्शनी में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के प्रशिक्षार्थियों द्वारा निर्मित वस्त्र प्रदर्शिनी, जॉब मॉडल एवं तैयार सामग्री को प्रदर्शित किया गया है। सेवा सुशासन के आठ वर्ष पूरे होने पर कार्यक्रम में आये प्रभारी मंत्री राकेश कुमार (गुरु) द्वारा 25 मार्च एवं मंत्री मन्नू लाल कोरी द्वारा स्टॉल का अवलोकन कर प्रगति की सराहना की गयी। स्टॉल में उपस्थित प्रधानाचार्य, जिला समन्वयक कौशल विकास मिशन के द्वारा विगत 8 वर्षों की उपलब्धियों के सम्बन्ध में विस्तृत रूप से जानकारी दी गई। इस अवसर पर मंत्री के साथ जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी, जिला पंचायत अध्यक्ष एवं जिला अध्यक्ष भाजपा आदि गणमान भारी संख्या में उपस्थित रहे।

सनावद रेलवे स्टेशन पर रेल टिकट आरक्षण केंद्र का किया गया शुभारंभ

कमल वासुरे-समय जगत, बड़वाह। सनावद सात वर्षों की लंबी प्रतीक्षा के पश्चात सनावद रेलवे स्टेशन पर रेल टिकट आरक्षण केंद्र का शुभारंभ विधायक सचिन बिरला ने किया। विधायक ने नवीन रेल आरक्षण केंद्र से सर्वप्रथम रेल टिकिट का आरक्षण करने वाले रेलयात्री हुसैनी बोहरा का पुष्पहार पहना कर अभिनंदन किया। सनावद विकास संघर्ष समिति के सदस्यों ने स्टेशन मास्टर और रेलवे टिकिट बुकिंग कर्मी का अभिनंदन किया। विधायक ने कहा कि निमाड़ क्षेत्र के लिए अधिकाधिक रेल सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए सांसद ज्ञानेश्वर पाटील प्रयासरत हैं। विधायक ने रेल सुविधा संबंधी मांगों के लिए समिति के सदस्यों द्वारा किए जा रहे प्रयासों की भी प्रशंसा की। समिति के डॉ.राजेंद्र पलोड़ ने विधायक को निमाड़क्षेत्र की रेल संबंधी आवश्यकताओं और समस्याओं से अवगत किया और मांग रखी कि वर्तमान में सनावद से खंडवा तक संचालित की जा रही मेमो ट्रेन के फेरे बढ़ाए जाएं और रेल किराया कम किया जाए। डॉ.पलोड़ ने सुझाव दिया कि सनावद-खंडवा मेमो ट्रेन मेंटेनेंस के लिए सप्ताह में 2 दिन बुधवार एवं गुरुवार को बंद रखी जाती है। क्षेत्रवासियों की मांग है कि मेमो ट्रेन के मेंटेनेंस के लिए एक दिन पर्याप्त है। इसलिए मेमो ट्रेन को केवल बुधवार के दिन ही मेंटेनेंस हेतु बंद रखा जाए। समिति ने सनावद रेलवे स्टेशन पर पर्याप्त क्षमतावान गोडाउन बनाने की मांग भी रखी। गोडाउन बनने से सनावद रेलवे स्टेशन से देश के विभिन्न भागों में निमाड़क्षेत्र की सब्जी, अनाज, उर्वरक आदि का सुगमतापूर्व रेल परिवहन किया जा सकेगा। साथ ही उज्जैन सिंहस्थ के पूर्व वर्ष 2027 तक महू-सनावद ब्रॉडगेज कन्वर्शन का कार्य पूर्ण करने की मांग भी की गई। विधायक ने आश्वस्त किया कि सांसदजी के माध्यम से निमाड़क्षेत्र की रेल संबंधी आश्यकताओं और समस्याओं को रेलमंत्री को अवगत कराया जाएगा। इस दौरान विधायक प्रतिनिधि लक्ष्मीनारायण पटेल, दिनेश शर्मा, ज्योति येवतीकर, भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष मानसिंह राठौर, संजय राठौर, मनोज जैन, समिति के ओमप्रकाश बंसल, प्रदीप होलकर, लक्ष्मीकांत राठी, मुश्ताक मलिक, राकेश गेहलोत, सरोज इंगला सहित बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

जीवन में मित्रता का संबंध है सर्वाधिक महत्वपूर्ण : रसिका नंदन महाराज

राकेश अजमेरा खातेगाँव। साहू समाज खातेगांव द्वारा आयोजित आठ दिवसीय मां कर्मा जन्म जयंती उत्सव के पुनीत पावन अवसर पर आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के विश्राम दिवस पर कथा वाचक रसिकानंदन महाराज ने कथा का रसपान कराते हुए बड़ी संख्या में उपस्थित भक्त श्रद्धालुओं को भगवान श्री कृष्ण की लीलाओं का गुणगान करते हुए श्री कृष्ण एवं सुदामा की मित्रता की कथा का रसपान कराया और बताया कि जीवन में सबसे श्रेष्ठ यदि कोई संबंध है तो वहां है मित्रता का संबंध, मित्र के साथ कभी छल कपट नहीं करना चाहिए, मित्र को जीवन में कभी धोखा नहीं देना चाहिए, इसी प्रकार भगवान श्री कृष्ण की अनेक लीलाओं का गुणगान करते हुए बताया कि जीवन में सिर्फ परमार्थ के कार्य करो जरूरतमंदों की मदद करो नेत्रहीन एवं विकलांग व्यक्तियों की हर समय मदद करना चाहिए, ऐसे व्यक्ति को माह में एक बार कम से कम 5 किलो आटा 1 किलो तेल चाय और शंकर अवश्य देना चाहिए जिससे वह व्यक्ति अपने जीवन का निर्वाह कर सके, आप लाखों हजारों लोगों का भंडारा करो या मत करो लेकिन ऐसे जरूरतमंदों की मदद अवश्य करो, उसी से परमात्मा प्रसन्न होता है।

मां कर्मा के जयकारों से गूंजा खातेगांव नगर : खातेगांव नगर में माँ कर्मा जयंती के पावन अवसर पर साहू समाज द्वारा प्रतिवर्ष अनुसार निकलने वाली भव्य दिव्य शोभा यात्रा कलश यात्रा एवं इस वर्ष आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के विश्राम दिवस पर मंगल शोभा यात्रा का आयोजन किया गया जहाँ हजारों की संख्या में समाजजन शामिल हुए एवं खातेगांव नगर के प्रमुख मार्गो से बैंड बाजे ढोल तासे, घोड़े बग्गी एवं भगवान शिव की जीवंत झांकी, शमशान की होली, भगवान राधा रुक्मणी, राधा कृष्ण के नृत्य की झांकी, मां कर्मा की झांकी, भारत माता की झांकी, एवं छोटे-छोटे नन्हे मुन्ने बच्चे जन जागरण करते हुए शोभायात्रा में शामिल हुए। शोभा यात्रा का नगर के विभिन्न स्थानों पर धार्मिक राजनीतिक सामाजिक संगठनों ने पुष्प वर्षा कर स्वागत और सम्मान किया। वहीं कार्यक्रम प्रभारी साहू समाज खातेगांव के अध्यक्ष राम नारायण साहू ने सभी का आभार माना।

इलाहाबाद हाई कोर्ट के फैसले पर सुप्रीम कोर्ट की रोक, जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन करेगा बच्ची की पैरवी

समय जगत चित्रकूट। बच्ची से बलात्कार के प्रयास के एक मामले में इलाहाबाद हाई कोर्ट के फैसले पर तीखी टिप्पणियों के साथ सुप्रीम कोर्ट की रोक को गैरसरकारी संगठन जन कल्याण शिक्षण प्रसार समिति ने बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा व संरक्षण की दिशा में अहम कदम करार दिया है। शीर्ष अदालत ने इस फैसले के खिलाफ जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन (जेआरसी) की विशेष अनुमति याचिका को स्वीकार करते हुए उसे पीड़िता की पैरवी की इजाजत दी है। बाल अधिकारों की सुरक्षा व संरक्षण के लिए देश के 416 जिलों में काम कर रहे 250 से भी ज्यादा गैरसरकारी संगठनों का नेटवर्क जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन (जेआरसी) इस कानूनी लड़ाई की अगुआई करेगा ताकि पीड़िता की गरिमा और अधिकारों की रक्षा हो सके और उसके साथ न्याय सुनिश्चित हो। कौशाम्बी जनपद में बाल अधिकारों की सुरक्षा व संरक्षण के लिए कार्य कर रहा जन कल्याण शिक्षण प्रसार समिति, जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन का एक अहम सहयोगी है। जन कल्याण शिक्षण प्रसार समिति के सचिव शंकर दयाल ने कहा, अगर देश में एक भी बच्चा अन्याय का शिकार है तो जेआरसी उसके साथ है। न्यायपालिका बच्चों के अधिकारों के प्रति संवेदनशील है जो सुप्रीम कोर्ट के मामले का स्वत : संज्ञान लेने से स्पष्ट है। जेआरसी अब इस बच्ची को न्याय दिलाने के प्रयासों में कोई कसर नहीं छोड़ेगा।

एनजीटी के नियमों को ताक पर रखकर चंदवारी घुरौली खंड सं. 26/8 किया जा रहा अवैध खनन

खनिज अधिकारी बोले- जांच कर की जाएगी कार्यवाही

जगजीवन राम समय जगत हमीरपुर। जनपद में सरीला क्षेत्र के चंदवारी घुरौली मे संचालित खंड संख्या 26/8 मे नदी की जलधारा मे प्रतिबंधित मशीने बीच जलधारा को चीरती हुई नदी के गर्भ को खोदने मे लगी है।एनजीटी के नियमो को ताकपर रख जमकर खनन कार्य किया जा रहा है। इतना ही नही नदी मे पत्थरो का पुल बनाकर जालौन जिले से भी निकासी की जा रही तस्वीरे देख जिलाप्रशासन भी भौचक्का रह जायेगा यह अवैध खनन का खेल जारी दिन रात जारी है।वही बार-बार शासन ओवरलोडिंग रोकने के लिए जोर दे रहाहै। इसके बावजूद भी इस खंड के लोडिंग पॉइंट से वाहनों को ओवरलोड कर भेजा जा रहा है। जिस क्षेत्र से यह गाड़ियां निकलते हैं वहां की सड़कों को भी बड़ा नुकसान पहुंचाया जा रहा है।

मामला हमीरपुर के सरीला क्षेत्र के चंदवारी खंड संख्या 26/8 का है जहां खनन माफिया असलहो की दम पर एनजीटी के नियमों को ताक पर रखकर रात -दिन प्रतिबंधित आधा दर्जन से अधिक मशीनो द्वारा अवैध खनन किया जा रहा है। वही संचालित पट्टे की सीमा के बाहर भी अवैध खनन करते हुये तस्वीरो मे देखा जा सकता है।नियमो की बात करे तो वही नदी की जलधारा मे पत्थर द्वारा अवैध पुल बनाकर मोरंग से लदे ट्रको को भी उनके ऊपर सै निकाला जा रहा है।स्थानीय ग्रामीणो ने बताया कि गोकुल तिवारी नाम के खनन माफिया की दहशत से ग्रामीण शिकायत तक नही कर पा रहे है।हालांकि इस संबंध में खनिज अधिकारी हमीरपुर से बात की तो उन्होंने बताया कि इस संबंध में जांच करा कार्यवाही की जाएगी।

मातृ एवं शिशु के स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिये समन्वित प्रयास आवश्यक : उप मुख्यमंत्री

मातृ मृत्यु दर को कम करने में चुनौती के साथ संभावनाएँ भी हैं: श्री शुक्ल

रीवा। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि मातृ एवं शिशु के स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिये समन्वित प्रयास आवश्यक है। मातृ मृत्युदर को कम करने में चुनौती के साथ संभावनाएँ हैं। गभर्वती महिला की समय-समय पर जांच एवं चिकित्सकीय परामर्श देकर एवं उनके परिजनों को जागरूक कर मातृ मृत्यु दर में कमी लाई जा सकती है। उप मुख्यमंत्री ने श्यामशाह चिकित्सा महाविद्यालय में गायनी विभाग के तत्वाधान में वेसिक्स ऑफ क्रिटिकल केयर इन आब्सटेटरीज विषय पर आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ किया। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक गर्भवती महिला का पंजीयन हो। उसकी समय-समय पर जांच की जाकर चिकित्सकीय परामर्श दिया जाय और यह प्रयास हों कि वह क्रिटिकल अवस्था में पहुंचे ही नहीं। चिकित्सक ग्रामीण क्षेत्रों में सेवाएँ देकर एवं ग्रामीण क्षेत्र की स्वास्थ्य कार्यकर्ता व स्टाफ अपने दायित्व का निर्वहन करते हुए गर्भवती महिला का ध्यान रखें और मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को कम करने का समन्वित प्रयास करें। उन्होंने कहा कि प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाओं में वृद्धि हुई है। चिकित्सकों के पदों की पूर्ति की गई है। मेडिकल कालेज खोले गये हैं तथा ग्रामीण क्षेत्रों के स्वास्थ्य केन्द्रों को सुविधायुक्त बनाया जा रहा है

ताकि वहां जिला अस्पताल जैसी सभी सुविधाएँ मुहैया रहें। उन्होंने चिकित्सकों व स्वास्थ्य विभाग के अमले को इस चुनौती का सामना करते हुए संकल्प शक्ति के साथ कार्य करने की अपेक्षा की ताकि हमारा प्रदेश मातृ मृत्यु व शिशु मृत्यु दर कम कर पाने में सफल हो सके। श्री शुक्ल ने कहा कि कार्यशाला में विचार विमर्श व प्राप्त सुझावों का नीचे स्तर तक लाभ मिलेगा और यह कार्यशाला सार्थक सिद्ध होगी। उन्होंने कार्यशाला में जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग के सीएमएचओ व बीएमओ की उपस्थिति की बात कही। कार्यशाला को राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की डायरेक्टर डॉ. सलोनी सिडाना ने भोपाल से वीडियो कांफ्रेंसिग से सम्बोधित किया। इस अवसर पर डायरेक्टर एनएचएमएमसीएच (रेगुलेशन एण्ड पॉलिशी) डॉ. अरूणा कुमार ने पीपीटी के माध्यम से मातृ मृत्यु दर का संभागवार प्रस्तुतीकरण देते हुए उसे कम करने के विषय में जानकारी दी। संचालक चिकित्सा शिक्षा डॉ. अरूण श्रीवास्तव ने अपने उद्बोधन में कहा कि कार्यशाला से चिकित्सक सीख लेकर समर्पण भाव से कार्य करें तो हम प्रदेश में मातृ मृत्यु दर व शिशु मृत्यु दर को कम कर सकेंगे। उन्होंने शोध व अकादमिक स्तर को सशक्त बनाने की भी बात कही। श्री अरूण श्रीवास्तव ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग को उप मुख्यमंत्री जी के प्रयासों से पर्याप्त बजट प्राप्त हुआ है। स्वास्थ्य सुविधाओं में वृद्धि हो रही है। रीवा भी उक्त स्वास्थ्य सुविधाओं में प्रदेश में पीछे नहीं है। इससे पूर्व कार्यशाला के उद्देश्य से जानकारी देते हुए डॉ. बीनू कुशवाहा ने अतिथियों का स्वागत किया। इस दौरान डीन मेडिकल कालेज डॉ. सुनील अग्रवाल, अधीक्षक डॉ. राहुल मिश्रा सहित प्रदेश के विभिन्न चिकित्सा महाविद्यालय के गायनी विभाग के चिकित्सक, मेडिकल कालेज के चिकित्सक तथा छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे।

सार-समाचार

सबसे कम उम्र के आईजी गौरव राजपूत ने रीवा जोन का पदभार किया ग्रहण

रीवा। प्रदेश के सबसे कम उम्र के आईजी गौरव राजपूत ने गुरुवार को रीवा पहुंचकर पदभार ग्रहण किया। जानकारी के मुताबिक रविवार रात आए आदेश में नए आईजी और डीआईजी की नियुक्ति की गई थी। पदभार ग्रहण करने के बाद आईजी गौरव राजपूत ने पत्रकारों को संबोधित किया। आईजी गौरव राजपूत ने कहा कि थाने स्तर पर ही पीड़ित को न्याय मिलना चाहिए। अगर ऐसा नहीं होता तो थाना प्रभारी अंजाम भुगतने के लिए तैयार रहें। मीडिया से मुखातिब होते हुए आईजी गौरव राजपूत ने कहा की मैंने दो प्राथमिकताएं और पांच लक्ष्य लेकर पुलिस महानिरीक्षक रीवा का पदभार ग्रहण किया है।मेरी प्राथमिकताओं में पहले नंबर पर अपराधों की रोकथाम और उनका बेहतर तरीके से अनुसंधान करना है। दूसरी प्राथमिकता लॉ एंड ऑर्डर की स्थिति न सिर्फ माकूल बनाना बल्कि उसे सुदृढ़ बनाना है। महिला,बच्चे, साइबर अपराध कम करना लक्ष्य इसी तरह पांच लक्ष्य में सबसे पहले महिला संबंधी अपराध और बच्चों के अपराधों में कमी लाना, दूसरा जोन में नशे की रोकथाम करना और सप्लायर की कमर तोड़ना, तीसरा पूरे जोन की यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाना, चौथा साइबर अपराधों में कमी लाने के लिए साइबर फोरेंसिक एक्सपर्ट के माध्यम से नियंत्रित करना और पांचवां लक्ष्य आदिवासी समुदाय को न्याय दिलाने के साथ साथ उन्हें समाज की मुख्य धारा में जोड़ना है। जोन के विभिन्न जिलों की समस्याओं को लेकर पूछे गए प्रश्न के जवाब में आईजी ने कहा कि विभिन्न क्षेत्रों की कुछ स्पेसिफिक समस्याएं हैं। उनके लिए उसी तरह की पुलिसिंग तैयार कर समस्याओं का समाधान किया जाएगा।

कांग्रेस विधायक राजेंद्र सिंह द्वारा संतों के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी की कड़ी निंदा

रीवा। हाल ही में कांग्रेस विधायक राजेंद्र सिंह द्वारा संतों के विरुद्ध की गई आपत्तिजनक टिप्पणी ने समाज में आक्रोश पैदा कर दिया है। यह घटना उस समय हुई जब कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष श्री जीतू पटवारी और प्रदेश प्रभारी श्री हरीश चौधरी की उपस्थिति में राजेंद्र सिंह ने संतों की तुलना अपमानजनक ढंग से की। संत हमारे समाज के आध्यात्मिक और नैतिक आधार हैं, जो सदैव जन कल्याण के लिए समर्पित रहते हैं। ऐसे में, उनके खिलाफ इस तरह का असम्मानजनक बयान न केवल संत समाज का अपमान है, बल्कि यह समस्त हिंदू संस्कृति और आम जनता की भावनाओं पर प्रहार है।कांग्रेस का यह रवैया उनकी संस्कृति विरोधी और संकुचित मानसिकता को उजागर करता है। यह बेहद शर्मनाक है कि पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में ऐसा बयान दिया गया और इसे रोकने का कोई प्रयास नहीं किया गया। हम इसकी कड़े शब्दों में निंदा करते हैं और मांग करते हैं कि राजेंद्र सिंह तत्काल प्रभाव से संत समाज और जनता से सार्वजनिक रूप से माफी मांगें। साथ ही, कांग्रेस नेतृत्व को इस घटना पर अपनी स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए।हमारा समाज संतों के प्रति सम्मान और श्रद्धा का भाव रखता है, और इस तरह के बयानों को किसी भी रूप में सहन नहीं किया जाएगा।

भ्रूण लिंग जांच की सूचना देने वाले को मिलेंगे दो लाख रुपए

समय जगत, रीवा। गर्भस्थ शिशु के लिंग निर्धारण परीक्षण पर पूरी तरह से प्रतिबंध है। शिशु का लिंग निर्धारण परीक्षण करना दण्डनीय अपराध है। भ्रूण लिंग जाँच की सूचना देने वाले को दो लाख रुपए की प्रोत्साहन राशि मुखबिर पुरस्कार योजना के तहत दी जाएगी। इस संबंध में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ संजीव शुक्ला ने बताया कि भ्रूण लिंग जाँच की सूचना देने वालों का नाम पूरी तरह से गोपनीय रखा जाएगा। उसकी सूचना के आधार पर प्रकरण दर्ज होकर न्यायालय में चालान प्रस्तुत होते ही एक लाख 25 हजार रुपए की राशि प्रदान की जाएगी। इसमें 50 हजार रुपए की राशि सूचना देने वाले को, 25 हजार रुपए की राशि पीसी एण्ड पीएनडीटी एक्ट के जिला नोडल अधिकारी को तथा 50 हजार रुपए की राशि अभियोजन अधिकारी को दी जाएगी। न्यायालय में अपराध सिद्ध होने पर 75 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। इसमें सूचना देने वाले को 30 हजार रुपए, नोडल अधिकारी को 15 हजार रुपए तथा अभियोजन अधिकारी को 30 हजार रुपए की राशि दी जाएगी। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि मुखबिर प्रोत्साहन योजना के तहत स्टिंग ऑपरेशन करने पर स्टिंग के सफल होने तथा सत्यापन के बाद मुखबिर को 50 हजार रुपए, सहयोगी महिला को 20 हजार रुपए तथा अन्य सहयोगी को 10 हजार रुपए दिए जाएंगे। साथ ही नोडल अधिकारी को 15 हजार रुपए एवं अभियोजन अधिकारी को 30 हजार रुपए की राशि दी जाएगी। न्यायालय में अपराध सिद्ध होने पर मुखबिर को 30 हजार रुपए, डिकाय महिला को 10 हजार रुपए तथा सहयोगी को 5 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। साथ ही जिला नोडल अधिकारी को 10 हजार रुपए एवं अभियोजन अधिकारी को 20 हजार रुपए की राशि दी जाएगी।

मुख्यमंत्री आज सिंगल क्लिक से करेंगे अनुग्रह राशि का वितरण

रीवा। श्रम विभाग के तहत संचालित मुख्यमंत्री जनकल्याण संबल योजना के हितग्राहियों को 28 मार्च को अनुग्रह सहायता राशि का वितरण किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव राज्य स्तरीय समारोह से सिंगल क्लिक के माध्यम से हितग्राहियों के बैंक खाते में अनुग्रह राशि अंतरित करेंगे। प्रदेश भर के 23162 मजदूर परिवारों को 505 करोड़ रुपए की अनुग्रह सहायता राशि वितरित की जाएगी। कार्यक्रम दोपहर 3 बजे से एनआईसी केन्द्र रीवा और मऊगंज में आरंभ होगा। इस संबंध में जिला श्रम पदाधिकारी प्रिया अग्रवाल ने बताया कि सिंगल क्लिक के माध्यम से रीवा जिले के 485 हितग्राहियों एवं मऊगंज जिले के 194 हितग्राहियों को हितलाभ का वितरण किया जा रहा है। मुख्यमंत्री जी मऊगंज जिले के दो हितग्राहियों से संवाद भी करेंगे। राज्य स्तरीय कार्यक्रम का जिला और विकासखण्ड स्तर पर सजीव प्रसारण दिखाया जाएगा। जिला श्रम पदाधिकारी ने बताया कि संबल योजना के तहत पंजीकृत असंगठित क्षेत्र के मजदूरों की मृत्यु होने पर उनके परिजनों को अंत्येष्टि सहायता के रूप में पाँच हजार रुपए दिए जाते हैं। मजदूर की सामान्य मृत्यु पर उनके परिजनों को दो लाख रुपए तथा दुर्घटना में मौत होने पर परिजनों को चार लाख रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है।

अप्रवेशी बच्चों का घर-घर जाकर सर्वेक्षण करें - कलेक्टर

रीवा। मऊगंज जिले में आगामी एक अप्रैल से स्कूल शिक्षा विभाग का वर्ष 2025-26 का नया शिक्षा सत्र आरंभ हो रहा है। कलेक्टर संजय कुमार जैन ने शासकीय स्कूलों में नवीन शिक्षा सत्र के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के लिए आदेश जारी किए हैं। कलेक्टर ने कहा है कि जिला शिक्षा अधिकारी एवं जिला समन्वयक शिक्षा मिशन को नवीन शिक्षा सत्र के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। शाला जाने योग्य प्रत्येक बच्चे का शाला में अनिवार्य रूप से प्रवेश कराएं। अब तक कक्षा दो से लेकर कक्षा 11 तक जो विद्यार्थी दर्ज हैं उनका पूरा विवरण समग्र शिक्षा पोर्टल पर 31 मार्च तक अनिवार्य रूप से अपडेट कराएं। विकासखण्ड स्तर पर विद्यार्थियों एवं पालकों के साथ बैठक आयोजित करके एक अप्रैल से नवीन शिक्षा सत्र शुरू होने की जानकारी दें। स्थानीय संचार माध्यमों से भी इसका व्यापक प्रचार-प्रसार कराएं। शाला जाने योग्य प्रत्येक बच्चे का शाला में प्रवेश सुनिश्चित करने के लिए स्वयंसेवी संस्थाओं तथा आमजनता का भी पूरा सहयोग लें।

कलेक्टर ने कहा है कि शाला प्रबंधन समिति एवं पालकों की बैठक आयोजित करें। विद्यार्थी के अभिभावक से शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार तथा विद्यार्थियों की शैक्षणिक स्थिति के संबंध में उपयोगी सुझाव प्राप्त करें। अभिभावकों को विद्यार्थी की शैक्षणिक प्रगति से भी अवगत कराएं। सभी शालाओं में एक अप्रैल को समारोह पूर्वक प्रवेश उत्सव का आयोजन करें। इस दिन विद्यार्थियों का परंपरागत तरीके से स्वागत करने के साथ प्राथमिक और माध्यमिक शालाओं में विशेष मध्यान्ह भोजन का भी आयोजन करें। प्राथमिक शाला के शिक्षक आंगनवाड़ी केन्द्र जाकर आंगनवाड़ी कार्यकर्ता से कक्षा एक में प्रवेश योग्य बच्चों की सूची प्राप्त करें। उनके अभिभावकों से संपर्क करके बच्चों का शाला में प्रवेश सुनिश्चित करें। बच्चे के कक्षा एक में प्रवेश के लिए आयु संबंधी प्रमाणीकरण के लिए जन्म प्रमाण पत्र, एएनएम के रजिस्टर तथा आंगनवाड़ी केन्द्र के रजिस्टर को भी आधार बनाएं। कक्षा एक से कक्षा 11वीं तक दर्ज विद्यार्थियों की सूची संबंधित शाला में उपलब्ध है। इसमें शामिल विद्यार्थियों को आगामी कक्षा में प्रवेश दिलाएं। कलेक्टर ने कहा है कि सभी शाला भवनों में साफ-सफाई कराकर विद्यार्थियों के बैठने की समुचित व्यवस्था करें। शासन के प्रावधानों के अनुसार कस्तूरबा गांधी बालिका छात्रावास एवं सर्व शिक्षा अभियान के तहत संचालित छात्रावासों में कक्षा आठवीं की बालिकाओं को प्रवेश दिलाएं।

जल गंगा संवर्धन अभियान में 1472 खेत तालाबों का होगा निर्माण: सीईओ

जल गंगा संवर्धन अभियान को जन जन का अभियान बनाएं : कलेक्टर

रीवा। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने जल गंगा संवर्धन अभियान की तैयारियों की समीक्षा की। कलेक्टर ने कहा कि 30 मार्च से 30 जून तक जिले भर में जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जाएगा। सभी संबंधित विभाग दो दिवस में अभियान की कार्ययोजना बनाकर जल संरक्षण के कार्य प्राथमिकता से कराएं। पानी जीवन का आधार है। पानी का विवेकपूर्वक उपयोग और वर्षा जल का संरक्षण समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। इस अभियान में स्वयंसेवी संस्थाओं तथा सामाजिक संगठनों को भी सहभागी बनाएं। जल गंगा संवर्धन अभियान को जन-जन का अभियान बनाएं।

कलेक्टर ने कहा कि सभी एसडीएम अपने अनुभाग में अभियान का नेतृत्व करेंगे। मुख्यमंत्री जी के प्राथमिकता के इस अभियान की तैयारी के लिए क्लस्टर लेबल पर बैठक आयोजित कर प्रत्येक गांव के लिए जल संरक्षण की कार्ययोजना तैयार कराएं। प्रत्येक ग्राम पंचायत में जल संरक्षण का कम से कम एक कार्य अनिवार्य रूप से कराएं। सभी नगरीय निकायों और ग्राम पंचायतों में 30 मार्च को समारोह पूर्वक अभियान का शुभारंभ करें। जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अमृत सरोवर, खेत तालाब निर्माण, हैण्डपंपों में सोकपिट बनाने तथा पुरानी जल संरचनाओं के जीर्णोद्धार के कार्य अभियान के दौरान कराएं। अभियान की प्रत्येक गतिविधि का व्यापक प्रचार-प्रसार करें। जल संरक्षण कार्यों, श्रमदान, जल संवाद तथा जन जागरूकता के कार्यक्रमों के अच्छे फोटोग्राफ्स और वीडियो जनसम्पर्क विभाग को उपलब्ध कराएं। साथ ही अभियान की वेबसाइट में अपलोड करें।

कलेक्टर ने कहा कि कार्यपालन यंत्री पीएचई अभियान के दौरान नलजल योजनाओं की पाइपलाइन में सुधार तथा सभी हैण्डपंपों में सोकपिट बनाने का कार्य ग्रामीण विकास विभाग एवं नगरीय निकायों के सहयोग से कराएं। कार्यपालन यंत्री जल संसाधन सभी नहरों को खसरे में दर्ज कराएं। नहरों की साफ-सफाई तथा सुधार के कार्य भी अभियान के दौरान करें। जिला शिक्षा अधिकारी नया शिक्षा सत्र प्रारंभ होने पर स्कूलों में जल संरक्षण के संबंध में जागरूकता के लिए निबंध प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता एवं अन्य कार्यक्रम आयोजित कराएं। साथ ही पानी की टंकियों की साफ-सफाई भी कराएं। क्षेत्रीय संचालक औद्योगिक विकास निगम चोरहटा औद्योगिक केन्द्र में औद्योगिक इकाईयों से निकलने वाले पानी का ट्रीटमेंट कराकर उसे शुद्ध करने के लिए सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट स्थापित कराएं। आयुक्त नगर निगम शहर के सभी हैण्डपंपों में स्थान उपलब्ध होने पर सोकपिट का निर्माण कराएं। शहर में निर्माणाधीन तीन एसटीपी का निर्माण कार्य एक माह में पूरा कराकर सभी आसपास के नालों का पानी इनसे उपचारित कराएं। अभियान के दौरान नगर निगम तथा सभी नगरीय निकायों में भवनों में वाटर हार्वेस्टिंग की व्यवस्था करें। शहरी क्षेत्र में हरियाली बढ़ाने के लिए विभिन्न उपाय करें।

कलेक्टर ने कहा कि वन मण्डलाधिकारी वृक्षारोपण के साथ-साथ वन क्षेत्र के नालों में नाला बंधान, चेकडैम, स्टॉपडैम तथा छोटे तालाबों का निर्माण कराएं। संभागीय समन्वयक जन अभियान परिषद जल संवाद के आयोजन के साथ जल संरक्षण के लिए श्रमदान कराएं। साथ ही जिले की एक नदी में सफाई का अभियान चलाएं। उप संचालक कृषि और उद्यानिकी जिले भर में किसान संगोष्ठी आयोजित कर किसानों को जल संरक्षण के लिए जागरूक करें। किसानों को ड्रिप सिंचाई और स्प्रिंकलर सिंचाई के अधिक से अधिक उपयोग के लिए प्रेरित करें। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर ने जल गंगा संवर्धन अभियान की रूपरेखा प्रस्तुत की।

अभिषेक आत्महत्या मामले के आरोपी को गिरफ्तार करने ऐक्शन मोड में पहुंची पुलिस

पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में टीम उत्तरप्रदेश हुई रवाना

समय जगत, भोपाल। एमपी के शहडोल जिले के ब्योहारी के मुदरिया निवासी नगर परिषद कर्मचारी अभिषेक सिंह ने आर्थिक अपराधी असामाजिक तत्वों की साजिश एवं धोखाधड़ी से तंग आकर करीब दो माह पूर्व आत्महत्या कर ली थी। शेयर मार्केट में पैसे निवेश कर मुनाफा कमाने का लालच देकर लोगों से लाखों रुपये ऐंठने वाले गिरोह के सरगना शहडोल जिले के अमलई निवासी रोनित बरगाही व उसके गिरोह में शामिल अन्य आरोपियों ने अभिषेक सिंह से लाखों रुपये ऐंठ लिये थे। अभिषेक द्वारा बार- बार पैसे वापस मांगने के बावजूद रौनित व उसके गिरोह में शामिल अन्य आरोपियों ने जब पैसे वापस नहीं किये साथ ही कानूनी तौर पर जब ब्योहारी की स्थानीय पुलिस से भी अभिषेक सिंह पिता मदन सिंह को कोई मदद नहीं मिली तो इन संपूर्ण परिस्थितियों से व्यथित होकर अभिषेक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। इस मामले की गूंज शहडोल जिले से लेकर प्रदेश स्तर पर सुनाई देने पर

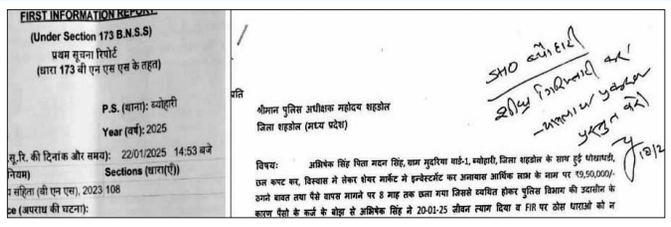
FIRST INFORMATION REPORT
(Under Section 173 B.N.S.S)
प्रथम सूचना रिपोर्ट
(धारा 173 बी एन एस एस के तहत)
P.S. (थाना): ब्योहारी
Year (वर्ष): 2025
सू.रि. की दिनांक और समय): 22/01/2025 14:53 बजे
नियम) Sections (धारा(एँ))
श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय शहडोल
जिला शहडोल (मध्य प्रदेश)
विषयः अभिषेक सिंह पिता मदन सिंह, ग्राम मुदरिया वार्ड-1, ब्योहारी, जिला शहडोल के साथ हुई धोखाधड़ी,

पुलिस विभाग के बड़े अधिकारियों द्वारा अभिषेक सिंह के इस आत्महत्या मामले को पूरी गंभीरता से लिया जा रहा है। शहडोल जोन के तत्कालीन एडीजीपी तथा वर्तमान समय में पुलिस मुख्यालय पीएचक्यू में एडीजीपी के पद पर पदस्थ राज्यपाल पुरस्कार से सम्मानित सीनियर आईपीएस डीसी सागर एवं शहडोल के वर्तमान आईजी अनुराग शर्मा के संज्ञान में तो यह मामला है ही। साथ ही शहडोल पुलिस अधीक्षक रामजी श्रीवास्तव द्वारा दिवंगत अभिषेक सिंह व उनके परिजनों को न्याय दिलाने के प्रति पूरी तरह गंभीरता बरती जा रही है। पुलिस अधीक्षक स्वयं इस मामले का अपडेट ले रहे हैं। ब्योहारी थाना प्रभारी ने पुलिस अधीक्षक को बताया है कि आरोपी रौनित बरगाही अब अपने गृहक्षेत्र अमलाई- बुढ़ार में नहीं रहा रहा है तथा उसकी लोकेशन उत्तरप्रदेश में मिली है। जिसे गिरफ्तार करने पुलिस टीम को उत्तरप्रदेश रवाना किया गया है। पुलिस अधीक्षक रामजी श्रीवास्तव ने आरोपी की गिरफ्तारी के लिये ब्योहारी थाना प्रभारी व विवेचक को पुनः निर्देश भी दिये हैं। पुलिस विभाग के बड़े अधिकारियों की तत्परता एवं संवेदनशीलता के आधार पर माना जा रहा है कि अभिषेक सिंह आत्महत्या मामले का मुख्य आरोपी रौनित बरगाही व उसके गुर्गे जल्द पुलिस गिरफ्त में होंगे तथा मृतक अभिषेक सिंह व उनके परिजनों को न्याय प्राप्त होने के साथ ही आदतन आर्थिक अपराधी रौनित बरगाही व उसके गुर्गों को गुनाहों की सजा मिलने के साथ ही ऐसे अन्य आदतन आर्थिक अपराधियों- असामाजिक तत्वों को कड़ी नसीहत मिलेगी, ताकि उनमें पुलिस व कानून का खौफ निर्मित होने के साथ ही वह किसी के साथ भी ऐसा गुनाह नहीं करें।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ समापन

समय जगत, सिंगरौली। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना जो जमीनी स्तर तक पहुंच सके तथा लोगों को लाभान्वित कर सकते हैं आंगनबाड़ी केंद्र के रूप में संचालित है 5 वर्ष उम्र के पहले बालक बालिकाओं का वजन करना कुपोषण का मापन करना क्यों बच्चों की उम्र और स्वास्थ्य के अनुसार खेल खिलाना साथ ही साथ खेल-खेल में अंक ज्ञान अंग ज्ञान फलों का ज्ञान सहित अन्य पूर्व प्राथमिक जानकारियां देकर लक्ष्य के पूर्ति किया जाना निश्चित है। जिसको दृष्टिगत रखते हुए महिला एवं बाल विकास परियोजना चितरंगी अंतर्गत आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओ का तीन दिवसीय प्रशिक्षण दिनांक 24 को सामुदायिक भवन चितरंगी में प्रारंभ किया गया जिसका समापन गत 26 मार्च को किया गया । कार्यक्रम के समापन में राधा सोलंकी उपसंचालक महिलाबाल विकास डॉ शतेन्द्र सोधिया सुपरवाइजर सुशील वर्मा शेवन्ति सिंह बैसाली कुशराम ललिता मीना चतुर्वेदी उषा तिवारी सहित आंगन बाड़ी 7 कार्यकर्ताएं उपस्थित रहे। पर्यवेक्षक सुशील वर्मा ललिता एवं मीना चतुर्वेदी मास्टर ट्रेनर के रूप में कार्यकर्ताओं को तीन दिवसीय प्रशिक्षण दिया। गनबाड़ी केंद्रों में 0 से 5 वर्ष के बच्चों केलिए स्वास्थ्य पोषण के साथ साथ उनके सर्वांगीण विकास सहित अन्य गतिविधियों पर प्रशिक्षण दिया गया।

रीवा में मानव अधिकार संगठन का जिला कार्यालय उद्घाटित

मानव अधिकारों की शिक्षा को पहुंचाना चाहता हूं जन- जन तक: रामचंद्र

रीवा। मानव अधिकार संरक्षण संगठन के प्रदेश अध्यक्ष रामचंद्र तिवारी ने कहा है कि लोगों की पीड़ाएं सुनने के लिए समूचे प्रदेश में दौरा कर रहा हूं। जनता की आवाज को शासन प्रशासन तक पहुंचाना चाहता हूं ताकि लोगों की समस्याएं हल हो सके और उनकी सुविधाएं बढ़ सके। श्री तिवारी रीवा में संगठन के जिला कार्यालय के उद्घाटन अवसर पर बोलते हुए आगे कहा कि जन-जन को मानव अधिकारों से जागरूक करूंगा ताकि लोग त्वरित न्याय प्राप्त कर सुखी हो सके। उन्होंने आगे कहा कि सभी मनुष्यों तक मूलभूत सुविधाएं त्वरित गति से उपलब्ध कराने हेतु नियमित संघर्ष करूंगा । श्री तिवारी ने इस अवसर पर संगठन के रीवा जिला अध्यक्ष डॉ.आर पी श्रीवास्तव को नियुक्ति पत्र सौंप कर उनका अभिनंदन भी किया । कार्यक्रम की शुरुआत में सभी अतिथियों का माल्यार्पण द्वारा स्वागत नीलेश शुक्ला, ओपी श्रीवास्तव, प्रियम गौतम, डॉक्टर आर.पी. श्रीवास्तव व प्रदीप गौतम ने किया। इस अवसर पर पूर्व अपर कलेक्टर के.पी. पांडे ने कहा कि शासन, प्रशासन में बैठे लोगों को सभी के हित के लिए कार्य करना चाहिए । नियति ठीक होने व मन स्वच्छ

रहने पर ही सबका भला किया जा सकता है। मानव अधिकारों की शिक्षा देना बहुत ही परोपकारी कार्य है । उन्होंने आगे कहा कि नए सुखी समाज के गठन के लिए सभी सेवा भाव से कार्य करें तो धरती पर स्वर्ग का अवतरण हो सकता है। यह संगठन प्रेरणास्पद कार्य करेगा ऐसी मुझे आशा है?। समाज कर्मी प्रदीप गौतम ने कहा कि सम्यक दृष्टि रखकर कार्य करने से मानव समाज को आनंदित बनाया जा सकता है । आपाधापी के दौर में सभी की जिम्मेदारियां बढ़ गई है। लोगों के हितों के लिए मिल-जुलकर कार्य करें । तभी मानवता का मंगल हो सकता है। कार्यक्रम को संगठन के उपाध्यक्ष बी.डी. चतुर्वेदी, मीडिया प्रभारी संतोष पाठक, जिला अध्यक्ष सीधी अलंकार द्विवेदी, अनिल श्रीवास्तव ने भी संबोधित किया। सभी अतिथियों को जिला अध्यक्ष डॉ.आर.पी. श्रीवास्तव ने स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित भी किया तथा उपस्थित लोगों को प्रति आभार भी व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन रवि श्रीवास्तव ने किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से ओ. पी. श्रीवास्तव, नीलेश शुक्ला, प्रियम गौतम, संदीप त्रिपाठी, डॉक्टर के.पी.शर्मा, डॉक्टर राजेंद्र श्रीवास्तव, पंकज श्रीवास्तव व धर्मेंद्र सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

संपादकीय

पैरोडी से पालिटिक्स में मचा हंगामा

देश के संविधान में अभव्यक्ति की स्वतंत्रता बहुत प्रमुखता से समाहित है। यह स्वतंत्रता कानून का ढांचा है, लेकिन क्या होगा अगर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर हजारों लोगों के मतपत्रों पर चुने गए जनप्रतिनिधियों को बदनाम किया जाए, उनके समर्थकों की भावनाओं को ठेस पहुंचाई जाए और कानून-व्यवस्था की समस्या पैदा की जाए? जैसे राजनीति में लोग एक दूसरे के विरोधी होते हैं, दुश्मन नहीं। वैसे ही कॉमेडी मजाक उड़ाकर मनोरंजन के साथ साथ मैसेज देने की कोशिश भी रहती है। लेकिन, कुणाल कामरा ने तो वो तरीका अपनाया है जो कैंपसों में सीनियर छात्रों का गैंग जूनियर छात्रों के साथ रैगिंग के नाम पर दुश्मन की तरह पेश आता है। बेशक कुणाल कामरा ने दिल तो पागल है के एक गीत पर पैरोडी में कुछ पंक्तियां गुनगुनाई हैं, लेकिन जिस तरह से महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे को टार्गेट किया है, वो करने वाला आर्टिस्ट नहीं कहा जा सकता। ऐसा क्यों लगता है जैसे कुणाल कामरा की कॉमेडी में शार्ली ऐब्दो टाइप फील देने की मंशा छुपी हुई हो। समय रैना का कहना है कि इंडिया गॉट लैटेंट में वो सब कुछ फ्लो में बोल गये, हो सकता है। थोड़ी देर के लिए मान लेते हैं। लेकिन, कुणाल कामरा ने ऐसा नहीं किया है। कुणाल कामरा तो स्क्रिप्ट के साथ शो कर रहे हैं। कुणाल कामरा को पूरे होशो-हवास में मालूम है कि कहना क्या है। हो सकता है, समय रैना ने भी ऐसा ही किया हो, स्क्रिप्ट देख कर भी पढ़ी जा सकती है, और याद करके भी बोली जा सकती है। उस समय रैना ने अपने बयान में कहा है, मैंने जो कहा उसके लिए मुझे गहरा खेद हैज्ये शो के फ्लो में हुआ, और मेरा ऐसा कहने का कोई इरादा नहीं था। अपनी गलती को स्वीकार करते हुए समय रैना कहते हैं, मुझे एहसास है कि मैंने जो कहा वो गलत था । बताया है कि विवाद ने उनकी मानसिक स्थिति पर बुरा असर पड़ा है और, उसकी वजह से वो कनाडा का शो नहीं कर पाये। परन्तु यह ऐसा स्टड-अप कॉमेडियन कुणाल कामरा के एक गाने की वजह से हुआ। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर एक व्यंग्य गीत ने राजनीतिक गलियारों में विवाद खड़ा कर दिया। कुणाल कामरा की इस पैरोडी से पालिटिक्स में हंगामा सा मच गया है।

सख्ती-विकास व पुनर्वास से पलटी बाजी

मधुरेन्द्र सिन्हा

देश की सीमाओं की रक्षा में जहां हमारे सैनिक तत्पर हैं वहीं देश में उग्रवादियों, नक्सलवादियों जैसी विध्वंसक ताकतों से निपटने और उनका सफाया करने के लिए केन्द्रीय सुरक्षा बल तथा अन्य बल पूरी मुस्तैदी से शांति बनाये रखने में सफल हुए हैं। यह बल जिसे सीआरपीएफ के नाम से जाना जाता है। इस समय सीआरपीएफ देश में माओवादी उग्रवादियों को पूरी तरह से खत्म करने के अपने मिशन में जी जान से जुटा हुआ है। छत्तीसगढ़, झारखंड, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र वगैरह राज्यों में इनका आतंक खत्म करने और वहां सामान्य जन-जीवन को बहाल करने में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण रही है। हाल के वर्षों में इस बल ने वर्षों से जमे हुए सशस्त्र नक्सलियों को जबर्दस्त चोट पहुंचाई है और उसके कई बड़े लीडर मारे गये हैं जिनसे इन उग्रवादियों का मनोबल नीचे आ गया है। पिछले कुछ महीनों में तो दर्जनों नक्सली सीआरपीएफ से मुठभेड़ में मारे गये हैं। सैकड़ों हथियार पकड़े जा चुके हैं। केन्द्रीय गृह मंत्री ने तो बजट सत्र में स्पष्ट शब्दों में कहा कि 31 मार्च, 2026 तक देश में नक्सलवाद का समूल नाश कर दिया जायेगा। सरकारी लड़ाई तेज करने के अलावा नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विकास के काम को तेज किया और संसाधन उपलब्ध करवाये ताकि वहां के स्थानीय लोग उनसे दूरी बना लें। हिंसा के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस की सरकार की नीति का अनुसरण करते हुए केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने इन देश-विरोधी तत्वों से सख्ती से निपटने की रणनीति पर काम किया है। सीआरपीएफ तथा अन्य सुरक्षा बलों को नये हथियारों से लैस करने के अलावा उन्हें उचित प्रशिक्षण दिलाकर मदद की। टेक्नोलॉजी का सहारा लिया गया और ड्रोन वगैरह के अलावा संचार के तमाम आधुनिक साधनों को उपलब्ध करवाया। दरअसल, नक्सल प्रभावित क्षेत्र घने जंगलों तथा दुर्गम इलाकों में स्थित हैं। वहां तक पहुंचना टेढ़ी खीर है लेकिन अब उन इलाकों में भी सड़कें बन गई हैं। लगभग 20 हजार किलोमीटर सड़कें बनवाकर सरकार ने वहां जवानों को ही नहीं बल्कि आदिवासियों के आवागमन को सुचारु कर दिया है। सुकमा जैसे घनघोर इलाके में अब अंदर तक सड़कें हैं और इस वजह से अर्धसैनिक बलों का आना-जाना संभव हो पाया है। इसके अलावा उन इलाकों में 68 ऐसे हेलीपैड भी बनवाये गये हैं जहां रात को भी हेलीकॉप्टर पहुंच सकें ताकि जवानों को लाया-ले जाया जा सके तथा रसद व हथियार फौरन पहुंचाये जा सकें। बलों के शिविरों की संख्या भी बढ़ाई गई है ताकि जवान एक जगह से दूसरी जगह जल्दी से पहुंच जायें। नक्सलवाद के विरुद्ध सशस्त्र लड़ाई में डीआरजी, एसटीएफ, आईटीबीपी, बीएसएफ, राज्य पुलिस और सीआरपीएफ के जवानों तथा अफसरों ने दुर्गम इलाकों में अपना ऑपरेशन चलाया और सैकड़ों ने अपनी जान की कुर्बानी दी। वे भूखे-प्यासे दुर्गम इलाकों में तैनात रहते हैं। केंद्र ने इन संगठनों को मजबूत किया है और उन्हें नई टेक्नालॉजी तथा हथियारों से लैस किया है। इससे नक्सलियों से दो-दो हाथ करने में उन्हें सफलता मिली है और बड़ी तादाद में नक्सली मारे गये हैं। नक्सल प्रभावित इलाकों में बजट में 300 फीसदी की बढ़ोतरी की गई है ताकि संसाधनों का संकट न रहे। नक्सलवाद बढ़ने में गांवों के विकास की उपेक्षा एक बड़ा कारण था। दूर-दराज के गांवों में विकास की सिर्फ बातें ही होती थीं और वहां कुछ नहीं होता था और नक्सली नेताओं के लिए भोले-भाले आदिवासियों को बरगलाना आसान था। उनके पास जीविका के साधन नहीं थे, शिक्षा तो दूर की बात थी। लेकिन अब किसानों तथा अन्य को अपनी उपज का सही मूल्य मिलने लगा। उनके बनाये सामानों की बिक्री भी होने लगी और इससे उनकी आय बढ़ी। नये स्कूल बनाये गये और पुरानों को फिर से चालू कर दिया गया। कई इलाकों में नक्सलियों द्वारा उड़ाये गये स्कूलों को फिर से बना दिया गया है।

स्वास्थ्य केन्द्रों में अब डॉक्टर नियमित रूप से आते हैं और उन्हें आधुनिक सुविधाओं से लैस किया गया है। गांवों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कई कदम उठाये गये हैं। इनसे ग्रामीणों में उनके प्रति विश्वास बढ़ा और वे नक्सलियों से दूरी बनाने लगे हैं। बहुत से इलाकों में बिजली पहुंचाई जा रही है ताकि उनकी जिंदगी आसान हो और नक्सलियों को अंधेरे का फायदा न मिले। सख्ती और सुविधाएं, इन दोनों के साथ सरकार ने नक्सलियों को पीछे धकेलने में बहुत सफलता पाई। केन्द्रीय गृह मंत्रालय के मुताबिक छत्तीसगढ़ में 2023 में नई सरकार बनने के बाद एक साल में ही सशस्त्र बलों ने 380 नक्सलियों को मुठभेड़ों में मार गिराया तथा 1045 ने सरेंडर कर दिया जबकि 1194 गिरफ्तार कर लिये गये। इन मुठभेड़ों में सिर्फ 26 जवान शहीद हुए। इन गिरफ्तार नक्सलियों के पुनर्वास और उन्हें समाज की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए रोजगार की भी व्यवस्था की है। निःसंदेह, उचित विकास से ही सभी समस्याओं का समाधान मिलेगा। इसके तहत ही उन्हें व्यावसायिक प्रशिक्षण के लिए 36 महीनों तक हजार रुपये प्रति माह सहायता की भी व्यवस्था की गई है, जिससे वे नई जिंदगी जी सकें। आत्म समर्पण करने वाले नक्सलियों को भी विशेष अनुदान दिया जा रहा है। गृह मंत्रालय अर्ध सैनिक बलों के वीर जवानों के लिए कई तरह की कल्याणकारी योजनाओं पर भी काम कर रहा है। उनका मनोबल बढ़ाये रखने के लिए उनके लिए आयुष्मान सीएफएफ योजना लागू की गई है। सीजीएचएस के अस्पतालों में उनके इलाज तथा मुफ्त दवाओं की व्यवस्था की गई है। सरकार ने उनके लिए 2021 से 2026 के बीच 28,546 घरों के निर्माण का लक्ष्य रखा है ताकि उनके आवास की समस्या दूर हो।

सुप्रीम कोर्ट ने फैसला पलट दिखायी राह, किया उजाला

नजरिया

नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म की कोशिश से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के फैसले पर रोक लगाकर न्याय की संवेदनशीलता को संबल दिया है, इससे जहां न्याय की निष्पक्षता, गहनता एवं प्रासंगिकता को जीवंत किया है, वहीं महिला अस्मिता एवं अस्तित्व को कुचलने की कोशिशों को गंभीरता से लिया गया है। शीर्ष अदालत के जजों ने इस फैसले को असंवेदनशील बताते हुए न केवल इलाहाबाद हाई कोर्ट के इस विवादित फ़ैसले पर गंभीर नाराजगी दर्शायी एवं खेद प्रकट किया है, क्योंकि इलाहाबाद हाई कोर्ट ने कहा था- नाबालिग लड़की के ब्रेस्ट पकड़ना और उसके पायजामे के नाड़े को तोड़ना रेप नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने यौन अपराधों की गंभीरता को कम करने वाली या पीड़ितों के अनुभवों को कमतर आंकने वाली भाषा एवं सोच का इस्तेमाल न करने की चेतावनी देते हुए हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस को भी ऐसा फैसला देने वाले जज से ऐसे संवेदनशील मामलों की सुनवाई न कराने का भी निर्देश दिया है।

ललित गर्ग

सुप्रीम कोर्ट के जजों ने कहा कि यह फैसला तुरंत नहीं लिया गया, बल्कि सुरक्षित रखने के 4 महीने बाद सुनाया गया यानी पूरे विचार के बाद फैसला दिया गया है। नारी अस्मिता एवं अस्तिव को कुचलने की शर्मसार करने वाली निचली अदालतों की ऐसी न्यायिक घटनाएं चिन्ताजनक है। एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट की पहल से समाज में सकारात्मक संदेश दिया गया और महिलाओं की सुरक्षा, अस्मिता एवं अस्तित्व सुनिश्चित करने का सार्थक प्रयास भी किया गया है। इलाहाबाद हाई कोर्ट में जस्टिस राममनोहर नारायण मिश्रा ने अपने 17 मार्च के इस फ़ैसले में कहा था कि 'पीड़िता के स्तन को छूना और पायजामे की डोरी तोड़ने को बलात्कार या बलात्कार की कोशिश के मामले में नहीं गिना जा सकता है।' उल्लेखनीय है कि यह घटना साल 2021 में एक नाबालिग लड़की के साथ हुई थी। जिसमें तीन युवकों ने लड़की से बदतमीजी की थी और उसके प्राइवेट पॉर्टस को छुआ तथा पुल के नीचे घसीटकर उसके पायजामे की डोरी तोड़ थी। जिसे पास से गुजरने वाले ट्रैक्टर चालकों ने बचाया था। स्थानीय पुलिस से जब किशोरी के परिजनों को मदद नहीं मिली तब उन्होंने न्याय के लिये कासगंज की विशेष अदालत का दरवाजा खटखटाया था। जहां अभियुक्तों पर आईपीसी की धारा 376 व पॉक्सो एक्ट की धारा 18 लगाई गई। जिसको अभियुक्तों ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। 11 साल की इस लड़की के साथ हुई इस घटना के बारे में जस्टिस मिश्रा का निष्कर्ष था कि यह महिला की गरिमा पर आघात का मामला है। इसे रेप या रेप की कोशिश नहीं कह सकते। एकल पीठ का कहना था कि मामले में तथ्यों व आरोपों के आधार पर तय करना संभव नहीं है कि बलात्कार का प्रयास हुआ था। जिसके लिये अभियोजन पक्ष को सिद्ध करना था कि अभियुक्तों का यह कदम अपराध करने की तैयारी के लिये था। इस फैसले के बाद देशभर में गहरा आक्रोश, गुस्सा एवं नाराजगी सामने आयी, महिला संगठनों व बौद्धिक वर्गों में तल्ख प्रतिक्रिया देखी गयी, सोशल मीडिया एवं मीडिया ने इसे न्याय की बड़ी विसंगति एवं अमानवीयता के रूप में प्रस्तुत किया। महिला संगठन

वी द वूमेन ऑफ इंडिया ने सुप्रीम कोर्ट का भी रुख किया था। शीर्ष अदालत के जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस एजी मसीह की बेंच ने माना कि फैसला न केवल असंवेदनशील है बल्कि अमानवीय नजरिया भी दर्शाता है। जिसके चलते इस फैसले पर रोक लगाना आवश्यक हो जाता है। वहीं शीर्ष अदालत ने इस मसले पर केंद्र व उत्तर प्रदेश सरकार को भी नोटिस जारी किया है। यह बात किसी के गले नहीं उतर पा रही कि जब पाक्सो कानून में स्पष्ट रूप से किसी बच्चे के साथ गलत हरकतों को आपराधिक कृत्य माना गया है, तब कैसे इलाहाबाद उच्च न्यायालय के संबंधित न्यायाधीश को न्यायिक विवेचन करते समय यह गंभीर दोष नहीं जान पड़ा। महिलाओं के यौन उत्पीड़न से संबंधित कानूनों में तो उन्हें घूरने, गलत इशारे करने, पीछा करने आदि को भी आपराधिक कृत्य माना गया है। फिर उस लड़की के मामले में हर पहलू पर विचार क्यों नहीं किया गया? इस फैसले की निन्दा, भर्त्सना एवं आलोचना ने देश में एक बार फिर जताया है कि देश ऐसे संवेदनशील मामलों में जागरूक है, किसी भी तरह की लापरवाही एवं कोताही को बर्दाश्त नहीं करेगा। सुप्रीम अदालत ने देखा था कि पीछा करने, छेड़छाड़ करने और उत्पीड़न जैसे अपराधों को सामान्य बनाने वाले रवैये का 'पीड़ितों पर स्थायी और हानिकारक प्रभाव पड़ता है।' महिलाओं के सम्मान और गरिमा के प्रति सर्वोच्च न्यायालय संवेदनशील है, यही आशा की किरण है। यहां यह अपेक्षित हो जाता है कि महिला मामलों की सुनवाई करने वाले जजों को इसकी बारीकियों एवं गहनताओं का प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। ऐसे प्रशिक्षित जजों को ही ऐसे मामलों की सुनवाई का मौका दिया जाना चाहिए। यह भी अपेक्षित है कि ऐसे मामलों में कोताही या दुराग्रह बरतने वाले जजों के लिये उचित जांच का भी प्रावधान होना चाहिए।

महिला सुरक्षा से जुड़े मामलों में फैसला देते वक्त अदालतों से अपेक्षा की जाती है कि वे घटना, तथ्यों और प्रमाणों पर संवेदनशील तरीके से विचार करें। मगर विचित्र है कि कई बार निचली अदालतें ऐसे मामलों में आग्रह एवं पूर्वाग्रहपूर्ण निर्णय सुना देती हैं। उल्लेखनीय है कि एक ऐसे ही मामले में सुप्रीम कोर्ट ने बॉम्बे हाई कोर्ट की नागपुर बेंच के फैसले को पलट कर कानून की संवेदनशीलता को संबल दिया था। तब भी सुप्रीम कोर्ट ने वर्ष 2021 में कहा था कि किसी बच्चे के यौन अंगों को यौन इरादे से छूना पॉक्सो अधिनियम की धारा 7 के तहत यौन हिंसा माना जाएगा। अब चाहे इसमें त्वचा का संपर्क नहीं हुआ हो। कोर्ट का मानना था कि अभियुक्त का इरादा ज्यादा मायने रखता है। दरअसल, इस मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट की महिला जज ने अभियुक्त को इस आधार पर बरी करने का फैसला लिया था कि त्वचा से त्वचा का संपर्क नहीं हुआ था। इसी तरह कलकत्ता हाईकोर्ट ने भी अक्टूबर, 2023 में एक फैसला सुनाते हुए टिप्पणी की थी कि किशोरियों को अपनी यौन इच्छाओं पर नियंत्रण रखना चाहिए, वे दो मिनट के सुख के लिए समाज की नजरों में गिर जाती हैं। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि जज से यह उम्मीद नहीं की जाती है कि वे फैसला सुनाते समय अपने विचार व्यक्त करें। तब सुप्रीम कोर्ट ने यह दिशानिर्देश भी जारी किए थे कि फैसले किस तरह लिखे जाने चाहिए। इसके अलावा, कलकत्ता हाईकोर्ट के फैसले को भी पलट दिया था। ऐसे फैसले न्यायिक भ्रष्टता, संवेदनहीनता एवं लापरवाही के प्रतीक है, जिससे महिलाओं अपराधियों, बलात्कारियों, व्यभिचारियों एवं यौन शोषकों का नारी से खिलवाड़ करने का हौसला बुलन्द होता है।

देश में बढ़ रही यौन-शोषण, रेप एवं नारी दुराचार की घटनाओं को देखते हुए न्याय-व्यवस्था को अधिक सशक्त एवं निष्पक्ष बनाये जाने की अपेक्षा है। इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि कुछ मामलों में पाक्सो और महिला सुरक्षा से जुड़े कानूनों का दुरुपयोग देखा गया है, मगर इसका अर्थ यह नहीं कि इससे किसी को हर महिला के साथ हुए दुर्व्यवहार और यौन शोषण को असंवेदनशील तरीके से देखने की छूट मिल जाती है। पहले ही महिला यौन उत्पीड़न के मामलों में शिकायतें दर्ज कराने को लेकर चुप्पी साध जाने या टालमटोल रवैया अपनाना एक गंभीर मामला है। जिसके चलते ऐसी घटनाएं बढ़ती ही जा रही है। आजीवन शोषण, दमन, अत्याचार, अवांछित बर्ताव और अपमान की शिकार रही भारतीय नारी को अब और नये-नये तरीकों से कब तक जहर के घूंट पीने को विवश होना होगा। अत्यंत विवशता और निरीहता से देख रही है वह यह क्रूर अपमान, यह वीभत्स अनादर, यह दूषित व्यवहार एवं संकुचित न्याय। न्याय की चौखट पर भी उसके साथ दोयम दर्जा एवं दुराग्रहपूर्ण सोच बदलना सर्वोच्च प्राथमिकता हो। यदि हम सच में नारी के अस्तित्व एवं अस्मिता को सम्मान देना चाहते हैं तो ! ईमानदार स्वीकारोक्ति और पड़ताल से ही यह संभव होगा।

देश में राजनीतिक शुचिता का सुदृढ़ होना जरूरी

सर्राफ धमोरा

हमारे देश के राजनेताओं में दिन-प्रतिदिन नैतिकता कम होती जा रही है। कई बड़े नेता आए दिन विवादास्पद बयान देखकर चर्चाओं में बने रहते हैं। वहीं बहुत से निर्वाचित विधायकों, सांसदों, मंत्रियों सहित अन्य जनप्रतिनिधियों पर अपराधिक मामले दर्ज हो रहें हैं। जिससे राजनीति के क्षेत्र में काम करने वालों की छवि खराब होती जा रही है। देश की राजनीति में आज अपराध का इतना घालमेल हो गया है कि पता ही नहीं चलता कि कौन सा जनप्रतिनिधि अपराधी है और किसकी छवि स्वच्छ है। अपराधी प्रवृत्ति के लोगों के नेता बनने से जहां राजनीतिक दागदार हुई है। वहीं नेताओं की जनता की दूरी भी बढ़ने लगी है। मौजूदा समय में राजनीतिक व्यवसाय बन चुकी है। राजनीति में वही लोग सफल होते हैं जो या तो बड़े नेताओं के परिवार से है या फिर बहुत पैसे वाले हैं। राजनीति के क्षेत्र में अब सेवा, संगठन, वफादार कार्यकर्ताओं का कोई महत्व नहीं रह गया है। राजनीति पूरी तरह पैसों की चकाचौंध में लिप्त हो गई है। एक समय था जब धरातल पर काम करने वाला पार्टी कार्यकर्ता आगे चलकर जनप्रतिनिधि बनता था। जमीन से उठकर आगे आने वाला नेता आम जनता से जुड़ा रहता था और वह जनता के सुख-दुख से वाकिफ भी होता था। इसलिए वह आमजन के हित में काम करता था। मगर अब लोग पैसे के बल पर पैराशूट से उतरकर राजनीति करने लगे हैं। वह पैसे के बल पर ही चुनाव जीत जाते हैं। इसलिए उन्हें आमजन की समस्याओं से कोई लेना-देना नहीं रहता है। ऐसे नेता पांच सितारा संस्कृति के वाहक होते हैं। ऐसे नेता राजनीति में आने के लिए पहले खूब पैसा खर्च करते हैं और जब किसी पद पर पहुंच जाते हैं तो जमकर भ्रष्टाचार कर पैसा कमाते हैं। ऐसे लोगों के कारण ही आज राजनीति समाज सेवा की बजाय व्यवसाय बन गई है। 1971 के लोकसभा चुनाव में झुंझुनू सीट पर देश के सबसे बड़े औद्योगिक घराने के कृष्ण कुमार बि?ला को हराने वाले शिवनाथ सिंह गिल को मैंने 1998 से 2003 में विधायक के रूप में देखा है। वह अपने क्षेत्र से जयपुर जाते या अपने घर से विधानसभा जाते हमेशा सरकारी बस का ही उपयोग करते थे। कभी निजी गाड़ियों से नहीं घूमते थे। इसी के चलते उन्होंने राजनीति में 50 साल लंबी पारी खेली थी। वह ईमानदार थे इसीलिए ईमानदारी से रहते थे। आज हम देखते हैं कि राजनीतिक दलों के छोटे-छोटे कार्यकर्ता भी कई लाख रूपयों की महंगी गाड़ियों में घूमते हैं। पार्टी का कोई नेता उनसे यह नहीं पूछता है कि इतनी महंगी गाड़ियां खरीदने के लिए पैसे कहां से आता है। सबको पता है की राजनीति में आज छूट-भैया नेता भी सत्ता की दलाली में पैसा कमा रहे हैं। दलाली के पैसों में बड़े नेताओं का भी हिस्सा होता है। इसीलिए

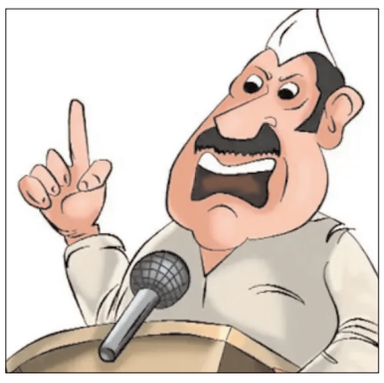

उनकी तरफ कोई अंगुली नहीं उठाता हैं। चुनाव सुधार पर काम करने वाली एक गैर सरकारी संगठन एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स की एक रिपोर्ट में सामने आया है कि देश के 45 प्रतिशत विधायकों पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। इस संगठन ने देश के 28 राज्यों और विधानसभा वाले तीन केंद्र शासित प्रदेशों के कुल 4123 विधायकों में से 4092 के चुनावी हलफनामे का विश्लेषण किया है। जिसमें आंध्र प्रदेश के सबसे ज्यादा 174 में से 138 यानी 79 प्रतिशत विधायकों ने जबकि सिक्किम में सबसे कम 32 में से सिर्फ एक विधायक 3 प्रतिशत ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले घोषित किए हैं। तेलुगु देशम पार्टी के सबसे ज्यादा 134 विधायकों में से 115 यानि 86 प्रतिशत पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। उक्त रिपोर्ट से पता चला कि 1861 विधायकों ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज होने की घोषणा की है। इसमें 1205 पर हत्या, हत्या की कोशिश, अपहरण और महिलाओं के खिलाफ अपराध जैसे गंभीर आरोप हैं। रिपोर्ट के अनुसार 54 विधायकों पर भारतीय दंड संहिता की धारा 302 के तहत हत्या के आरोप हैं। वहीं 226 पर धारा 307 और भारतीय न्याय संहिता की धारा 109 के तहत हत्या की कोशिश के आरोप हैं। इसके अलावा 127 विधायकों पर महिलाओं के खिलाफ अपराधों के मामले दर्ज हैं। इनमें 13 पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 376 और 376 (2)(द) के तहत बलात्कार का आरोप है। धारा 376 (2)(द) एक ही पी?ित के बार-बार यौन उत्पीड़न से संबंधित है। एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स की रिपोर्ट के अनुसार 543 लोकसभा सदस्यों में से 251 (46 प्रतिशत) के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं। उनमें से 27 को दोषी ठहराया गया है। रिपोर्ट के अनुसार लोकसभा में चुने जाने वाले आपराधिक आरोपों का सामना कर रहे उम्मीदवारों की यह सबसे बड़ी संख्या है। कुल 233 सांसदों (43 प्रतिशत) ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले घोषित किए थे। जबकि 2014 में 185 (34 प्रतिशत), 2009 में 162 (30 प्रतिशत) और 2004 में 125 (23 प्रतिशत) सांसदों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं। 2024 में लोकसभा के लिये चुने गये 251 उम्मीदवारों में से 170 (31 प्रतिशत) पर बलात्कार, हत्या, हत्या का प्रयास, अपहरण और महिलाओं के खिलाफ अपराध सहित गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। विश्लेषण से पता चला कि यह 2019 में 159 (29 प्रतिशत) सांसदों, 2014 में 112 (21 प्रतिशत) सांसदों और 2009 में 76 (14 प्रतिशत) सांसदों की तुलना में भी वृद्धि है। एडीआर के अनुसार 18वीं लोकसभा में सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी बीजेपी के 240 विजयी उम्मीदवारों में से 94 (39 प्रतिशत) ने आपराधिक मामले घोषित किए हैं। कांग्रेस के 99 विजयी उम्मीदवारों में से 49 (49 प्रतिशत) ने आपराधिक मामले घोषित किए हैं और समाजवादी पार्टी के 37 उम्मीदवारों में से 21 (45 प्रतिशत) पर आपराधिक आरोप हैं। विश्लेषण में पाया गया कि 63 (26 प्रतिशत) बीजेपी उम्मीदवार, 32 (32 प्रतिशत) कांग्रेस उम्मीदवार और 17 (46 प्रतिशत) समाजवादी पार्टी उम्मीदवारों ने गंभीर आपराधिक मामले घोषित किए हैं। इसमें कहा गया है कि सात (24 प्रतिशत) टीएमसी उम्मीदवार, छह (27 प्रतिशत) डीएमके उम्मीदवार, पांच (31 प्रतिशत) टीडीपी उम्मीदवार और चार (57 प्रतिशत) शिवसेना उम्मीदवार गंभीर आपराधिक मामलों का सामना कर रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार केरल के 20 में से 19 (95 प्रतिशत) सांसदों पर आपराधिक मामले दर्ज हैं जिनमें से 11 गंभीर अपराधों से जुड़े हैं। तेलंगाना के 17 में से 14 (82 प्रतिशत), ओडिशा के 21 में से 16 (76 प्रतिशत), झारखंड के 14 में से 10 (71 प्रतिशत) और तमिलनाडु के 39 में से 26 (67 प्रतिशत) सांसदों के खिलाफ आपराधिक मुकदमे लंबित हैं। वहीं उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, बिहार, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में लगभग 50 प्रतिशत सांसदों पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। दूसरी ओर हरियाणा 10 और छत्तीसगढ़ 11 सांसद में केवल एक-एक सांसद पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। पंजाब के 13 में से 2, असम के 14 में से 3, दिल्ली के 7 में से 3, राजस्थान के 25 में से 4, गुजरात के 25 में से 5 और मध्य प्रदेश के 29 में से 9 सांसदों पर आपराधिक मामले लंबित हैं। एक जनवरी 2025 तक वर्तमान या पूर्व विधायकों के खिलाफ कुल 4,732 आपराधिक मामले लंबित थे। इनमें सबसे ज्यादा उत्तर प्रदेश में 1,171 मामले दर्ज हैं। ओडिशा (457), बिहार (448), महाराष्ट्र (442), मध्य प्रदेश (326), केरल (315), तेलंगाना (313), कर्नाटक (255), तमिलनाडु (220), झारखंड (133) और दिल्ली (124) मुकदमे लंबित हैं। उपरोक्त आंकड़ों को देखने से लगता है कि हमारे देश की राजनीति में आपराधियों की संख्या तेजी से बढ़ रही है।

विकास के बजाए विवादित मुद्दे बन गए हैं सत्ता का आसान रास्ता

योगेंद्र योगी

गौरतलब है कि पिछले दिनों उत्तर प्रदेश के संभल जिले में मंदिर-मस्जिद विवाद पर नेताओं ने जम कर रोटियां सेकी। इस संवेदनशील मुद्दे को लेकर हिंसा में पांच लोग मारे गए। इसके बाद देश के दूसरे हिस्सों में इसी तरह के विवाद पैदा हो गए। बेरोजगारी, गरीबी, अपराध, लिंगभेद, चिकित्सा और आधारभूत जैसी सुविधाओं के समाधान के बजाए देश के नेता इतिहास के गढ़े मुर्दे उखाड़ कर वोट पाने का आसान रास्ता चुन रहे हैं। इसी क्रम में नया विवाद महाराणा सांगा पर दिए गए बयान पर पैदा हुआ है। समाजवादी पार्टी के सांसद रामजी लाल सुमन ने राज्यसभा में कहा कि बीजेपी के लोगों का ये तकियाकलाम बन गया है कि इनमें बाबर का डीएनए है। सपा सांसद रामजी लाल ने कहा कि मैं जानना चाहूंगा कि बाबर को आखिर लाया कौन? इब्राहिम लोदी को हराने के लिए बाबर को राणा सांगा लाया था। उन्होंने कहा कि मुसलमान अगर बाबर की औलाद हैं तो तुम लोग उस गद्दार राणा सांगा की औलाद हो, ये हिन्दुस्तान में तय हो जाना चाहिए कि बाबर की आलोचना करते हो, लेकिन राणा सांगा की आलोचना नहीं करते? सांसद सुमन की राज्यसभा में की गई टिप्पणी पर केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि जो लोग आज नहीं बल्कि 1000 वर्षों के भारत के इतिहास की समीक्षा करते हैं, वे बाबर और राणा सांगा की तुलना कभी नहीं कर सकते और उन्हें एक ही तराजू पर नहीं रख सकते। महाराणा सांगा ने आजादी की अलख जगाई थी। उन्होंने भारत को गुलामी से बचाया और साथ ही भारत की संस्कृति को सनातनी बनाए रखने में भी अहम योगदान दिया। कुछ क्षुद्र और छोटे दिल वाले लोग ऐसी बातें करते हैं, लेकिन मुझे लगता है कि ऐसी चर्चाओं की कोई गुंजाइश नहीं है। यह पहला मौका नहीं है जब नेताओं ने वोट बैंक को मजबूत करने के लिए इस तरह के विवादों को हवा दी है। इससे पहले भी ऐतिहासिक मुद्दों पर देश में दरार डालने के प्रयास होते रहे हैं। बॉलीवुड के निर्माता-निर्देशक संजय लीला भंसाली की फिल्म पद्मावत को लेकर भी काफी विवाद हुआ था, जिसमें राजपूत समुदाय ने फिल्म में ऐतिहासिक तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर पेश करने का आरोप लगाया था। इस विवाद का परिणाम यह निकला कि चित्तौड़गढ़ के किले में स्थित %पद्मावती% महल में अराजक तत्वों ने उन शीशों को तोड़ दिया, जिनके बारे में कहा जाता है कि दिल्ली के सुल्तान अलाउद्दीन खिलजी ने इन्हीं आईनों के जरिए राजपूत रानी पद्मावती को देखा था। इसी तरह तीन साल पहले बॉलीवुड फिल्म पानीपत से शुरू हुआ विवाद एक टीवी धारावाहिक तक आ पहुंचा। धारावाहिक में खांडेराव होल्कर से पूर्व महाराजा सूरजमल को युद्ध में हारना दिखाया गया। वहीं, इतिहासकारों का दावा है कि पूर्व महाराजा सूरजमल कभी युद्ध नहीं हारे। बल्कि खांडेराव होल्कर की मौत उनके साथ युद्ध में हुई थी। इसको लेकर रूपवास व कुम्हेर थाने में दो अलग-अलग एफआइआर दर्ज कराई गई। मैसूर के राजा रहे टीपू सुल्तान की 10 नवंबर को मनाई जाने वाली जयंती को लेकर भी खूब कलह हुआ है। मैसूर का शेर कहलाने वाले टीपू की जयंती की शुरुआत कांग्रेस के शासन में हुई लेकिन बीजेपी इसका विरोध करती रही। कर्नाटक में टीपू सुल्तान की जयंती मनाने को लेकर नौबत यहां तक आ गई कि कई शहरों में सुरक्षा को देखते हुए धारा 144 लगाई गई और विरोध प्रदर्शन कर रहे सैकड़ों लोगों को हिरासत में लिया गया। भारतीय जनता पार्टी और कुछ हिन्दू संगठनों ने सरकार से मांग की थी कि वह टीपू सुल्तान की जयंती मनाने का कार्यक्रम और उन्हें महिमामंडित करने की योजना रोक दें। बीजेपी की निगाह में टीपू सुल्तान धार्मिक रूप से कट्टर और हिन्दू विरोधी शासक था। भाजपा नेता मीनाक्षी लेखी ने उत्तर भारत के 9वीं सदी के राजपूत शासक सम्राट मिहिर भोज की प्रतिमा का अनावरण किया और उन्हें एक गुज्जर बताया। दक्षिण दिल्ली नगर निगम (एसडीएमसी) ने जौनपुर गांव में सम्राट मिहिर भोज की एक प्रतिमा भी समर्पित की, जिसमें उन्हें गुज्जर बताया गया।

संक्षिप्त समाचार

पोषण भी, पढ़ाई भी कार्यक्रम के तहत आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को दिया प्रशिक्षण

बोड़ा/ रनायल । महिला एवं बाल शिक्षा को भी आंगनवाड़ी केंद्रों के लिए पोषण भी, पढ़ाई भी कार्यक्रम विकास मंत्रालय द्वारा प्रारंभिक बल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा को मजबूत करने के लिए पोषण भी, पढ़ाई भी कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कलेक्टर ऋजु बाफना के निर्देशन तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी नीलम चौहान के मार्गदर्शन में परियोजना शाजापुर अंतर्गत आंगनवाड़ी कार्यकर्ता का नवचेतना एवं आधारशिला के अनुसार आयोजित तीन दिवसीय प्रशिक्षण में कार्यकर्ताओं को प्रमुख बिंदुओं पर प्रशिक्षित किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के क्षमता संवर्धन द्वारा पोषण एवं स्वास्थ्य संबंधी सुविधाओं के साथ साथ प्रारंभिक माध्यम से सुदृढ़ करना है। प्रशिक्षण में एकीकृत बाल विकास परियोजना अधिकारी ललित राठौर , महिला बाल विकास अधिकारी ऋजु बाफना, सुपरवाइजर आक्सा बी उपस्थित थे। यहां भी हुआ प्रशिक्षण महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा प्रारंभिक बल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा को मजबूत करने के के तहत परियोजना कालापीपल अंतर्गत आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान परियोजना अधिकारी ललित राठौर, पर्यवेक्षक आक्सा बी, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता उमा चंद्रवंशी ,भगवती राठौर ,सुनीता दशहरीया, मंजू पुष्पद ,वंदना राठौर, संतोष वर्मा , मनीषा अटारिया सहित आंगनवाड़ी कार्यकर्ता मौजूद थीं।

राष्ट्र की सेवा में सदैव तत्पर है एनएसएस : रामाधार सिंह बैस

मण्डला / नैनपुर। शासकीय स्नातक महाविद्यालय नैनपुर के राष्ट्रीय सेवा योजना (एन एस एस) इकाई द्वारा ग्राम रेवाड़ा में सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के पंचम दिवस की शुरुआत प्रातः काल योग व्यायाम के साथ हुई। इसके बाद महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने ग्राम के धार्मिक स्थलों की सफाई की और जन जागरूकता के माध्यम से स्वच्छता का संदेश दिया। शिविर में बौद्धिक परिचर्चा कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. बीएल झरिया, जिला संगठक, उपस्थित हुए। उन्होंने एन एस एस के उद्देश्यों, महत्व और इसके माध्यम से व्यक्तित्व विकास के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इसके बाद डॉ. ज्योति सिंह ने बाल संरक्षण पर अपने विचार व्यक्त किए और बताया कि हम किस प्रकार बाल संरक्षण के प्रति जागरूक हो सकते हैं और दूसरों को भी इसके महत्व से अवगत करा सकते हैं। शिविर के अंतर्गत डॉ. नवल सिंह लोधी ने भी बाल संरक्षण की आवश्यकता पर व्याख्यान दिया। उन्होंने विद्यार्थियों को इस विषय पर गंभीरता से सोचने और समाज में इसके प्रति जागरूकता फैलाने की अपील की। कार्यक्रम में जन भागीदारी के रूप में अध्यक्ष दामोदर झरिया, विद्यार्थी परिषद मंडला के विभाग संगठन मंत्री रामाधार सिंह बैस, जन भागीदारी सदस्य अजय नवेरिया, और डॉ. जे एस उवेती भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने बाल संरक्षण, स्वच्छता और समाजसेवा के महत्व को समझा और इसे अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लिया।

स्वर्गीय माखनलाल पुष्पद की स्मृति में सब्जी मंडी गेट पर शीतल प्याऊ का किया शुभारंभ

समय जगत, सारंगपुर। नगर के पुराने हाईवे किनारे स्थित थोक सब्जी मंडी परिसर के बाहर गेट पर सब्जी मंडी व्यापारी स्वर्गीय माखनलाल पुष्पद की स्मृति में परिजनों द्वारा भीषण गर्मी में हाईवे से निकलने वाले यात्रियों तथा सब्जी मंडी में आने वाले किसान एवं व्यापारियों को शुद्ध एवं ठंडा जल उपलब्ध हो इसके लिए गुरुवार को फूल माली समाज अध्यक्ष शिवनारायण पुष्पद प्रेम नारायण पुष्पद शिवचरण पुष्पद महादेव मित्र मंडल अध्यक्ष ओम पुष्पद सहित अन्य अतिथियों द्वारा पूजा अर्चना कर शीतल प्याऊ का शुभारंभ किया गया सब्जी मंडी व्यापारी पवन पुष्पद द्वारा सभी अतिथियों का तिलक लगाकर स्वागत किया इस दौरान वरिष्ठ समाजसेवी शिवचरण पुष्पद महादेव मित्र मंडल अध्यक्ष ओम पुष्पद कीड़ी पंचायत अध्यक्ष प्रेम नारायण पुष्पद खारीया पंचायत अध्यक्ष रवि पुष्पद विनोद पुष्पद रामेश्वर पुष्पद कैलाश नारायण पुष्पद रामबाबू पुष्पद देवनारायण पुष्पद अशोक पुष्पद कमल पुष्पद सहित अन्य व्यपारी व किसान उपस्थित थे।

प्रदेश में स्कूल चलें हम अभियान एक से 4 अप्रैल तक

शिवपुरी! प्रदेश में नवीन शिक्षण सत्र वर्ष 2025-26 की शुरूआत एक अप्रैल से स्कूल चलें हम अभियान के रूप में की जायेगी। अभियान के दौरान प्रदेश में एक से 4 अप्रैल, 2025 तक प्रतिदिन शालाओं में कार्यक्रम आयोजित होंगे। इस संबंध में स्कूल शिक्षा विभाग ने सभी जिला कलेक्टर्स और जिला शिक्षा अधिकारियों को दिशा-निर्देश जारी किये हैं। अभियान के दौरान सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों के नामांकन पर विशेष ध्यान दिया जायेगा। प्रदेश में करीब 92 हजार सरकारी स्कूल हैं। इनमें प्रायमरी, मिडिल, हाई और हायर सेकण्डरी स्कूल हैं। इन स्कूलों में लगभग 85 लाख बच्चे अध्ययनरत हैं।

राज्य स्तरीय आयोजन : स्कूल चलें हम अभियान का राज्य स्तरीय कार्यक्रम मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में होगा। कार्यक्रम के आयोजन की रूपरेखा स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा तैयार की जा रही है।

जिला-शाला स्तरीय प्रवेशोत्सव कार्यक्रमः प्रदेश में जिले के प्रभारी मंत्री जिला स्तरीय प्रवेशोत्सव कार्यक्रम में शामिल होंगे। यह कार्यक्रम चयनित शाला में होगा। कार्यक्रम में सांसद, विधायक एवं अन्य जन-प्रतिनिधि शामिल होंगे। उपस्थित छात्र-छात्राओं को निःशुल्क पाठ्य-पुस्तकें वितरित की जायेंगी। स्कूल शिक्षा विभाग ने ऐसी व्यवस्था की है कि नये शैक्षणिक सत्र की शुरूआत में विद्यार्थियों को पाठ्य-पुस्तकें मिल जायें। इस संबंध में जिला शिक्षा अधिकारी और मैदानी अमले को विभाग द्वारा निर्देश जारी कर दिये गये हैं। ग्राम और बसाहट के शाला से बाहर रहे चिन्हित बच्चों का शाला में नामांकन कराया जायेगा। बच्चों के अभिभावकों का शाला स्तर पर स्वागत किया जायेगा। कक्षा-1 से 8 तक सभी शालाओं में एक अप्रैल को बालसभा का आयोजन किया जायेगा। इस दिन शालाओं में विशेष भोजन की व्यवस्था भी की गयी है।

भविष्य से भेंट कार्यक्रमः स्कूल चलें हम अभियान के दूसरे दिन शालाओं में "भविष्य से भेंट'' कार्यक्रम होगा। इस कार्यक्रम में समाज के विभिन्न क्षेत्रों के प्रसिद्ध, प्रबुद्ध और सम्मानित व्यक्तियों को एक प्रेरक की भूमिका में विद्यार्थियों से भेंट के लिये आमंत्रित किया जायेगा। इसी दिन स्थानीय स्तर पर विशिष्ट उपलब्धियाँ हासिल करने वाले खिलाड़ी, साहित्यकार, कलाकार, मीडिया, संचार मित्रों, पुलिस अधिकारी, राज्य शासन के अधिकारी को विशेष रूप से आमंत्रित किया जायेगा। आमंत्रित अतिथि उपस्थित बच्चों को पढ़ाई के महत्व और प्रेरणादायी कहानियाँ सुनायेंगे। इस दौरान सामाजिक संस्था एवं आमंत्रित व्यक्ति स्वैच्छा से विद्यार्थियों को शाला उपयोगी वस्तुएँ भेंट कर सकेंगे। जिला कलेक्टर को जिले के प्रथम एवं द्वितीय श्रेणी के अधिकारियों को किसी एक शाला में जाकर एक कालखण्ड में बच्चों के साथ संवाद करने के लिये संवाद करने के भी निर्देश दिये गये हैं।

सांस्कृतिक एवं खेल-कूद गतिविधियाँः "स्कूल चलें हम अभियान" के अंतर्गत 3 अप्रैल को शाला स्तर पर पालकों के साथ सांस्कृतिक एवं खेल-कूद की गतिविधियाँ आयोजित की जायेंगी। इसका उद्देश्य पालकों का विद्यालय से जुड़ाव करना है। इसी दिन शाला में उपस्थित पालकों को शैक्षणिक स्टॉफ द्वारा राज्य सरकार की स्कूल शिक्षा से जुड़ी सरकारी योजनाओं की जानकारी दी जायेगी। पिछले शैक्षणिक सत्र में जिन विद्यार्थियों की 85 प्रतिशत से अधिक उपस्थिति रही है, उनके पालकों को सभा में सम्मानित किया जायेगा।

हार के आगे जीतः "स्कूल चलें हम अभियान" के अंतर्गत 4 अप्रैल को ऐसे छात्रों को चिन्हित किया जायेगा, जो किन्हीं वजहों से कक्षोन्नति प्राप्त करने में असफल हो गये हैं। पालकों को इन बच्चों की आगे की पढ़ाई के लिये समझाइश दी जायेगी। उन्हें बताया जायेगा कि असफल होने के बाद भी लगातार प्रयास से अच्छा भविष्य तैयार किया जा सकता है। इसी दिन शाला प्रबंधन और विकास समिति की बैठक भी होगी। बैठक में नये शैक्षणिक सत्र में ऐसे बच्चों पर विशेष रूप से चर्चा की जायेगी, जिनका शालाओं में नामांकन नहीं हो पाया है। समिति के सदस्य अपने विद्यालयों में शत-प्रतिशत बच्चों के नामांकन की कोशिश करेंगे और वार्षिक कार्य-योजना बनाकर उसके क्रियान्वयन पर चर्चा करेंगे।

हमारे कार्यकर्ता से यदि किसी ने उंगली भी लगाने की कोशिश की तो ईंट का जबाब पत्थर से दिया जायेगाः फूलसिंह बरैया विधायक

दतिया। जिले के थरेट थाना क्षेत्र के ग्राम सेंथरी में विगत दिवस कांग्रेस कार्यकर्ता संतोष कुशवाहा के घर पर पुलिस द्वारा महिलाओं के साथ अभद्र व्यवहार कर अपमानित किया था जिसके विरोध में थाना थरेट का घेराव एवं धरना प्रदर्शन का आयोजन किया गया जिसमे मुख्य अतिथि भांडेर विधायक फूलसिंह बरैया रहे विशिष्ट अतिथि के रूप में दतिया विधायक राजेंद्र भारती, पूर्व विधायक घनश्याम सिंह, देवेंद्र यादव, मोतीराम अहिरवार, बट्टन लाल कुशवाहा, रामशेष बघेल भिण्ड ने उपस्थिति रह कर कार्यक्रम को संबोधित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष रामकिंकर गुर्जर ने की। कार्यक्रम का संचालन थरेट ब्लॉक अध्यक्ष राम शर्मा एवं आभार अरुण महाते ने व्यक्त किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए फूलसिंह बरैया ने कहा कि पुलिस का काम पीड़ित लोगो की रक्षा करना होता है पुलिस की बर्दी पहनते समय देश भक्ति, जन सेवा की शपथ लेते है लेकिन पुलिस भ्रष्ट सरकार के दबाब में आकर लोगो में भय बना क़र लूटने का काम करने लगती है जो सहन नही किया जाएगा। श्री बरैया ने शासन प्रशासन को नसीहत देते हुए कहा कि अब हमारे कार्यकर्ता से किसी ने भी उंगली लगाने की कोशिश की तो ईट का जबाव पत्थर से दिया जायेगा। कार्यक्रम के पश्चात अनुविभागीय अधिकारी सेंवढ़ा अशोक अवस्थी को राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौपा गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से लालाराम कुशवाहा, कमलाशरण महंत, कैलाश कुशवाहा, नारायण सिंह बाबू जी, जसवंत बघेल, राधेलाल पाल, यतेंद्र सिंह गुर्जर, रामू गुर्जर, अशोक श्रीवास्तव, राजकुमार पटेल, संजू दांगी, बलबहादुर बघेल, सत्यम गुप्ता, रामाधार उपाध्याय, पंकज राजपूत, परवेंद्र गुर्जर, सोनू चौहान, मोहन कुशवाहा, संदीप उर्फ सोनू यादव सहित हजारों की संख्या मे लोग उपस्थिति रहे।

अंबेडकर बुद्धिस्ट चैरिटेबल सोसाइटी के पुन : सर्व समिति से अध्यक्ष बने सुनील सेरिया

औबेदुल्लागंज, समय जगत। ओबैदुल्लागंज दिनांक 26 3 2025 को अंबेडकर बुद्धिस्ट चैरिटेबल सोसाइटी के सदस्यों ने सर्वसम्मति से सुनील सेरिया को अपना नया अध्यक्ष चुना संगठन के उद्देश्यों को देखते हुए यह चुनाव महत्वपूर्ण माना जा रहा है। अंबेडकर बुद्धिस्ट चैरिटेबल सोसायटी की महत्वपूर्ण बैठक में यह निर्णय लिया गया बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों ने एक मदद से सुनील सेरिया के नाम पर अपनी सहमति जताई इस सर्वसम्मत निर्णय से सदस्यों में उत्साह का माहौल है और सभी को उम्मीद है कि सुनील सेरिया के नेतृत्व में संस्था नई ऊंचाइयों को छूएगी।

VICTORIA COLLEGE OF EDUCATION, BHOPAL
(A College Affiliated To Barkatullah Vishwavidyalaya, Bhopal)
{Recognized By NCTE (WRC)}
72/10 Madhuban Farm House Nayapura Kolar Road Bhopal (M.P.)-462042
APPOINTMENT
Application are invited for the post and qualification as under:-

Post	No. of Post	Qualification
B.Ed. Department		
Assistant Professor	8	As per NCTE Norms
M.Ed. Department		
Professor	1	As per NCTE Norms
Associate Professor	1	As per NCTE Norms
Assistant Professor	6	As per NCTE Norms
B.P.Ed. Department		
Assistant Professor	2	As per NCTE Norms
D.El.Ed. Department		
Assistant Professor	8	As per NCTE Norms

Qualification for all above shall be strictly as NCTE and UGC Norms under college code 28 to Apply send you CV To vceprincipal378@gmail.com within 03 days.

Principal

न्यायालय नायब तहसीलदार बैरागढ़ चीचली वृत्त तहसील कोलार भोपाल म.प्र.

प्रकरण क्र.6402/अ-6/24-25

इश्तहार

आवेदक शैलेंद्र गौतम आ. अधीश प्रसाद गौतम निवासी पो. अमरपुर जिला सीधी ग्राम सनखेड़ी स्थित खसरा नंबर/प्लाट 915, 3, 6/2, 3, 6/1/1 म.नं. 98 क्षेत्रफल 92.93 वमी. का विक्रय पत्र के आधार पर नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अतएव आवेदक के उपरोक्त आवेदन के संबंध में किसी व्यक्ति/संस्था को आपत्ति हो तो इस इश्तहार के जारी होने के दिनांक 9.4.2025 के भीतर इस न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। समयावधि पश्चात आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 26.3.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से जारी किया गया।

तहसीलदार
तहसील कोलार भोपाल म.प्र.

पूर्व विधायक ने इंदरगढ़ की बड़ी मस्जिद में कराया रोजा इफ्तार

दतिया। पूर्व विधायक घनश्याम सिंह ने पवित्र रमजान माह के दौरान इंदरगढ़ नगर में दतिया रोड स्थित बड़ी मस्जिद में मुस्लिम समुदाय के लोगों के बीच पहुंच कर मुलाकात की एवं रोजेदारों को रोजा इफ्तार कराया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि इस्लाम धर्म में रमजान के महीने को इबादत के लिए बहुत पवित्र माना गया है तथा खुदा की इबादत हमेशा अमन, चैन और बरकत लेकर आती है।

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पति श्री कमलेश सिंह आत्मज श्री एन.पी. सिंह डिमेनशिया (भूलने की बीमारी / मनोभ्रम) एवं सीवियर स्क्रेजोफेनिया (मनोरोग) से पीड़ित है। उनका इलाज मनोरोग चिकित्सयक की देखरेख में चल रहा है। इस सूचना के प्रकाशन दिनांक या उसके बाद उनसे किसी भी प्रकार की संव्यवहार जैसे क्रय-विक्रय अनुबंध, लेन-देन आदि न करे यदि ऐसा होता है तो सभी संव्यवहार शून्य एवं अवैध होगें। उससे हाने वाले नुकसान एवं कानूनी कार्यवाही के लिए संव्यवहार करने वाला व्यक्ति स्वयं जिम्मेदार होगा।

सूचना प्रकाशनकर्ता श्रीमति रेखा सिंह
पत्नि श्री कमलेश सिंह
निवासी म.नं. 10, सी.आई. विलास बुद्ध मंदिर के सामने, चूना भट्टी, कोलार रोड भोपाल (म.प्र.)
462016
मो.नं. 9285533600
महेश कुमार साहू, अधिवक्ता
नोटरी एड्व्होकेट एवं रियल स्टेट कंसल्टेंट
साहू लॉ चेंबर, मो. 9827300880
9303137771

न्यायालय नायब तहसीलदार बैरागढ़ चीचली वृत्त तहसील कोलार भोपाल म.प्र.

प्रकरण क्र.6401/अ-6/24-25

इश्तहार

आवेदक श्रीमती स्तुति कपूर आ. राजेंद्र कपूर निवासी 520 महाराज नगर लखीमपुर खीरी द्वारा ग्राम बंजारी स्थित खसरा नंबर/प्लाट नंबर सी-23, 332/1/1/, 300/2/3 के अंशभाग क्षेत्रफल 116.17 वर्गमी. पर विक्रय पत्र के आधार पर नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अतएव आवेदक के उपरोक्त आवेदन के संबंध में किसी व्यक्ति/संस्था को आपत्ति हो तो इस इश्तहार के जारी होने के दिनांक 9.4.2025 के भीतर इस न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। समयावधि पश्चात आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 26.3.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से जारी किया गया।

तहसीलदार
तहसील कोलार भोपाल म.प्र.

मail ID-cmonpbod@gmail.com

कार्यालय नगर परिषद बोड़ा जिला राजगढ़ (ब्यावरा) म.प्र.

क्रमांक / 360 / रा.शा. / 2025 — (ऑनलाइन निविदा आमंत्रण) — बोड़ा दिनांकः 26 / 03 / 2025

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया **नगर परिषद बोड़ा** स्वामित्व की निर्माणाधीन दुकानो को अचल संपत्ति अंतरण नियम 2016 (संशोधन दिनांक 04.05.2021) के प्रावधानों के अंतर्गत नीलामी हेतु तृतीय ऑन लाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। अतः इच्छुक निविदादाता आवश्यक दस्तावेजों के साथ अपनी ऑनलाईन निविदा दर ई-टेण्डरिंग प्रणाली के माध्यम से प्रस्तुत कर सकते है। निविदा के संबंध में विस्तृत जानकारी **ई टेण्डर** वेबसाईट **https://mptenders.gov.in** पर देखी जा सकती है। निविदा एवं उसकी तिथियों मे किसी भी प्रकार सं ोधन / परिवर्तन / परिवर्धन होने की दशा मे सूचना ऑनलाइन ही जारी की जावेगी पृथक से कोई सूचना समाचार पत्र मे प्रकाशित नही की जावेगी।

क्र.	आन लाइन निविदा	कार्य का नाम / विवरण	अनुमानित लागत लाख में	आरक्षण की स्थिती	दुकान की साईज	BidSubmisson Start Date And Time	BidSubmisson End Date And Time	BidSubmisson Open Date And Time
1	2025_UAD _397201_3	कम्युनिटी हॉल के स्थान पर शॉपिंग काम्पलेक्स कम आफिस दुकान क्र 01	10.00 लाख	अनुसूचित जाति	3X5.80 मीटर	26.03.2025 (05:30 PM)	02.04.2025 (05:30 PM)	04.04.2025 10:30 AM
2	2025_UAD _397215_3	कम्युनिटी हॉल के स्थान पर शॉपिंग काम्पलेक्स कम आफिस दुकान क्र 02	10.00 लाख	अनारक्षित	3X5.80 मीटर	26.03.2025 (05:30 PM)	02.04.2025 (05:30 PM)	04.04.2025 10:30 AM
3	2025_UAD _397231_3	कम्युनिटी हॉल के स्थान पर शॉपिंग काम्पलेक्स कम आफिस दुकान क्र 03	10.00 लाख	अनारक्षित	3X6.40 मीटर	26.03.2025 (05:30 PM)	02.04.2025 (05:30 PM)	04.04.2025 10:30 AM
4	2025_UAD _397252_3	कम्युनिटी हॉल के स्थान पर शॉपिंग काम्पलेक्स कम आफिस दुकान क्र 04	10.00 लाख	अनारक्षित	3X6.40 मीटर	26.03.2025 (05:30 PM)	02.04.2025 (05:30 PM)	04.04.2025 10:30 AM
5	2025_UAD _397270_3	कम्युनिटी हॉल के स्थान पर शॉपिंग काम्पलेक्स कम आफिस दुकान क्र 05	10.00 लाख	अनारक्षित	3X6.40 मीटर	26.03.2025 (05:30 PM)	02.04.2025 (05:30 PM)	04.04.2025 10:30 AM

नोट :-
1. निविदा पत्रक शुल्क 2000 रुपये प्रति निविदा रहेगें।
2. धरोहर राशि 50000 रुपये प्रति निविदा रहेगी।
3. दुकान किराया 1000 रुपये प्रतिमाह रहेगा।
4. नियम एवं शर्ते लाागू है।
5. अन्य जानकारी के लिए निकाय राजस्व शाखा मे सम्पर्क करे।

(ओमप्रकाश शर्मा) स्था.शा.प्रभारी नगर परिषद् बोड़ा
(भगवान सिंह भिलाला) मु0न0पा0 अधिकारी नगर परिषद् बोड़ा
(श्री मति निकिता करण जायसवाल) अध्यक्ष नगर परिषद् बोड़ा

न्यायालय तहसीलदार, वृत्त-1, तहसील-हुजूर, जिला भोपाल

प्रकरण क्रमांक 8178/अ- 6 / सन् -2024-25
मौजा- गोलखेड़ी तहसील हुजूर, भोपाल

उद्घोषणा पत्र

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है। आवेदक श्रीमति तलत पत्नी श्री मोहम्मद शरीफ निवासी-13/3 ऐशबाग अहमद अली कालोनी जिला भोपाल (म.प्र) ने म.प्र.भू- रा. संहिता की धारा 109, 110 के तहत आवेदन प्रस्तुत कर रजिस्टर्ड विक्रय पत्र के आधार पर कय की गई भूमि स्थित ग्राम गोलखेड़ी तहसील हुजूर स्थित भूमि खसरा क्र- 114 / 2 रकबा 600 वर्गफिट अर्थात 55.76 वर्गमीटर भूमि का नामान्तरण राजस्व अभिलेखों में आवेदक के नाम पर किए जाने का अनुरोध किया है। उक्त संबंध मे किसी व्यक्ति / संस्था को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से प्रकरण में नियत पेशी दिनांक 03.04.2025 को या इस से पूर्व इस न्यायालय में उपस्थित होकर पेश कर सकता है। समया वधि पश्चात् प्रस्तुत किसी भी आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

उक्त उद्घोषणा पत्र मेरे द्वारा न्यायालय की पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से आज दिनांक को 27.03.2025 जारी किया गया।

तहसीलदार
तहसील-हुजूर, भोपाल

कार्यालय तहसीलदार नजूल वृत्त गोविन्दपुरा भोपाल

(पुराना आर.टी.ओ कार्यालय भोपाल)
प्रकरण क्रमांक/3-6/24-25

आम सूचना

आवेदक दीपक विश्वकर्मा आ0 श्री लक्ष्मण विश्वकर्मा निवासी मकान नंबर 102/2, गली नंबर 55, शारदा नगर नारियलखेड़ा भोपाल के द्वारा म0प्र0 भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 109, 110 के अंतर्गत आवेदन पत्र प्रस्तुत कर आवेदक की पत्नी स्व0 श्रीमती निशी पाराशर पत्नी श्री दीपक विश्वकर्मा के मृत्यु उपरांत उनके स्वत्व स्वामित्व व आधिपत्य का एक किता मकान नंबर 297 भूमि खसरा नंबर 120/1, 120/2, 122/2120/3. 118/2, 119/1/2, 119/2, 124/1/1, व अन्य का भाग रकबा 103.83 वर्गमीटर जो कि ग्राम दामखेड़ा तहसील हुजूर जिला भोपाल में स्थित है का आवेदक उक्त संपत्ति का फौती नामांतरण राजस्व अभिलेखों स्वीकृत किये जाने का अनुरोध किया है।

अतएवं एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता हैं कि यदि इस संबंध मे किसी को कोई आपत्ति हो तो अपनी आपत्ति 07 दिवस में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से मेरे समक्ष प्रस्तुत करें। निर्धारित अवधि बीत जाने के पश्चात प्राप्त आपत्तियों पर किसी भी प्रकार का विचार नही किया जावेगा।

मेरी पदमुद्रा से आज दिनांक को जारी

तहसीलदार
नजूल वृत्त गोविन्दपुरा भोपाल

न्यायालय नायब तहसीलदार नजूल वृत्त - 2 गोविन्दपुरा, भोपाल

आम सूचना

प्रकरण क्रमांक 1105/अ-6/2024-25

आवेदकगण- 1. रमेश कुशवाहा आ0 स्व. श्री हरीराम 2. बल्लू कुशवाहा आ स्व. श्री हरीराम 3. सीताराम कुशवाहा आठ स्व. श्री हरीराम 4. श्रीमति आशा बाई कुशवाहा पत्नि श्री ओमप्रकाश पुत्री स्व. श्री हरीराम निवासीगण शिव मंदिर के पास खुशीपुरा तहसील हुजूर जिला भोपाल द्वारा स्थित भूमि ग्राम - चॉदबड खसरा क्रमांक 44/1/3, 44/2 के अंशभाग मे से रकबा 0.930 हे0 भूमि का फौती नामांतरण किये जाने हेतु म.प्र. भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 109, 110 के अंतर्गत आवेदन प्रस्तुत किया है।

अतएव एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि यदि इस संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो अपनी आपत्ति इस आम सूचना के जारी होने की दिनांक से 07 दिवस में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से मेरे समक्ष प्रस्तुत करें। निर्धारित अवधि में अपत्ति प्रस्तुत ना करने की दशा में या बाद में की गयी आपत्ति पर न्यायालय द्वारा कोई विचार नहिं किया जायेगा। उदघोषणा न्यायालय की मुद्रा में मेरे हस्ताक्षर द्वारा जारी किया गयाहै।

नायब तहसीलदार
नजूल वृत्त-2 गोविन्दपुरा भोपाल

कार्यालय संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल संभाग खण्डवा

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि पुरानी हाउसिंग बोर्ड कालोनी बड़वाह में स्थित भवन / भूखण्ड क्रमांक सी-41 ईडब्ल्यूएस मंडल द्वारा श्रीमती शकुंतला बाई पति स्व. श्री केदारमल अग्रवाल के नाम आबंटित है। उक्त संपत्ति का विक्रय विलेख पंजीयन कार्यालय से दिनांक 05/01/1996 को पंजीकृत है। श्रीमती शकुंतला बाई की मृत्यु दिनांक 05/03/ 2023 को हो जाने से तथा इनके पति श्री केदारमल की मृत्यु पूर्व में दिनांक 21/11/ 2019 को हो जाने से इनके पुत्र श्री विजय कुमार अग्रवाल पिता स्व. श्री केदारमल अग्रवाल द्वारा अपनी एक बहन की सहमती का शपथ पत्र एवं मृत्यु प्रमाण पत्र तथा अन्य दस्तावेज प्रस्तुत कर उक्त संपत्ति अपने संयुक्त नाम से नामांतरण करने हेतु आवेदन किया गया है।

श्रीमती शकुंतला बाई की मृत्यु उपरांत इनके पुत्र श्री विजय कुमार अग्रवाल पिता स्व. श्री केदारमल अग्रवाल के नाम से प्राप्त आवेदन अनुसार नामांतरण करने के संबंध में किसी भी व्यक्ति / उत्ताधिकारी / वित्तिय संस्था / परिवार के सदस्य इत्यादि को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस के अंदर लिखित रूप में मय सबूत के साथ इस कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करें। समयावधि समाप्त होने के पश्चात कोई आपत्ति स्वीकार नही कि जावेगी एवं मंडल नियमानुसार कार्यवाही करने को स्वतंत्र रहेगा।

संपदा अधिकारी
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधो. विकास मंडल संभाग खण्डवा

प्रारूप दस (नियम 7 देखिये)

न्यायालय तहसीलदार नजूल संत हिरदाराम नगर (बैरागढ) वृत्त भोपाल
(पुराना जिला पंचायत भवन कोहेफिजा जिला भोपाल)

रा.प्र.क्रं. 3057/अ-3/24-25

सार्वजनिक नोटिस

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित अनुसूची में उल्लेख अनुसार भू-अभिलेखों में नामांतरण की कार्यवाही इस न्यायालय में समक्ष विचाराधीन है। कोई भी हितबद्ध व्यक्ति दिनांक 9/04/2025 को 03.00 बजे स्थान न्यायालय तहसीलदार नजूल संतहिरदाराम नगर बैरागढ वृत्त भोपाल के समक्ष स्वयं या अपने अधिवक्ता जिसे सम्यक रूप से अनुदेश दिये गये हो, या वैध प्रतिनिधि के द्वारा उपस्थित होकर विचाराधीन नामांतरण के संबंध में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। नियत दिनांक के बाद प्राप्त आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जाएगा।

अनुसूची

ग्राम का नाम लाऊखेडी, खसरा नंबर 96-70/211, 69-70/212, क्षेत्रफल 1320 वर्गफिट, उस व्यक्तिा विवरण जिनके पक्ष में नामांतरण विचाराधीन है (आवेदक का नाम, पिता/पति का नाम एवं पता) अनवर सरफराज आ. सरफराज हुसैन निवासी -शहर

आज दिनांक 26/03/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा के अधीन जारी किया गया।
दिनांक :- 26/03/2025

तहसीलदार नजूल संत हिरदाराम नगर (बैरागढ) वृत्त भोपाल

प्रारूप दस

न्यायालय तहसीलदार नजूल संत हिरदाराम नगर (बैरागढ) वृत्त भोपाल

रा.प्र.क्रं. /अ-6/24-25

सार्वजनिक नोटिस

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित अनुसूची में उल्लेख अनुसार भू-अभिलेखों में नामांतरण की कार्यवाही इस न्यायालय में समक्ष विचाराधीन है। कोई भी हितबद्ध व्यक्ति दिनांक 04/04/2025 को 03.00 बजे स्थान न्यायालय तहसीलदार नजूल संतहिरदाराम नगर बैरागढ वृत्त भोपाल के समक्ष स्वयं या अपने अधिवक्ता जिसे सम्यक रूप से अनुदेश दिये गये हो, या वैध प्रतिनिधि के द्वारा उपस्थित होकर विचाराधीन नामांतरण के संबंध में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। नियत दिनांक के बाद प्राप्त आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जाएगा।

अनुसूची

ग्राम का नाम पलासी, खसरा नंबर 32/1, क्षेत्रफल 600 वर्गफिट, उस व्यक्तिा विवरण जिनके पक्ष में नामांतरण विचाराधीन है (आवेदक का नाम, पिता/पति का नाम एवं पता) रेखा बाई पत्नि दीपक गुप्ता

आज दिनांक 26/03/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा के अधीन जारी किया गया।

तहसीलदार नजूल संत हिरदाराम नगर (बैरागढ) वृत्त भोपाल

प्रारूप दस

न्यायालय तहसीलदार नजूल संत हिरदाराम नगर (बैरागढ) वृत्त भोपाल

रा.प्र.क्रं. 1690/अ-6/24-25

सार्वजनिक नोटिस

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित अनुसूची में उल्लेख अनुसार भू-अभिलेखों में नामांतरण की कार्यवाही इस न्यायालय में समक्ष विचाराधीन है। कोई भी हितबद्ध व्यक्ति दिनांक 04/04/2025 को 03.00 बजे स्थान न्यायालय तहसीलदार नजूल संतहिरदाराम नगर बैरागढ वृत्त भोपाल के समक्ष स्वयं या अपने अधिवक्ता जिसे सम्यक रूप से अनुदेश दिये गये हो, या वैध प्रतिनिधि के द्वारा उपस्थित होकर विचाराधीन नामांतरण के संबंध में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। नियत दिनांक के बाद प्राप्त आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जाएगा।

अनुसूची

ग्राम का नाम पलासी, खसरा नंबर 143, 105/1/2/2, क्षेत्रफल 792 वर्गफिट, उस व्यक्तिा विवरण जिनके पक्ष में नामांतरण विचाराधीन है (आवेदक का नाम, पिता/पति का नाम एवं पता) गुरूचरण पुत्र विश्राम (2) आनंद पुत्र विश्राम

आज दिनांक 26/03/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा के अधीन जारी किया गया।

तहसीलदार नजूल संत हिरदाराम नगर (बैरागढ) वृत्त भोपाल

प्रारूप दस

न्यायालय तहसीलदार नजूल संत हिरदाराम नगर (बैरागढ) वृत्त भोपाल

रा.प्र.क्रं. 1691/अ-6/24-25

सार्वजनिक नोटिस

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित अनुसूची में उल्लेख अनुसार भू-अभिलेखों में नामांतरण की कार्यवाही इस न्यायालय में समक्ष विचाराधीन है। कोई भी हितबद्ध व्यक्ति दिनांक 04/04/2025 को 03.00 बजे स्थान न्यायालय तहसीलदार नजूल संतहिरदाराम नगर बैरागढ वृत्त भोपाल के समक्ष स्वयं या अपने अधिवक्ता जिसे सम्यक रूप से अनुदेश दिये गये हो, या वैध प्रतिनिधि के द्वारा उपस्थित होकर विचाराधीन नामांतरण के संबंध में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। नियत दिनांक के बाद प्राप्त आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जाएगा।

अनुसूची

ग्राम का नाम पलासी, खसरा नंबर 138/2/2/20 , क्षेत्रफल 890 वर्गफिट, उस व्यक्तिा विवरण जिनके पक्ष में नामांतरण विचाराधीन है (आवेदक का नाम, पिता/पति का नाम एवं पता)उजमा शरीफ खान पत्नि शरीफ खान

आज दिनांक 26/03/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा के अधीन जारी किया गया।

तहसीलदार नजूल संत हिरदाराम नगर (बैरागढ) वृत्त भोपाल

अब कूनों की सरहदों के बाहर भी चलेगा चीता जागरुकता अभियान

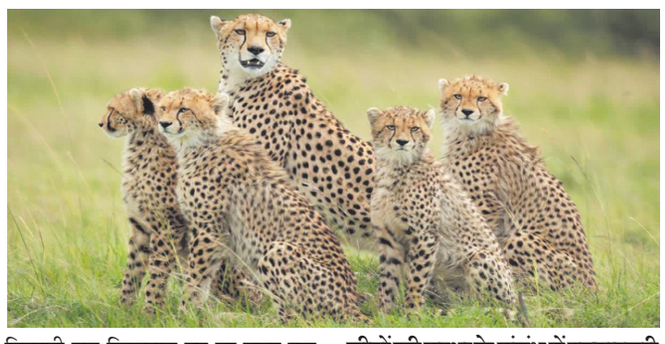

समय जगत, श्योपुर । कूनो वनमंडल द्वारा अब कूनों की सरहदों से लगे ग्रामों के अलावा व्यापक स्तर पर चीता जागरूकता अभियान शुरू किया गया है। अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं संचालक सिंह परियोजना शिवपुरी ने जानकारी देते हुए बताया कि इस अभियान में कूनों प्रशासन के साथ काम करने वाले दो एनजीओ कॉर्बेट फाउंडेशन और लास्ट वाइल्डरनेस फाउंडेशन को भी जोड़ा गया है।

उन्होने जानकारी दी कि गत 24 मार्च को सुबह के करीब 9 बजे ज्वाला और उसके चार शावकों ने कूनो वन्यजीव वनमंडल की सीमा से 6 से 7 किलोमीटर दूर खेतों से लगे बेहरापुरा गांव की सरहद में एक मवेशी के बछड़े का शिकार करने की कोशिश की। यह देखकर वहां जमा हुए कुछ लोगों ने शोर मचाया, रेत फेंकी और बछड़े को बचाने के लिए हंगामा किया। मौके पर मौजूद निगरानी दल ने आगे कोई घटना न हो, इसके लिए प्रयास किया और चीतों को बछड़े से अलग करने का भी प्रयास किया। शोरगुल के चलते चीते जंगल में चले गए, जहां निगरानी दल फिलहाल उन पर नजर रख रहा है। पांचों चीते पूरी तरह स्वस्थ और सुरक्षित हैं। घटना के बाद निगरानी दल और कूनो वन्यजीव वनमंडल तथा सामान्य वनमंडल श्योपुर के फील्ड स्टाफ ने वहां मौजूद लोगों से बातचीत की और उन्हें चीतों की सुरक्षा का महत्व समझाया तथा चीतों के व्यवहार के बारे में जागरूक किया। इसी क्रम में अब व्यापक स्तर पर चीता जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है, जो अब कुनो वन्यजीव वनमंडल की सीमाओं से आगे बढ़कर सामान्य वनमंडल श्योपुर के गांवों में भी शुरू किया जाएगा।

चीतों की सुरक्षा के संबंध में एडवाइजरी जारी: कूनों वन्यप्राणी मंडल के डीएफओ आर थिरूकुरल ने चीतों के आबादी क्षेत्र में आने की घटनाओं के संबंध में एडवाईजरी जारी की है कि गांव के आसपास चीता दिखाई दे या आ जा तो क्या करें और क्या न करें। इस संबंध में कहा गया है कि ऐसी स्थिति में तुरंत वन विभाग को सूचना दें तथा अपने गांव में संबंधित चीता मित्र से संपर्क करें। चीता दिखाई देने पर संयम बनाए रखे, चीता इंसानों के लिए खतरा नही है। ग्रामवासियों को चीते से दूरी बनाए रखने के लिए समझाये तथा अपने छोटे बच्चों एवं मवेशियों को घर के अंदर ही रखें। ऐसी स्थिति में चीते को सुरक्षित रास्ता दें, वह स्वयं ही गांव से दूर चला जायेगा। यदि चीता मवेशी पर हमला करने का प्रयास करता है तो तेज आवाज कर उसे दूर भगाने का प्रयास करें। यदि चीता किसी मवेशी को मार देता है तो मुआवजे का प्रावधान है। मुआवजा प्राप्त करने के लिए नजदीकी वन अधिकारी से तत्काल संपर्क किया जा सकता है।

क्या न करें के संबंध में कहा गया है कि अकेले जंगल में न जायें, चीतों को डराने या लाठी डंडे से मारने का प्रयास न करें। रात में खेतो में अनावश्यक अकेले न रूकें, न सोये, अनावश्यक भीड न लगाये। चीते को जाल या फंदा लगाकर पकडने का प्रयास न करें। यदि चीता नजदीक है तो भागने, दौडने का प्रयास न करें। चीता मांसाहारी वन्यजीव है, इसके फोटो, वीडियों बनाने के लिए इसके नजदीक न जायें। यदि चीता किसी मवेशी को मार देता है तो चीते को प्रतिशोध में मारने का प्रयास न करें।

सारंगपुर में लूट के मामले में 4 गिरफ्तार: बलेनो कार सहित 4 बाइक जब्त, हाइवे पर टूरिस्ट से की थी लूट

समय जगत, सारंगपुर । सारंगपुर में हाइवे से नागपुर से दिल्ली जा रहे बाईक सवार टूरिस्ट की बुलेट और मोबाइल लूटने वाले 4 आरोपी को घटना के छटे दिन गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही पुलिस ने लूटे गए वाहन सहित तीन अन्य मोटरसाईकिल और एक बलेनो कार भी जब्त की है। पुलिस के अनुसार अभी दो आरोपी फरार है। वहीं लूट के मोबाइल से पेट्रोल पंप पर किया ट्रांजेक्शन आरोपियों की गिरफ्तारी का मुख्य कारण बना।

एसडीओपी अरविन्दसिंह ने गुरुवार को खुलासा करते हुए बताया की बीते 21/22 मार्च की दरम्यानी रात को करीब साढ़े 11 बजे तलेनी प्रतीक्षालय के समीप वाशरूम के लिए रुका था। पीड़ित शिकायतकर्ता आल्हाद पिता सोमासी बीएस सुधाकर जैसे ही पेशाब कर वापस आया एक अन्य बुलेट से आए दो अज्ञात व्यक्तियों ने चाकू अड़ाकर धमकाया, उससे मोटारोला कंपनी का मोबाइल और एक बैग जिसमे ढाई हजार रुपए थे सहित बुलेट को छीन कर भाग निकले। थाना प्रभारी शकुंतला बामनिया के निर्देशन में आरोपियों को पकड़ने के लिए 6 टीम गठित कर अलग अलग दिशाओ में रवाना किया। पुलिस ने मक्सी से पचोर के बीच करीब 150 स्थानों के सीसीटीवी खंगाले। पचोर के पेट्रोल पंप पर सीसीटीवी में संदिग्ध की पहचान होने पर पुलिस ने लिए गए पेट्रोल का ट्रांजेक्शन चेक किया तो लूटे गए मोबाइल का निकला। इसके बाद लगातार पड़ताल कर पुलिस ने मुख्य आरोपी करण उर्फ़ कान्हा पिता भारतसिंह भील (25) निवासी गांधी नगर इंदौर, मनोज पिता हरिनारायण यादव (28) निवासी खुजनेर, अवधेश पिता रामकृष्ण यादव (23) निवासी बोड़ा और गोपाल पिता शिवनारायण दांगी (25) निवासी ब्यावरा को गिरफ्तार किया है। जबकि लूट में शामिल अन्य आरोपी छोटू राजपूत और देवा की तलाश जारी है। पुलिस ने लूटी गयी बाईक क्रमांक TS07-HC-8924, लूट में प्रयुक्त बुलेट MP-09-OR-4169, एक केटीएम बाईक और एक अपाचे क्रमांक MP-09-VP-1366 के साथ पकड़े गए आरोपी जिस कार में बैठे थे वह बलेनो कार क्रमांक MP-09-WM-7963 को जब्त किया है।

संक्षिप्त समाचार

अवैध शराब के खिलाफ आबकारी वृत ओबेदुल्लागंज और बरेली ने की संयुक्त कार्यवाही

समय जगत, औबेदुल्लागंज। कलेक्टर श्री अरुण कुमार विश्वकर्मा के निर्देशन मैं श्री दीपक अवस्थी सहायक आयुक्त आबकारी के आदेश से कंट्रोलर श्री सुदीप तोमर के निर्देशन में सहायक जिला आबकारी अधिकारी सरिता चंदेल के नेतृत्व मे आबकारी वृत औबैदुल्ला गंज एवं व्रत बरेली की संयुक्त टीम ने राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित होटल एवं ढाबो पर दबिश दी इसी प्रकार व्रत रायसेन में ग्राम सईद पुर भीलाडिया में भी कार्यवाही हुई जिसमें 2 प्रकरण दर्ज हुए कुल 8 प्रकरण दर्ज हुए 5 लोगो को मोके पर गिरफ्तार किया गया कार्यवाही मे 20 लीटर अवैध हाथभट्टी शराब 42 पाव प्लेन जब्त की गई एवं लगभग 300द्मद महुआ लहान सैंपल लेकर मौके पर नष्ट किया गया कार्यवाही मैं निरीक्षक श्री रविन्द्र अहिरवार श्री सुनील मीना , श्री राजेश विश्वकर्मा ,श्री गौरव भद्रसेन का योगदान रहा कार्यवाही से अवैध शराब के निर्माण विक्रय संग्रहण एवं परिवहन मैं कमी आएगी सहायक आयुक्त आबकारी श्री दीपक अवस्थी जी द्वारा बताया गया कि जिले मे अवैध शराब के कारोबार में लिप्त लोगों को बख्शा नहीं जाएगा।

अग्रवाल महिला मंडल बीनागंज की अध्यक्ष बनी ज्योति बंसल

समय जगत बीनागंज। अग्रवाल महिला मंडल बीनागंज चाचौड़ा द्वारा सभी महिलाओं की सहमति से अग्रवाल महिला अध्यक्ष का चुनाव किया गया जिसमें ज्योति बंसल भारी बहुमत से विजय हुई सभी वरिष्ठ महिलाओं पदाधिकारी सदस्य गणों ने उनको फूल माला रंग गुलाल से बधाई दी उसके बाद ज्योति की अध्यक्षता में गणगौर के उपलक्ष में ढोल व बैंड बाजू के साथ भव्य जुलूस संत रामानंद आश्रम से होकर दुर्गा मंदिर पर समापन हुआ सभी महिलाओं ने दुर्गा मंदिर पर दर्शन का लाभ लिया।

खाटू श्याम भजन संध्या का किया गया आयोजन

समय जगत, पचौर। एकादशी पर वार्ड 15 की पार्षद ममता सीताराम लहरी ने खाटू श्याम भजन संध्या का आयोजन किया। जिसमें श्री श्याम सखा मित्र मंडल ने बाबा का दरबार सजाया। सबसे पहले बाबा खाटू श्याम की ज्योत प्रज्वलित कर छप्पन भोग अर्पित किया गया। भजन संध्या में गायक जितेंद्र तोमर, स्नेहा विश्वकर्मा, आकांक्षा दुबे ने हारे का सहारा, खाटू श्याम हमारा, मुझे तेरे नाम का सहारा चाहिए, सुबह और शाम बाबा के दर्शन चाहिए, सच्चे दिल से पुकारा तुझे श्याम, सहारा मुझे श्याम देगा, मैं कुछ जो भी हूं किसी के पीछे, ओ बाबा तेरे पीछे, सजा दो घर को गुलशन-सा, मेरे सरकार आए, श्याम नाम गालो, सहारा मिलेगा, चलो सब खाटू दरबार जैसे भजनों की प्रस्तुति दी। भजनों पर श्रद्धालु झूम उठे। देर रात तक भक्ति संध्या चलती रही। अंत में आरती कर श्रद्धालुओं ने सुख-समृद्धि की कामना की। इस मौके पर दामोदर लहरी, बद्रीलाल भंडारी, रघु राज राणा, अमित बंसल, ब्रजेश विजयवर्गीय, नीलू दुबे, पुरुषोत्तम वैष्णव, दौलत सिंह सिसोदिया, सतीश गुप्ता ,नितिन अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में भक्त मौजूद रहे।

घर- घर जाकर बनाए जा रहे आयुष्मान कार्ड

समय जगत, श्योपुर । कलेक्टर अर्पित वर्मा ने सभी पात्र हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड बनाए जाने के संबंध में दिए गए निर्देशानुसार आयुष्मान निरामयम आपके द्वार अभियान चलाया जा रहा है तथा घर-घर जाकर आयुष्मान कार्ड बनाए जा रहे है। यह अभियान 7 अप्रैल तक जारी रहेगा। अभी तक 01 लाख 20 हजार 568 आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके हैं। जिला नोडल अधिकारी डा. जेएस राजपूत ने बताया कि शत प्रतिशत आयुष्मान कार्ड बनाये जाने के उद्देश्य से अभियान चलाया जा रहा है, जिसमें सीएचओ एवं आशा कार्यकर्ता का दल घर-घर जाकर तीन केटेगरी में आयुष्मान कार्ड बनाने का कार्य कर रहे हैं।

'एक राष्ट्र- एक चुनाव' राष्ट्रव्यापी प्रगति के लिये है सकारात्मक: मनीषा सिंह

समय जगत, शहडोल। भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में समूचे भारत देश में एक राष्ट्र एक चुनाव राष्ट्रव्यापी विचार एवं परामर्श सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में आज दिनांक 27 मार्च 2025 को एक राष्ट्र एक चुनाव समिति शहडोल के द्वारा शिवानी पैरामेडिकल कॉलेज में विचार एवं परामर्श सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में मुख्य अतिथि जैसिंहनगर विधानसभा क्षेत्र विधायक मनीषा सिंह, भाजपा शहडोल जिला अध्यक्ष अमिता चपरा, जिला संयोजक चंद्रेश द्विवेदी, संस्था संचालक डॉ. डी. के. द्विवेदी, समाजसेवी अमित गुप्ता आदि ने मंच साझा किया। विधायक मनीषा सिंह ने एक राष्ट्र एक चुनाव के बहुआयामी सकारात्मक परिणाम की सोच के लिये माननीय प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में पूरे भारत देश में आयोजित हो रहे विचार एवं परामर्श सम्मेलन हेतु धन्यवाद किया। अमिता चपरा ने बताया कि यह सम्मेलन महिलाओं, युवाओं, पेंशनर्स, प्रोफेशनल्स तथा समाज में हर वर्ग के लोगों के बीच आयोजित किया जा रहा है, जिसमें सभी लोगों का पूर्ण समर्थन प्राप्त हो रहा है। जिला संयोजक चंद्रेश द्विवेदी ने इस सम्मेलन के माध्यम से बताया कि जब कोई चुनाव आयोजित होता है तो न सिर्फ उस चुनावी क्षेत्र बल्कि अन्य क्षेत्रों के राजनैतिक जनप्रतिनिधि, शासकीय कर्मचारी तथा सुरक्षा व्यवस्था इत्यादि में अत्यधिक आर्थिक व्यय व चुनावी अमला लगता है। साथ ही इस दौरान शासन-प्रशासन के मध्य अत्यधिक अस्थिरता निर्मित होती है। आजादी के बाद वर्ष 1964 तक पूरे भारत देश में एक साथ चुनाव होते थे, किन्तु उसके बाद से स्थितियां बदल गई। अब वर्तमान में फिर से पूरे भारत देश में एक राष्ट्र एक चुनाव सम्मेलनों का आयोजन कर सभी भारतीय मतदाताओं के बीच जाकर इसके बहुआयामी सकारात्मक परिणाम पर चर्चा की जा रही है तथा सभी समर्थकों के हस्ताक्षरयुक्त ज्ञापन भारत के महामहिम राष्ट्रपति को सौंपा जावेगा। उक्त कार्यक्रम में संस्था शिवानी पैरामेडिकल कॉलेज के संचालक डॉ.डी.के.द्विवेदी ने एक राष्ट्र एक चुनाव के बहुआयामी सकारात्मक परिणामों की अपेक्षा से भारत के राष्ट्रपति के नाम उपस्थित सभी संस्था कर्मचारियों व छात्र/छात्राओं के बीच ज्ञापन पढा गया जिसे सुनकर सभी उपस्थित जनों ने अपने दोनों हाथ उठाकर समर्थन व्यक्त किये व ज्ञापन में हस्ताक्षर दर्ज किये।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजना के तहत विवाह में शामिल सविता भाबोर ने मुख्यमंत्री को दिया धन्यवाद

समय जगत, झाबुआ। जिले के गोपालपुरा ग्राम में मध्य प्रदेश शासन सामाजिक न्याय एवं दिव्यांग सशक्तिकरण विभाग अंतर्गत ष्मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजनाष् के तहत मुख्यमंत्री मध्य प्रदेश शासन डॉ मोहन यादव की गरिमामय उपस्थिति में सामूहिक विवाह योजना कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें ग्राम नवगांव तहसील एवं जिला झाबुआ की सविता भाबोर ने कहा कि मुख्यमंत्री की कन्या विवाह/निकाह योजनाष् के तहत मैने पंजीयन कराया व इस योजना का लाभ प्राप्त किया। उन्होंने कहा कि मैं एक कृषक परिवार से हूं मेरे परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण विवाह में समस्या उत्पन्न हो रही थी। परंतु राज्य शासन द्वारा प्रदेश में आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की कन्याओं के विवाह के लिये मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजना अंतर्गत मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना प्रारंभ की गयी। इस योजना से हमें आर्थिक सहायता दी जाएगी। उन्होंने इस योजना का संचालन करने के लिए संवेदनशील मुख्यमंत्री श्री डॉ मोहन यादव को हृदय से बहुत-बहुत धन्यवाद दिया है और कहा कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों के लिए सहयोग प्रदान कर रही हैं।

पुलिस अधीक्षक के निर्देशन पर शहर में चैकिंग अभियान जारी

रतलाम। पुलिस अधीक्षक रतलाम श्री अमित कुमार द्वारा शहर में कानून व्यवस्था बनाए रखने एवं शहर में चाकुबाजी की घटनाओं पर अंकुश लगाने हेतु अति. पुलिस अधीक्षक रतलाम श्री राकेश खाखा एवं नगर पुलिस अधीक्षक श्री सतेन्द्र घनघोरिया के मार्गदर्शन में शहर के सभी थाना प्रभारियों को क्षेत्र में प्रभावी गश्त/पेट्रोलिंग करने एवं अवैध गतिविधियों एवं आदतन बदमाशों पर नजर रखते हुए विशेष चेकिंग अभियान चलाकर कड़ी वैधानिक कार्यवाही हेतु निर्देश प्रदान किये गये है।

इसी तारतम्य में रतलाम शहर के सभी थाना क्षेत्रों में विशेष चैकिंग अभियान चलाया जा रहा है। चैकिंग के दौरान् थाना स्टेशन रोड़ पुलिस के द्वारा कार्यवाही करते हुए 02 बदमाशों को अवैध रुप से धारदार हथियार लेकर घूमते पकड़ा जिन पर आर्म्स एक्ट के अंतर्गत गिरफ्तार कर कार्यवाही की गई।

घटना का संक्षिप्त विवरण :- 01.. दिनांक 26.03.2025 की संध्या को सूरजपोर पर वाहन चेकिंग के दौरान आरोपी मतीन खान पिता कयूम खान उम्र 21 वर्ष निवासी रहमानी गली मोचीपुरा रतलाम को कमर में एक धारदार हथियार खोसे हुए पकड़ा जिससे उक्त धारदार हथियार आर्म्स एक्ट के अंतर्गत जप्त कर प्रकरण पंजीबद्ध किया। 02.. दिनांक 26.03.2025 की संध्या को सूरजपोर पर वाहन चेकिंग के दौरान आरोपी अभी सालवी पिता राजेश सालवी उम्र 21 साल निवासी बिरमावल थाना बिलपांक रतलाम को कमर में एक धारदार हथियार स्प्रिंगदार चाकू खोसे हुए पकड़ा जिससे उक्त धारदार हथियार आर्म्स एक्ट के अंतर्गत जप्त किया गया।

महत्वपूर्ण भूमिका : उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी स्टेशन रोड़ निरी. स्वराज डाबी, उ नि रूप सिंह शक्तावत, प्र आर मनोज पांडे, प्र आर मुकेश ओसारी, आर स्नेहपाल सिसोदिया की सराहनीय भूमिका रही।

स्वच्छ भारत मिशन 2025 के तहत नगर परिषद बोड़ा में 'स्वच्छता की बात- अपनों के साथ' कार्यक्रम आयोजित

बोड़ा। स्वच्छ भारत मिशन 2025 के तहत नगर परिषद बोड़ा द्वारा सफाई मित्रों के साथ ÷स्वच्छता की बात अपनों के साथ÷ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नगर परिषद के अधिकारियों और कर्मचारियों ने सफाई मित्रों से संवाद कर स्वच्छता के महत्व पर चर्चा की और नगर को स्वच्छ व सुंदर बनाए रखने के लिए जागरूक किया। इस अवसर पर नगर परिषद सीएमओ भगवान सिंह भिलाला ने सफाई मित्रों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि स्वच्छता को जन-आंदोलन बनाना होगा, जिससे प्रत्येक नागरिक इसमें अपनी भूमिका निभा सके। उन्होंने सफाई कर्मचारियों के समर्पित कार्य की सराहना की और उन्हें प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम में नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि करण जायसवाल, लेखापाल ओमप्रकाश शर्मा, नंद किशोर जाटव, अमित गुदेनिया, स्वच्छता पर्यवेक्षक प्रताप सिंह राजपूत, अरुण पाटीदार, तरुण सेन, प्रेम प्रकाश वर्मा, धीरप वर्मा, महेश घावरी, विक्रम देरान और रामस्वरूप खटक सहित नगर परिषद के अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों ने स्वच्छता से संबंधित सुझाव भी दिए और नगरवासियों को स्वच्छता अभियान में सहयोग करने की अपील की। सफाई मित्रों ने भी अपनी समस्याएं और सुझाव साझा किए, जिनके समाधान के लिए सीएमओ द्वारा आश्वासन दिया गया। नगर परिषद द्वारा इस तरह के कार्यक्रमों के माध्यम से बोड़ा को स्वच्छ और स्वस्थ बनाने का निरंतर प्रयास जारी रहेगा।

जैविक खेती नहीं अपनाई तो जूझना पड़ सकता है कैंसर जैसी बीमारी से: सुनील मीणा

सीहोर। सीहोर के ग्राम लसुड़िया में शिवशक्ति ग्रुप ऑफ कंपनी के तत्वाधान में जलवायु परिवर्तन का कृषि पर प्रभाव एवं जैविक कृषि विषय पर एक किसान संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें प्रमुख रूप से कृषि अधिकारी सुनील मीणा और वरिष्ठ कृषि अधिकारी आकाश कुशवाह ने कहा कि आज जलवायु परिवर्तन के कारण मानव जीवन एवं वातावरण तथा जीव जंतुओं की जीवन शैली पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। इससे अनेक प्रकार की विसंगतियां एवं प्राकृतिक संतुलन डगमगा रहा है। उन्होंने कहा कि अत्याधिक वायु प्रदूषण के कारण आंखों में खुजली एवं श्वसन तंत्र संबंधित बीमारिया बढ़ रही हैं। पृथ्वी का तापमान 01 डिग्री सेंटीग्रेड बढ़ने पर एक करोड़ लोगों के लिए खाद्यान्न का संकट पैदा होगा। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिकों ने पेरिस सम्मेलन में पृथ्वी का तापमान 02 डिग्री सेंटीग्रेड से अधिक न बढ़ने का संकल्प लिया है। भारत में वायु प्रदूषण मौत का पांचवां बड़ा कारण है। खेतों में रसायनों के अत्याधिक प्रयोग ने ज़मीन को बंजर बना दिया। डब्ल्यू एच ओ रिपोर्ट के मुताबिक अगर ऐसा ही चलता रहा तो तो आगामी वर्षों में देश की जनता कैंसर से पीड़ित होगी। इसलिए जैविक खेती को अपनाने की जरूरत है। क्षेत्रीय अधिकारी रंजीत रघुवंशी जी ने सभी का आभार प्रकट करते हुए कहा कि आने वाला कल जैविक खेती का होगा। इस कार्यक्रम के समापन के दौरान संस्था पूर्व से जैविक खेती कर रहे किसान श्री महादेव पंडाग्रे जी को संस्था की ओर से सम्मानित किया साथ ही उपस्थित किसानों ने जैविक खेती करने का वचन लिया।

राधेश्याम राठौर बने नोटरी वकील, नरसिंहगढ़ क्षेत्र में करेंगे कार्य

समय जगत, बोड़ा। नगर बोड़ा के वार्ड क्रमांक 15, राठौर कालोनी, बोड़ा निवासी राधेश्याम राठौर को नोटरी वकील के रूप में नियुक्त किया गया है। भारत सरकार द्वारा नोटरी अधिनियम 1952 (1952 का 53) के तहत उन्हें यह अधिकृत प्रमाण पत्र प्रदान किया गया है। राधेश्याम राठौर को सम्पूर्ण नरसिंहगढ़ जिला राजगढ़ में नोटरी कार्य करने की आधिकारिक अनुमति दी गई है। यह नियुक्ति 26 मार्च 2025 से प्रभावी होगी और अगले पांच वर्षों तक मान्य रहेगी। उनकी नियुक्ति पर अधिवक्ता समुदाय एवं क्षेत्रवासियों ने हर्ष व्यक्त किया है ओर क्षेत्रवासियों ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इससे क्षेत्र में कानूनी दस्तावेजों के प्रमाणीकरण एवं विधिक सेवाओं को और अधिक सुगम बनाने में सहायता

सागर सांसद डॉ लता वानखेड़े ने सांसदों के साथ कमल सखी मंच कार्यक्रम में लिया भाग

समय जगत, सिरोंज। नई दिल्ली में केंद्रीय मंत्री माननीय श्री पियूष गोयल एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती सीमा गोयल द्वारा एक पार्टी - एक परिवार की अवधारणा को सशक्त करने की मंशा से अपने निवास पर आयोजित कमल सखी मंच कार्यक्रम किया गया, कार्यक्रम में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने भी भाग लिया। इस कार्यक्रम में सागर सांसद डॉ लता वानखेड़े सहित भाजपा परिवार की सभी महिला सांसद उपस्थित रहकर अपने विचारों का आदान-प्रदान किया। दूसरी ओर केंद्रीय मंत्री श्रीमती निमूबेन बांभनिया के निवास पर डॉ वानखेड़े ने मुलाकात की इस मुलाकात के दौरान सांसद कंगना राणावत, राज्यसभा सांसद कविता पाटीदार, एवं सुमित वाल्मीकि उपस्थिति रही जिन्होंने मंत्री महोदय से विभिन्न विकास कार्यो के संबंध में चर्चा की और अपने अनुभव साझा किये।

VICTORIA COLLEGE OF EDUCATION, SEHORE
Gram Barkhedi, Sehore (M.P.) 466001
APPOINTMENT
Application are invited for the post and qualification as under:-

POST	NO.	QUALIFICATION
Principal	01	Ph.D. in relevant field, P.G. with 55% marks and 10 years of faculty experience
B.Ed. Department		
Assistant Professor	8	As per NCTE Norms.
B.Sc.B.Ed. Department		
Assistant Professor	8	As per NCTE Norms.
B.P.E.S. Department		
Assistant Professor	3	As per NCTE Norms.
D.El.Ed. Department		
Assistant Professor	8	As per NCTE Norms.

Qualification for all above shall be strictly as NCTE and UGC Norms under college code 28 to Apply send you CV to **principalvcesehore@gmail.com** within 03 days.
Principal

करोड़ों रुपए का व्यापार करने वाले अनाज व्यापारी नहीं खरीद पा रहे हैं लाखों रुपए की जमीन, शासन को हो रहा है नुकसान

किसान होते हैं परेशान,ट्रैक्टर-ट्रॉली खड़े करने के लिए भी नहीं मिल पाती जगह,शेड में रखा व्यापारियों का अनाज

मयूर सोलंकी- कालापीपल। कालापीपल कृषि उपज मंडी में किसानों की सुविधा के लिए सरकार द्वारा बनाए गए÷टीन शेडों÷पर व्यापारी कब्जा किए हुए हैं,जिससे डाक के दौरान किसान परेशान होते हैं,इसकी जानकारी जिम्मेदार अधिकारियों को भी है,लेकिन वह फिर भी अंजान बने हुए हैं।मंडी में एक बड़ा व दो छोटे शेड बने हुए हैं और यह टीन शेड किसानों की उपज रखने के लिए बनाए गए हैं,लेकिन इन पर व्यापारियों ने कब्जा कर रखा है।अधिकतर टीन शेडो में व्यापारी अपना अनाज रखे हुए हैं।जबकि मंडी में आवक शुरू होने से किसानों को ट्रैक्टर-ट्रॉली खड़े करने के लिए किसानों को पर्याप्त जगह नहीं मिलती है,इसकी जानकारी अधिकारियों को भी है, लेकिन इस ओर ध्यान नहीं दिया जाता है।इस संबंध

मंडी सेक्रेटरी से बात की गई तो उन्होंने बताया था कि 2-4 दिन रुक जाइए हम हटवा देंगे,लेकिन दो-चार दिन तो छोड़िए महीना बीत गए व्यापारियों ने टीन शेडो से माल नहीं हटाया,नियमानुसार किसान के शेड में व्यापारी उपज नहीं रख सकते हैं और यदि कोई व्यापारी उपज रखता है, तो अनुमति लेनी पड़ती है,जिसका किराया भी देना पड़ता है।इसके बाद भी व्यापारी बिना अनुमति के ही उपज रखकर अपना व्यापार करते हैं,जबकि किसानों को अपनी उपज को धूप और बारिश से बचाने के लिये प्रशासन द्वारा कृषि उपज मंडी परिसर में बड़े-बड़े टीन शेडों का निर्माण कराया गया था,लेकिन उक्त टीन शेडों पर व्यापारियों द्वारा कब्जा करके अपना अनाज रख दिया है।इसके चलते किसानों का अनाज खुले में पड़ा रहता है.बड़ी संख्या में किसान अनाज बेचने मंडी आ रहे हैं,लेकिन यहां उन्हें व्यापारियों की मनमानी का शिकार होना पड़ रहा है,किसानों को अपना अनाज धूप व बरसात से बचाने के लिए टीन शेडों में जगह न मिलने से मजबूरन अपना अनाज खुले मैदान में रखना पड़ रहा है,ऐसे में किसान चिंतित हैं कि कहीं आसमान में छाये बादल बरस न जाये,अगर ऐसा हुआ तो उनके अनाज और मेहनत पर पानी फिर जाएगा,कृषि उपज मंडी द्वारा 10 से 15 बार के लग-भग प्लाटों की नीलामी के लिए विज्ञप्ति तक निकल चूकी,लेकिन एक भी व्यापारी प्लाट लेने को तैयार नहीं है,जबकि इन व्यापारियों की इसी मंडी से करोड़ों रुपए किया जाता है..!

इंदौर प्रेस क्लब के मीडिया कॉन्क्लेव के लिए देंगे हरसंभव सहयोग

समय जगत, इंदौर। इंदौर प्रेस क्लब द्वारा आगामी 7, 8 और 9 अप्रैल को आयोजित किए जा रहे इंदौर मीडिया कॉन्क्लेव को लेकर उत्साह का माहौल बनने लगा है। आयोजन की तैयारी के संदर्भ में आज शहर की प्रमुख साहित्यिक संस्थाओं, स्वयंसेवी संगठनों और विश्वविद्यालय व कॉलेजों में संचालित हो रहे पत्रकारिता संस्थान के पदाधिकारियों की एक बैठक इंदौर प्रेस क्लब में सम्पन्न हुई। बैठक में सभी पदाधिकारियों ने इस आयोजन के लिए हरसंभव सहयोग देने का आश्वासन दिया। इस मौके पर आयोजन को लेकर तैयार किए गए पोस्टर का विमोचन भी किया गया। इंदौर प्रेस क्लब अध्यक्ष श्री अरविंद तिवारी ने उपस्थित पदाधिकारियों का स्वागत करते हुए कहा कि तीन दिवसीय इस आयोजन में पत्रकारिता और साहित्य से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर चिंतन-मनन के विभिन्न सत्र होना है। इन सत्रों में बतौर अतिथि देश के पत्रकारिता और साहित्य जगत के कई प्रमुख हस्ताक्षर शामिल हो रहे हैं। हम इस आयोजन को पूरे इंदौर का आयोजन बनाना चाहते हैं। हम चाहते हैं कि पत्रकारों के साथ ही साहित्य, संस्कृति से जुड़े लोग भी बड़ी संख्या में इसमें अपनी भागीदारी करें।

संक्षिप्त समाचार

आगर मंडी में पांच दिवस कृषि उपजों का नीलामी कार्य रहेगा बन्द

आगर मालवा। समस्त कृषक बंधुओं को सूचित किया जाता है कि दिनांक 28/03/2025 शुक्रवार व्यापारी एसोसिएशन के आवेदन अनुसार, दिनांक 29/03/2025 शनिवार अमावस्या, दिनांक 30/03/2025 रविवार साप्ताहिक अवकाश, 31/03/2025 इदुल फित्र अवकाश एवं 01/04/2025 सोमवार बैंक लेखाबंदी होने से होने से पॉच दिवस कृषि उपज मंडी आगर में कृषि उपजों का नीलामी कार्य बन्द रहेगा। अत : किसान भाईयों से निवेदन है कि दिनांक 28/03/2025 से दिनांक 01/04/2025 तक अपनी कृषि उपज मंडी प्रांगण आगर में विक्रय हेतु नही लावें एवं असुविधा से बचें। मंडी बोर्ड भोपाल द्वारा एम.पी. फार्म गेट एप के माध्यम से ऑनलाईन सौदा पत्रक की वैकल्पिक व्यवस्था के अंतर्गत कृषि उपज का क्रय-विक्रय जारी रहेगा। जिन कृ षक भाईयों को अपनी कृषि उपज अवकाश के दोरान विक्रय करना है। वे कृषक अपनी कृ षि उपज सौदा पत्रक के माध्यम से अनुज्ञप्तिधारी व्यापारियों को विक्रय कर नगद भुगतान प्राप्त करें।

नोडल व सहायक नोडल अधिकारी किये गये नियुक्त

आगर-मालवा। कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह ने वर्ष प्रतिपदा, गुड़ी पड़वा के अवसर पर कोटि सूर्य उपासना कार्यक्रम अन्तर्गत 30 मार्च को होने वाले कार्यक्रमों के लिए मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती नंदा भलावे कुशरे को नोडल अधिकारी एवं परियाजना अधिकारी, जिला शहरी विकास अधिकरण पवन फुलफकीर (मोबा.9599412006) को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया है।

शिवेंद्र पटेल का उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग में हुआ चयन, मंडला जिले का नाम किया रोशन

समय जगत, मंडला। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित आयुष विभाग के आचार्य के पद पर मंडला जिले के अंजनिया ग्राम निवासी शिवेंद्र पटेल का चयन हुआ है। यह चयन न केवल उनके लिए, बल्कि मंडला जिले के लिए भी गर्व की बात है। शिवेंद्र पटेल, जो कि के.के. पटेल के सुपुत्र हैं और जिनके पिता जनजाति कार्य विभाग में कीड़ा अधिकारी के पद से सेवानिवृत हुए हैं, ने इस प्रतिष्ठित पद के लिए आयोजित प्रतियोगिता में सफलता प्राप्त की। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित परीक्षा में कुल 12 उम्मीदवारों ने प्रतिस्पर्धा की थी, और शिवेंद्र ने अपनी कड़ी मेहनत और लगन से इस सफलता को हासिल किया। उनका चयन मंडला जिले के लिए एक प्रेरणा का स्रोत है, क्योंकि एक छोटे से गांव से आने वाले शिवेंद्र ने यह साबित कर दिया कि मेहनत और समर्पण से किसी भी मुकाम को हासिल किया जा सकता है। शिवेंद्र पटेल के इस सफलता पर मंडला जिलेवासियों में खुशी की लहर है। उनके चयन पर राजकुमार सिंगौर, अखिलेश चंद्रोल, प्रियदर्शन पटेल, मयूर सिंह गोठरिया, अवधेश पटेल, कूंज बिहारी पटेल, और अन्य कई लोगों ने उन्हें बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। शिवेंद्र पटेल को नियुक्ति पत्र उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ ने मंच पर बुलाकर प्रदान किया। शिवेंद्र पटेल की यह उपलब्धि मंडला जिले के लिए गर्व का विषय है और यह सिद्ध करता है कि सही दिशा में की गई मेहनत से किसी भी चुनौती को पार किया जा सकता है।

चांद दिखने पर 31 मार्च को होगी ईद

समय जगत, मनावर। रमजान पर्व पर मनावर, बाकानेर,उमरबन,मिर्जापुर, लूंनहेरा बुजुर्ग,कालीबावड़ी,सिंघाना, मांडवी,गणपुर,रनगांव कल्याणपुरा,भुवा दा, खेरवा जागीर,उखलदा,झिरवी, मै इबादत मै मशगूल है मुस्लिम समाज बाकानेर में रमजान का पवित्र महीना रविवार 1 मार्च से शुरू हुआ था जो अभी चल रहा हे। जिसमें मुस्लिम समाजजन पूरे माह रोजा रख कर खुदा की इबादत करते हुए पांच वक्त की नमाज अदा कर रहे है। मुस्लिम समाज के पवित्र रमजान माह का आखरी प्रहर यानि अशरा चल रहा है, मंगलवार को विशेष नमाज 25 वि तराबी पढ़ी गई बुधवार को 25 वा रोजा रखा गया, इन दिनों बाकानेर के मुस्लिम समाज जन इबादत करने में लगे हुए है, पूरे देश मे सुख शांति और भाईचारे की रब से दुवा माग रहे हे, कुछ ही दिनों के बाद पवित्र रमज़ान माह समाप्त हो जाएगा। वही दूसरी ओर मुस्लिम समाजजन ईद की तैयारियों में जुटा हुआ है, बाजारों और मार्केट में ईद के लिए कपड़े और सेवईयां, सिरखुरमे की खरीददारी करने वालों की भीड देखी जा रही है। बताया जाता हे कि रमजान के पवित्र माह में पांच वक्त की नमाज अदा करने व कुरान शरीफ पढ़ने का विशेष महत्व होता है। 1 के बदले 70 नेकी का सवाब मिलता है ।रोजा रखने वाले दिन में बिना कुछ खाए पिए अल्लाह की इबादत करते हैं। इस पाक महीने में लगातार 30 दिनों तक मुस्लिम समुदाय के लोग उत्साह से अल सुबह 5-30 बजे शहरी करके रोजा यानि उपवास रखते हैं, इस दौरान मुस्लिम समुदाय के लोग लगातार 14 घंटे तक भूखे प्यासे यानि रोजा रखकर और नमाज़ पढ़कर इबादत की कसौटी पर खुद को परखते हैं, मुस्लिम धार्मिक मान्यताओं के अनुसार रोजा रखने से खुदा की रहमत और बरकत मिलती है, साथ ही रमजान मुहब्बत, भाईचारा और समानता का भी संदेश देता है. बाकानेर में भी मुस्लिम समाजजन इन दिनों रोजा रख कर ओर नमाज़ पढ़कर इबादत कर रहे हैं। ओर अपने क्षेत्र और देश की सुख शांति की दुआ कर रहे हैं।

नन्द के आनंद भयो जय कन्हैयालाल की: श्रीमद भागवत कथा में मनाया श्रीकृष्ण जन्मोत्सव

आगर मालवा। स्थानीय अचलेश्वर महादेव कमल कुंडी पर सप्त दिवसीय भागवत कथा के चतुर्थ दिवस में भगवान् कृष्ण का जन्मोत्सव मनाया गया पूज्य विजय जी महाराज ने आज राजा बली की कथा कहते हुए दान का महत्व बताया उन्होंने बताया दान न करने वाला तो पाप का भागी होता है परन्तु कोई दान कर रहा है उसे रोकने वाले को भी ठाकुर जी दंड देते हैं जब राजा बली वामन भगवान को चार पग धरती दान कर रहे थे तो शुक्राचार्य ने उनके दान में बाधक बनने का प्रयास किया परिणाम स्वरूप उन्हें अपना एक नेत्र खोना पढ़ा , इसी प्रकार कोई भी दान कर रहा हे उसके बाधक हम बनते है तो हम पापा के भागी हो जाते हैं। कथा में वामन अवतार के पश्चात श्री कृष्ण जन्मोत्सव की कथा हुई। बाल कृष्ण के जनमोत्सव पर कथा में सभी श्रोताओं ने नृत्य कर भगवान की आगवानी की जब नंद बाबा बाल कृष्ण को कथा के पंडाल में लेकर आए तो सारे मातृ शक्ति ने फूलों की वर्षा कर स्वागत किया। आज परशुराम सेना जिला आगर के युवा जिला अध्यक्ष लेखांत तिवारी प्रदेश उपाध्यक्ष रामचंद्र शर्मा ,आयुष तिवारी द्वारा पूज्य विजय जी महाराज का सफा बांध कर अभिनन्दन किया। आज की कथा के लाभार्थी परिवार नवीन जोशी और उनका परिवार था। कल कथा में नंद उत्सव होगा सभी बंधु अचलेश्वर महादेव कमल कुंडी पधारे उक्त जानकारी आयोजन समिति प्रमुख संजय शर्मा द्वारा दी गई।

महापौर ने मोहन घाट एवं मसुरहा घाट में चल रहे जीर्णोद्धार कार्यों का किया निरीक्षण

समय जगत, कटनी। कटनी नगर में विकास कार्य के लिये आशानुरूप, जनहितैषी कार्य निरंतर जारी है। जिसमें एक महत्वपूर्ण कार्य अमृत योजना अंतर्गत मोहन घाट, मसुरहा घाट का जीर्णोद्धार कार्य लगभग 1.83 करोड़ की लागत से कराया जा रहा है। जिसका बुधवार 26 मार्च को महापौर प्रीति संजीव सूरी ने पार्षद साथियों एवं अधिकारियों के साथ आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान महापौर ने घाटों में चल रहे पिंचिंग, पाथवे, प्लांटेशन इत्यादि कार्यों की प्रगति की जानकारी ली जिसमें अधिकारियों द्वारा अवगत कराया गया कि मोहन घाट में 80 प्रतिशत एवं मसुरहा घाट में 70 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है एवं आगामी 2 माह के अंदर कार्य पूर्ण कर लिया जावेगा। उपरोक्त के अतिरिक्त महापौर सूरी ने मोहन घाट,मसुरहा घाट एवं गाटर घाट में कटनी नदी में मिलने वाले नालों के ट्रीटमेंट हेतु निर्माणाधीन एसटीपी का निरीक्षण भी किया गया एवं प्रोजेक्ट से संबंधित अधिकारियों को शीघ्र एसटीपी निर्माण कार्य पूर्ण कराये जाने के साथ-साथ शेष सभी कार्यों को गुणवत्तापूर्ण समयसीमा में किए जाने के निर्देश दिए हैं।

जमानत पर आते ही फरियादी को धमकाने लगा करण बिहारी

कटनी। माधवनगर पुलिस ने अपराधियों पर अंकुश लगाने और शांतिपूर्ण माहौल सुनिश्चित करने के लिए बड़ी कार्रवाई करते हुए आदतन अपराधी करन बिहारी को अवैध रूप से 12 बोर के कट्टे एवं जिंदा कारतूस सहित गिरफ्तार किया है। माधवनगर थाना प्रभारी रूपेन्द्र राजपूत ने बताया कि विगत 25 मार्च को पुलिस टीम गश्त पर थी, तभी मुखबिरों से सूचना मिली कि मानसरोवर कालोनी निवासी करण सिंह उर्फ बिहारी पिता स्व.रुपनारायण सिंह राजपूत कट्टा और जिंदा कारतूस लेकर घटना करने की नियत से घूम रहा है। जिस पर माधवनगर पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए घेराबंदी कर झिंझरी से करण बिहारी को 12 बोर के कट्टे एवं जिंदा कारतूस सहित गिरफ्तार किया। आरोपी के विरूद्ध धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया है। माधवनगर थाना प्रभारी ने बताया कि करन बिहारी अपराध जगत में सक्रिय है और अभी 24 मार्च को हत्या के प्रयास के मामले में जिला जेल से रिहा हुआ था और आते ही पीड़ित पक्ष को जान से मारने की धमकी देने लगा। जिस पर पुलिस ने दीपक मोटवानी की रिपोर्ट पर आरोपी करन बिहारी के विरूद्ध धारा 296, 351(3) 3(5) बीएनएस का पंजीबद्ध किया है और इसी दौरान वह देशी कट्टा और जिंदा कारतूस सहित गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया गया है। वो एक बार फिर जेल की सलाखो के पीछे पहुंच गया है। कार्यवाही में माधवनगर थाना प्रभारी रूपेंद्र राजपूत, एएसआई संतोष सिंह, प्रधान आरक्षक अजीत सिंह, श्रीकान्त सेन, आरक्षक भानु, मनी, सुभाष, ओमशिव की सराहनीय भूमिका रही।

शासकीय भूमि हड़पने का प्रयास करने वालों के खिलाफ लामबद्ध हुए ग्रामीण

समय जगत, पन्ना। जिले में शासकीय एवं सार्वजनिक उपयोग की जमीनों पर अतिक्रमण कर हड़पने के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। ऐसा ही मामला देवेंद्र नगर तहसील अंतर्गत ग्राम गढ़ीपड़रिया का सामने आया है। जहां के सैकड़ा भर से अधिक लोगों ने पन्ना कलेक्टर के

नाम शिकायती आवेदन सौंप कर कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों ने आवेदन के माध्यम से बताया है कि ग्राम गढ़ीपड़रिया में बस स्टैंड एवं पुराने ग्राम पंचायत भवन से लगी हुई शासकीय महत्व की भूमि खसरा नंबर 1278/1 रकवा 8.556 हेक्टर है। इसी खसरा नंबर पर कृषि विभाग द्वारा चेतना केंद्र भवन बनवाया गया था तथा भवन के सामने कृषि विभाग द्वारा यूकेलिप्टस के वृक्ष लगवाए गए थे जो आज भी लगे हुए हैं। लेकिन अनावेदक कमलेश कुमार खरे पिता शंभू दयाल खरे उक्त शासकीय भूमि पर कूट रचित दस्तावेजों के आधार पर कब्जा कर भवन निर्माण करवाने का प्रयास कर रहा है। जबकि अनावेदक का कुछ ही दूरी पर आलीशान भवन पूर्व से निर्मित है। ग्रामीणों ने बताया कि अनावेदक के पिता शंभू दयाल खरे पूर्व में पंचायत सचिव से जिन्होंने ग्राम पंचायत की फर्जी रसीद बिना किसी जानकारी के काटी है लेकिन मात्रा रसीद के आधार पर कोई व्यक्ति किसी शासकीय भूमि का स्वामी नहीं हो सकता। यह भी बताया कि अनावेदक भूखंड स्वामित्व योजना के तहत भी पात्र नहीं है, लेकिन अधिकारियों से मिलकर वह उक्त भूमि हड़पना चाहता है। ग्रामीणों ने मामले में जांच और कार्रवाई की मांग की है। आवेदन के दौरान वर्तमान सरपंच और पूर्व सरपंच सहित सैकड़ा भर से अधिक ग्रामवासी उपस्थित रहे।

एनएसएस का शिविर सफलतापूर्वक हुआ संपन्न, स्कूल के शिक्षक व विद्यार्थी दिखे उत्साहित

समय जगत, बांदरी। सी एम राइज हायर सेकेंडरी स्कूल बांदरी की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई का सात दिवस विशेष शिविर ग्राम पिठौरिया व आगासिर्स में चल रहा था जिसका समापन बुधवार को हो गया। जिसमें प्राचार्य देवेंद्र मिश्रा ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना व्यक्तित्व विकास का पूर्ण मंच है। समापन कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि प्राचार्य देवेंद्र मिश्रा द्वारा भारत माता व राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित कर किया। छात्राओं ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। शिविर प्रभारी मनीष मिश्रा, गजेंद्र सिंह दीवान, आशा चौबे, महेश रजक, भरत लाल प्रजापति, बीके मिश्रा, पंकज तिवारी, बबलेश गोस्वामी, मंजू तिवारी, पूनम भार्गव, गीता मिश्रा, सुरेखा सोनी, कृष्णा यादव, पुष्पा यादव, सोनम साहू, अजय अहिरवार, विजय ठाकुर,ज्योति दांगी आदि ने शिविर के दौरान नशा मुक्ति, साक्षरता, बालिका शिक्षा जागरूकता, स्वच्छता जागरूकता का आव्हान किया। प्राचार्य देवेंद्र मिश्रा ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना व्यक्तित्व विकास का पूर्ण मंच है। इसके द्वारा छात्र-छात्राओं का चौमुखी विकास होता है। इस प्रकार के शिविर गुरुकुल पद्धति की याद दिलाते हैं जिसमें छात्र गुरुकुल में ही रहकर आश्रम के विभिन्न कार्यों में सहयोग कर स्वावलंबी जीवन जीने की कला सीखते थे। अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए प्राचार्य देवेंद्र मिश्रा ने कहा कि इस शिविर के माध्यम से आप लोगों ने जो शिक्षा और सेवा प्रदान करने की प्रेरणा ली है, उन्हें अपने जीवन भर न भूलें और उनका सदुपयोग करें। शिविर के समस्त कार्य का प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए मनीष मिश्रा ने राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्य को अक्षुण्य बनाये रखने की अपील की। समापन अवसर पर विशेष भोज का आयोजन किया गया तथा सात दिवसीय विशेष शिविर में भाग लेने वाले विद्यार्थियों को ग्राम पिठौरिया में प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

पीएम श्री शासकीय उ मा माध्यमिक विद्यालय कमती रंगपुर में करियर काउंसलिंग कार्यक्रम का हुआ आयोजन

समय जगत, सोहागपुर। सोहागपुर के कमतीरंगपुर पीएम श्री उमा माध्यमिक विद्यालय में करियर काउंसलिंग का कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें विभिन्न वर्ग और नौकरी व्यवसाय से जुड़े अतिथियों ने बच्चों के साथ अपने अनुभव बांटे और नवमी दशमी 11वीं 12वीं के बाद छात्र-छात्राओं को क्या करना चाहिए यह मार्गदर्शन दिया इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में मेडिकल ऑफिसर डॉक्टर रेखा सिंह गौर, अतिथि पवन सिंह चौहान तहसील पत्रकार संघ अध्यक्ष डॉक्टर शाश्वत उपस्थित थें डॉ रेखा गौर नें छात्रों को बताया कि शिक्षा बहुत जरूरी है और जब आप आईपीएस आई ए एस की तैयारी करेंगे तब आपको कुछ ना कुछ जरूर हासिल होगा डॉक्टर कैसे बनते हैं कहां पढ़ाई होती है यह जानकारी दे कर बताया कि वह स्वयं एक छोटे से सरकारी स्कूल से पढ़ाई करने के बाद डॉक्टर बनी है इसलिए बच्चे यह न सोचे की छोटी सी जगह के बच्चे कुछ नहीं कर सकते लग्न होना चाहिए और क्या बना है इस पर ध्यान देना चाहिए तभी लक्ष्य की प्राप्ति होती है उन्होंने छात्र-छात्राओं को गलत संगत से दूर रहने की सलाह दी अच्छा आचरण ही सफलता की गारंटी होता वही डॉक्टर शाश्वत ने कहा बच्चे यह निर्धारित करें कि उन्हें क्या बनना है आजकल तो बच्चों को बहुत सुविधा सरकार दे रही है जरूरी नहीं कि आप 24 घंटे पढ़ाई करें परंतु जितना पढ़े लगन से पढ़ें आजकल एमबीबीएस डॉक्टर की डिग्री कि जो पढ़ाई होती है वह हिंदी में भी होने लगी है आप हिंदी में भी परीक्षा दे सकते हैं और सफल डॉक्टर बन सकते हैं इस दौरान कई बच्चों ने बताया कि वह गणित विषय में रुचि रखते हैं और इंजीनियर

बनना चाहते हैं एक छात्रा ने बताया कि वह कलेक्टर बनना चाहती है तो वही एक छात्रा ने कहा कि वह बायोलॉजी साइंस लेकर डॉक्टर बनना चाहती है परंतु उनकी मां कहती है कि बायोलॉजी काफी कठिन है इस सवाल पर दोनों डॉक्टरों ने बताया कि यदि आप पढ़ाई करेंगे तो कुछ भी कठिन नहीं है निश्चित ही आप पढ़कर डॉक्टर बनेंगे वही तहसील पत्रकार संघ के अध्यक्ष पवन सिंह चौहान ने कैरियर मार्गदर्शन देते हुए छात्र छात्रों को बताया कि जरूरी नहीं कि आप हर बार सफल हो या बहुत अच्छे नंबर आए इससे निराश होने की जरूरत नहीं है उन्होंने 12वीं फेल होकर पुनः परीक्षा देकर अपने आखिरी प्रयास में कलेक्टर बनने वाले अमित कुमार की कहानी सुनाई और बच्चों को बताया की असफल होने के बाद सफल कैसे हुआ जाता है चौहान ने बताया कि बच्चे खेल कूद पेंटिंग वकालत पत्रकारिता संगीत अन्य रुचि अनुसार कार्य करते हुए सफल हो सकते हैं सचिन तेंदुलकर दसवीं में फेल हो गए थे परंतु क्रिकेट के भगवान कहे जाते हैं आदि कई उदाहरण से बच्चों को समझाते हुए सफलता के गुण बताएं वही शिक्षक हरिराम और राजेश डोंगरे ने बताया कि उनके स्कूल के सभी टीचर बच्चों को लगातार मार्गदर्शन देते हैं अच्छे से अच्छा वातावरण स्कूल में दिया जाता है जिससे छात्रों को किसी प्रकार के परेशानी ना हो बच्चों के पढ़ाई के लिए सभी शिक्षक मेहनत करते हैं और इस वर्ष उनके स्कूल के बच्चे शानदार प्रदर्शन करेंगे और एक दिन इसी स्कूल के बच्चे आईएएस आईपीएस डॉक्टर सहित अन्य कार्य करते हुए सभी गुरु जनों का और देश का नाम रोशन करेंगे स्कूल की प्राचार्य लक्ष्मी कड़िया ने बताया कि लोक शिक्षण संचालनालय मध्य प्रदेश भोपाल के आदेश अनुसार उनके स्कूल में कक्षा नवमी दशमी 11वीं 12वीं के विद्यार्थियों के लिए करियर काउंसलिंग एवं गाइडेंस कार्यक्रम किया गया सभी अतिथियों सहित शिक्षकों ने मार्गदर्शन दिया है अतिथियों को परामर्श और मार्गदर्शन सहित प्रधानमंत्री कौशल विकास की जानकारी विद्यार्थियों को दी गई इस कार्यक्रम में मंच संचालन गीतांजलि सिंह चौहान के द्वारा किया गया तथा आभार प्रदर्शन प्राचार्य लक्ष्मी काकोड़िया द्वारा किया गया इस दौरान स्कूल के छात्र-छात्राएं शासकीय शिक्षक एवं सभी अतिथि शिक्षक मौजूद रहे।

हरदा में शुरू होगी संभाग की पहली कैथलैब, स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ल करेंगे उद्घाटन

समय जगत, हरदा। बीएचआरसी ग्रुप द्वारा क्षेत्र में एक और बड़ी सौगात दी जा रही है। रविवार तीस मार्च को बीएचआरसी ग्रुप द्वारा संचालित बघेल हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर हरदा में कैथलैब का शुभारंभ किया जा रहा है। ग्रुप के डायरेक्टर डॉ विशाल सिंह बघेल ने बताया कि इस अवसर पर मध्यप्रदेश सरकार के उपमुख्यमंत्री तथा स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र जी शुक्ल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर कैथलैब का शुभारंभ करेंगे। इसके तहत एंजियोग्राफी तथा एंजियोप्लास्टी की सुविधा हरदा में ही आसानी से उपलब्ध हो सकेगी। इस कैथलैब का संचालन गोल्ड मेडलिस्ट एवं प्रसिद्ध कार्डियोलॉजिस्ट डॉ शैली माहेश्वरी राठी के द्वारा किया जाएगा। इस कैथलैब के माध्यम से हृदय रोग की सभी प्रकार की जांच एवं उपचार अब हरदा में ही संभव हो सकेगा। इन सुविधाओं के लिए क्षेत्र के लोगों को महानगर की ओर दौड़ना पड़ता था जिससे समय अभाव के कारण कई बार मरीजों को अपनी जान से भी हाथ धोना पड़ता था,

लेकिन अब इस स्वप्न जैसी स्वास्थ्य सुविधा को बीएचआरसी ग्रुप हरदा में ही साकार करने जा रहा है। कैथलैब की यह सुविधा नर्मदापुरम संभाग ही नहीं बल्कि आसपास के जिलों में भी उपलब्ध नहीं है। साथ ही साथ आयुष्मान कार्डधारी मरीजों के लिए यह सुविधा पूर्णतः निःशुल्क रहेगी। गौरतलब है कि बीएचआरसी ग्रुप लगातार स्वास्थ्य के क्षेत्र में नित नए आयाम स्थापित कर रहा है। इस ग्रुप के द्वारा हरदा में सर्व सुविधा युक्त अस्पताल के साथ-साथ सोनोग्राफी सेंटर एवं पैथोलॉजी सेंटर का संचालन किया जाता है।इसके साथ ही नर्मदापुरम जिले के सिवनी मालवा में तथा नर्मदापुरम रोड़ भोपाल में भी बीएचआरसी ग्रुप के सर्व सुविधायुक्त अस्पताल संचालित है। सिवनी मालवा में जहां सोनोग्राफी की सुविधा उपलब्ध नहीं थी वहां सोनोग्राफी,सभी प्रकार की आवश्यक एवं प्राथमिक जांचें तथा 24 घंटे अस्पताल एवं एंबुलेंस की सेवा प्रदान की जा रही है। ग्रुप के हरदा तथा भोपाल अस्पताल में आयुष्मान कार्ड की सुविधा उपलब्ध है,जहां विशेषज्ञ एवं अनुभवी चिकित्सकों द्वारा 24 घंटे स्वास्थ्य सुविधाएं दी जा रही है। इस टीम के साथ सभी प्रकार की बीमारियों के विशेषज्ञ डॉक्टर जुड़े हुए हैं।

1 अक्टूबर 2021 के बाद का रजिस्ट्रेशन होना चाहिएः मुख्य प्रबंधक

राजस्थान रोडवेज करेगा अनुबंध आधार पर ग्रामीण क्षेत्रों में बसों का संचालन

धौलपुर। राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम द्वारा ग्रामीण परिवहन सेवा के प्रस्तावित मार्गों पर बस सेवा को प्रारम्भ किया जायेगा। इसके लिए इच्छुक व्यक्ति एवं फर्म अनुबन्ध पर बस लगाये जाने के लिए राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम कार्यालय धौलपुर से बस संचालन के लिए अधिक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। मुख्य प्रबंधक राजस्थान परिवहन निगम ने बताया कि ग्रामीण परिवहन सेवा के लिए 1 अक्टूबर 2021 के बाद का रजिस्ट्रेशन होना चाहिए। वाहन संचालन के लिए संचालकों को प्रदत्त मार्गों पर संचालक का एकाधिकार रहेगा। वाहन स्वामी को वाहन पर निगम का लोगो एवं राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम की सहभागिता से संचालित अंकित करवाना होगा। वाहन संचालक को निगम के बस स्टेण्डों से वाहन संचालन अनुमत होगा। वाहनों के संचालन के लिए मार्ग एवं अनुज्ञा पत्र निगम द्वारा उपलब्ध करवाये जायेंगे। अनुज्ञा पत्रों का नवीनीकरण अनुबंध अवधि तक वाहन स्वामी को ही करवाना

होगा। यात्रियों से वसूल किये जाने वाला किराया 1.50 रुपये प्रति किलोमीटर प्रति सीट निर्धारित किया गया है। वाहन संचालन से संबंधित समस्त खर्चे टैक्स, टोल, डीजल, मरम्मत, चालक, परिचालक इत्यादि वाहन स्वामी के द्वारा ही किये जायेंगे। वाहन से प्राप्त समस्त राजस्व वाहन स्वामी का होगा। वाहन का संचालन राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम की सहभागिता से किया जाएगा, जिसकी एवज में वाहन स्वामी द्वारा निगम को न्यूनतम 0.23 रुपये प्रति सीट प्रति किमी प्रति वाहन चालक सीट के अतिरिक्त निगम को देना होगा। सफल निविदादाता का चयन अधिकतम बोली प्रदाता के अनुसार किया जायेगा। वाहन संचालन पर संचालक द्वारा यात्रियों को निगम द्वारा दी जा रही समस्त प्रकार की निःशुल्क एवं रियायती यात्राओं का लाभ दिया जाएगा, जिसका पुनर्भरण यात्रियों को जारी किये गये निःशुल्क एवं रियायती यात्रा टिकट के लिए, निःशुल्क एवं रियायती यात्रा टिकटों की वास्तविक राशि या 90 प्रतिशत यात्री भार पर होने वाले राजस्व का 15 प्रतिशत, जो भी कम होगा वह देय होगा।

उन्होंने बताया कि ग्रामीण परिवहन सेवा प्रस्तावित मार्गों पर संचालन की जायेंगी। धौलपुर, बाडी मार्ग पर बसईडांग, कस्बानगर, वरपुरा, बाड़री, अलीगड, नोरहा, नगलाबीदोरा, जपावली, सहेडी, बाडी, धनौरा के लिए, बसेडी, ममोधन, धौलपुर मार्ग पर बागथर, भारली, ममोधन, कुनकुटा, सैंपऊ के लिए, धौलपुर, मांगरोल मार्ग पर मांगरौली, मडाभाऊ, जाटोली, भैसेना, तगावली के लिए, राजाखेडा, गन्हेदी, धौलपुर मार्ग पर राजाखेडा, बाजना, गन्हेदी, अजीतापुरा, जसूपुरा, बोथपुरा, मनिया के लिए, धौलपुर, बसईनबाब मार्ग पर ओदी, मालोनी, टेहरी, वहरावती, कोलारी, कुरैंधा, सिगौरा, नगलाहरलाल, बसईनबाव, बदरिका के लिए, धौलपुर, बसईनबाव मार्ग पर सैंपऊ, रजोराकला, पिपहैरा, बसईनबाव, सखबारा, मनिया, बिरोंधा के लिए, धौलपुर, झिरी मार्ग पर डौमई, झिरी, सरमथुरा, सौने का गुर्जा, कुदिन्ना, रूधेरा, तालाबसाई, बाड़ी, धनोरा, बिजोली, खनपुरा के लिए बसों का संचालन किया जायेगा। ग्रामीण परिवहन बस सेवा संचालन के लिए राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम धौलपुर के मुख्य प्रबन्धक के मोबाईल नंबर 9549653211 पर संपर्क कर सकते हैं।

चोरी करके ले जाया जा रहा लाखों का विद्युत तार पुलिस ने पकड़ा

मुरैना/जौरा। स्थानीय पुलिस द्वारा चोरी करके ले जाया जा रहा लाखों का विद्युत तार तो पकड़ा ही है चोरी में शामिल एक हाइड्रा एवं एक कैंटर ट्रक भी जप्त किया है फरियादी अनिल कुमार पुत्र जयराम यादव निवासी नादो थाना सौर बाजार जिला

सहरसा बिहार द्वारा दर्ज कराई गई रिपोर्ट में लिखाया है कि जोरा में हमारी कंपनी रामचंद्रन राव ट्रांसमिशन प्रोजेक्ट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा वर्तमान में 132 केवीए रेलवे ट्रेक्शन लाइन का तार खींचने का कार्य कराया जा रहा है। वर्तमान यह कार्य लगभग 90 प्रतिशत पूरा हो चुका है हमारी कंपनी के नो ड्रम तार जेल रोड पर स्थित दिनेश शर्मा के प्लाट में रखे हुए हैं दिनांक 26 मार्च 2025 की शाम 6:00 बजे के लगभग हमारे कर्मचारी शशिकांत का फोन आया कि अपने विद्युत तार को कैंटर क्रमांक आर जे 11 जी सी 1488 चालक अपने वाहन में तीन ड्रम हाइड्र से लाद कर चोरी कर ले जा रहे हैं। जब कंपनी के कर्मचारियों ने उन्हें रोकने की कोशिश की तो उन्होंने कैंटर ट्रक को रोक नहीं तत्काल नगर निरीक्षक उदयभान यादव को सूचना दी गई जिस पर से यादव ने उप निरीक्षक पंकज यादव एवं कन्हैया सिंह सिकरवार प्रविंद्र सिंह तोमर रामेंद्र सिंह परमार विक्रम सिंह प्रवीन शर्मा सहित अन्य पुलिस टीम को ले जाकर लाखों के तार को चोरी कर ले जा रहे कैंटर ट्रक का पीछा किया किया तो बिल गांव के पास एस रोड पर सीएम राइस स्कूल के पास उक्त कैंटर ट्रक चालक को पड़कर ट्रक सहित थाने लाया गया। वहीं हाइड्रा को भी पुलिस ने बीच रास्ते में ही पकड़ कर थाने में ही रखवाया रिपोर्ट में फरियादी अनिल कुमार ने यह भी लिखाया है कि हमने अपने माल को चेक किया तो उसमें से पी 1507 पी 15 18 पी 1544 नंबर के तार के ड्रम चोरी हुए थे जिनकी कीमत 11 लाख 74410 है पुलिस ने फरियादी की रिपोर्ट पर से चोरी का मामला भी दर्ज कर लिया है प्रकरण में कंपनी के एक अन्य कर्मचारी राम अवतार धाकड़ का कहना है कि कंपनी द्वारा 132 केवी सब स्टेशन से रेलवे स्टेशन तक तार खींचने का कार्य किया जा रहा है उक्त तार को ही चोरों द्वारा दिनदहाड़े चोरी कर लिया जा रहा था पुलिस की मदद से हाइड्रा एवं कैंटर वहां के दोनों चालक भी पुलिस गिरफ्तार कर लिए हैं एवं हमारा तार भी चोरी जाने से बच गया है प्रकरण में नगर निरीक्षक उदयभान सिंह यादव का कहना है कि रेलवे लाइन पर रामचंद्रन राव ट्रांसमिशन प्रोजेक्ट प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के ठेकेदार द्वारा तार खींचने का कार्य किया जा रहा था उनका सामान जोरा में रखा हुआ था जिसे एक हाइड्रा द्वारा कैंटर ट्रक में भरकर चोरी कर लिया जा रहा था दोनों चालक भी गिरफ्तार कर लिए हैं दोनों वहां भी जप्त हैं विद्युत तार की कीमत लगभग 12 लख रुपए है जबकि जप्त किए गए हाइड्रा एवं कैंटर ट्रक की कीमत भी लगभग 70 लाख रुपए आकी गई है।

फंदे पर लटकी मिली विवाहिता, दामाद पर लगाया हत्या का आरोप

खरगोन। जिले के ग्राम रेहगांव में गुरुवार सुबह एक महिला ने फांसी लगा ली। इस हादसे की सूचना पर अस्पताल पहुंचे मायके पक्ष ने अपने दामाद के अवैध संबंधों के चलते बेटी को फांसी लगाकर हत्या करने का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। पुलिस की समझाईश के बाद मायके ने पीएम की सहमति जताई।

मिली जानकारी अनुसार आरती पति आशीष जायसवाल (30) निवासी रेहगांव की फांसी लगने से मौत हो गई है। मृतिका के भाई जितेंद्र और काका दिलीप जायसवाल ने बताया कि आरती का विवाह करीब 8 वर्ष पहले आशीष से हुआ था। दामाद आशीष पर अवैध संबंध का आरोप लगाते हुए कहा कि आशीष आरती की बेरहमी से पिटाई करता था। 22 मार्च को ही भाई जितेंद्र विवाद बढ़ने पर समझाने भी गया था। गुरुवार को भी हमें आरती के घबराहट होने के कारण अस्पताल ले जाने की सूचना देकर बुलाया था। जीजा आशीष का मोबाइल भी बंद है और वह अस्पताल भी नही पहुंचा।

पशुपालन मंत्री अनेक कार्यक्रम में हुए शामिल, जगह- जगह हुआ स्वागत

बेगमगंज। मप्र पशुपालन एवं डेयरी केबीनेट मंत्री लखन पटेल बेगमगंज में होली मिलन समारोह सहित अनेक कार्यक्रमों में शामिल हुए जगह जगह हुआ भव्य स्वागत। बुधवार को पशुपालन मंत्री लखन पटेल के साथ पूर्व मंत्री प्रभुराम चोधरी, पूर्व विधायक रामपाल सिंह राजपूत एवं भाजपा जिलाध्यक्ष राकेश शर्मा का सर्वप्रथम ग्राम पलोहा में आयोजित कार्यक्रम, जलाश गार्डन के कुर्मी समाज, घाना पगोड़ा होटल में ब्राम्हणों ने पार्षद ओमकार यादव के निवास, पलकमती पर साहू समाज द्वारा विशेष रूप से स्वागत किया गया। जिसके उपरांत भाजपा कार्यालय में होली मिलन समारोह आयोजित हुआ। जहां पर बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं महिलाएं उपस्थित रही और फूलों से होली खेलकर बधाई दी। इस अवसर पर सभी ने कार्यकर्ताओं को एकजुट रहने और संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प दिलाया। तत्पश्चात ग्राम ध्वाज सागौनी स्थित वेयरहाउस एवं ग्राम सलैया में गौशाला का लोकार्पण किया।

वन नेशन, वन इलेक्शन से राजनीतिक स्थिरता आएगी विकास को मिलेगी रफ्तार: डॉ केएस उप्पल, शिक्षाविद

एक राष्ट्र, एक चुनाव होने से चुनाव खर्च कम होगा: पंकज चौरे, अध्यक्ष नगरपालिका

इटारसी। शासकीय महात्मा गांधी स्मृति पीजी कॉलेज इटारसी में गुरुवार को वन नेशन, वन इलेक्शन के समर्थन पर सेमिनार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के तौर पर पूर्व प्राचार्य व शिक्षाविद डॉ केएस उप्पल, नगरपालिका अध्यक्ष पंकज चौरे मौजूद थे। कॉलेज में मौजूद छात्र-छात्राओं को सेमिनार में वन नेशन, वन इलेक्शन के लाभ बताए गए। पूर्व प्राचार्य डॉ केएस उप्पल ने इस नीति के पक्ष में कहा कि इससे चुनाव खर्च में कमी आएगी। राजनीतिक स्थिरता स्थापित होगी और विकास कार्यों में तेजी आएगी। डॉ उप्पल ने कहा कि 1952 से लेकर 1967 तक देश में एक साथ चुनाव हुए हैं। इसलिए यह नहीं कह सकते कि ऐसा नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि यह एक तरह का इलेक्शन रिफार्म है और समय समय पर चुनाव प्रक्रिया में इस तरह के सकारात्मक रिफार्म होते रहे हैं। नगरपालिका अध्यक्ष पंकज चौरे ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका, बेल्जियम, जर्मनी, फिलीपींस और मुस्लिम देश इंडोनेशिया में भी साथ एक चुनाव हो रहे हैं। 1952 से लेकर 1967 तक देश में एक साथ चुनाव हुए हैं, तब संघीय ढांचे पर प्रहार नहीं हुआ, तो अब कैसे होगा। उन्होंने कहा कि वन नेशन वन इलेक्शन की कवायद 1983 से चल रही है। तब इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया की पहली रिपोर्ट आई थी, उसमें भी कहा गया था कि देश में एक साथ चुनाव होने चाहिए। नगरपालिका अध्यक्ष पंकज चौरे ने कहा कि कहा कि 1983 में तो हमारी सरकार नहीं थी। उन्होंने कहा कि इसके बाद कई रिपोर्ट आई, उसमें भी कहा गया कि देश में चुनाव एक साथ ही होने चाहिए। यह एक इलेक्शन रिफॉर्म है, जिसे देश में लागू होना ही चाहिए। नगरपालिका अध्यक्ष पंकज चौरे ने कहा कि अलग-अलग समय पर चुनाव होने के कारण देश में सालभर कहीं न कहीं आदर्श आचार संहिता लागू रहती है, जिससे विकास कार्यों पर प्रभाव पड़ता है, यदि पूरे देश में चुनाव एक साथ कराए जाते हैं, तो इससे न केवल प्रशासनिक बोझ कम होगा, बल्कि विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में भी तेजी आएगी। उन्होंने कहा कि इससे चुनावी खर्च में कमी आएगी और प्रशासन पर पड़ने वाला अतिरिक्त दबाव भी कम होगा।

RNTU Rabindranath TAGORE UNIVERSITY™

विकसित भारत अभियान 1947 TO 2047

SHODH SHIKHAR-VIGYAN PARV 2025

4th INTERNATIONAL CONFERENCE ON RESEARCH, INNOVATION & SCIENCE COMMUNICATION

'VIKSIT BHARAT NAYA BHARAT', PROGRESSING FROM DEVELOPING TO DEVELOPED INDIA

on

28th-29th March, 2025 Rabindranath Tagore University Campus, Bhopal

FOR RESEARCHERS, INNOVATORS AND UNIVERSITY STUDENTS

Chief Guest

Dr. Atul Kothari
National Secretary of Shiksha Sanskriti Utthan Nyas, New Delhi

Special Guest

Shri Narayan Singh Kushwaha
Hon. Minister, Government of Madhya Pradesh

Chairperson
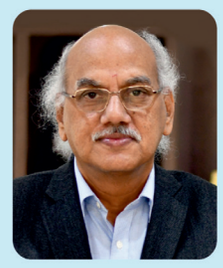
Shri Santosh Choubey
Chancellor Rabindranath Tagore University

CATEGORIES OF PARTICIPATION
- Engineering & Technology
- Modern Science, Sustainable Agriculture & Food Security
- Humanities and Liberal Arts, Education
- Commerce, Management & Law
- Holistic Medical Science
- Industry-Academia Collaboration for Commercialisation
- Science Communication

EXCITING CASH PRIZES AND CERTIFICATES WILL BE AWARDED TO WINNERS & PARTICIPANTS

Organizers
DR. C.V. RAMAN UNIVERSITY Chhattisgarh, Bilaspur AN AISECT GROUP UNIVERSITY
DR. C.V. RAMAN UNIVERSITY Bihar, Vaishali AN AISECT GROUP UNIVERSITY
AISECT UNIVERSITY JHARKHAND, HAZARIBAG AN AISECT GROUP UNIVERSITY
DR. C.V. RAMAN UNIVERSITY Madhya Pradesh, Khandwa
SCOPE GLOBAL SKILLS UNIVERSITY

For more details please visit : www.shodhshikhar-agu.aisect.org
For any query : shodhkshikhar@aisectuniversity.ac.in

3 वर्षों से लगातार आयुष्मान में निःशुल्क

नेशनल हॉस्पिटल, रीवा

कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी | पथरी का दूरबीन के द्वारा ऑपरेशन | प्रोस्टेट, हर्निया, हाइड्रोसील

पता-नेशनल हॉस्पिटल, समान तिराहा, न्यू बस स्टैण्ड, रीवा (म.प्र.)

Mob. : 91 7566831551, 18008890620, 8608600604

7 APRIL

स्वत्वाधिकारी, समय जगत मीडिया प्रा.लि. के लिए प्रकाशक, मुद्रक अशोक त्रिपाठी द्वारा श्री बालाजी प्रिंटर्स प्लॉट नं. 21, सेक्टर-एच, गोविंदपुरा इंडस्ट्रियल एरिया, भोपाल 462011 से मुद्रित कर जी-1 गोयल निकेत अपार्टमेंट प्रेस कॉम्प्लेक्स जोन-1 एमपी नगर भोपाल म.प्र. से प्रकाशित। पिन नं. 462011, संपादक **अभिनव त्रिपाठी।**
RNI-MPHIN/2004/13180 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार) सभी प्रकार के विवादों के लिए न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। **फोन :** 0755-4700402, ई-मेलः dainiksamayjagat@gmail.com